THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 294 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष अमावस्या 2080 गुरुवार, 11 जनवरी-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

'भारत 25-साल के लक्ष्य पर'

> वाइब्रेंट गुजरात समिट का उद्घाटन किया > अडाणी 5 साल में 2 लाख करोड़ निवेश करेंगे

* भारत-यूएई के बीच कई समझौतों पर साइन हुए

गांधीनगर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीनगर में वाइब्रेंट गुजरात समिट के 10वें एडिशन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत अगले 25 वर्षों के लक्ष्य पर काम कर रहा है। जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब तक हमने भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है। यूएई के प्रेसिडेंट मोहम्मद बिन जायद कई अन्य वर्ल्ड लीडर्स और इंडस्ट्री लीडर्स के साथ चीफ गेस्ट के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हैं। वहीं मुकेश अंबानी, पंकज पटेल, गौतम अडाणी और लक्ष्मी मित्तल समेत देश-विदेश के दिग्गज कारोबारी समिट में मौजूद हैं।

पीएम मोदी ने कहा- इस कार्यक्रम में मेरे भाई, और यूएई के प्रेसिडेंट का होना खुशी की बात है। भारत और यूएई ने अपने रिश्तों को जो नई ऊंचाई दी है, उसका श्रेय मेरे दोस्त और यूएई के प्रेसिडेंट शेख मोहम्मद बिन जायद को जाता है। दोनों देशों के बीच कई बड़े समझौते हुए हैं। पोर्ट डेवलपमेंट के लिए संयुक्त अरब अमीरात के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। भारत की प्राथमिकता फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी है। भारत की प्राथमिकता ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर है। इसकी झलक ट्रेड शो में देख सकते हैं। मेरा आग्रह है सभी लोग ट्रेड शो जरूर देखें। इन सेक्टर्स में इन्वेस्टमेंट के लिए लगातार नए अवसर बन रहे हैं। अगर भारत की ग्रोथ में इतना मोमेंटम दिख रहा है, तो इसकी वजह बीते 10 साल में किए गए इंफ्रास्ट्रक्चर रिफॉर्म पर फोकस है।

भारत में 10 साल में 74 से 149 एयरपोर्ट हुए

भारत लॉजिस्टिक्स पर भी तेजी से काम कर रहा है। 10 साल पहले भारत में 74 एयरपोर्ट थे आज भारत में 149 एयरपोर्ट हैं। नेशनल हाईवे नेटवर्क दो गुना और मेट्रो ट्रेन नेटवर्क 3 गुना से ज्यादा बढ़ चुका है। गुजरात हो महाराष्ट्र हो या ईस्टर्न कोस्ट लाइन हो इनको आज डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जोड़ा जा रहा है।

रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने कहा- जब मेरे विदेशी दोस्त मुझसे पूछते हैं कि 'मोदी है तो मुमकिन है' का मतलब क्या है, तो मैं कहता हूं कि भारत के प्रधानमंत्री एक विजन बनाते हैं और उसे क्रियान्वित करते हैं, वे असंभव को संभव बना देते हैं। मेरे पिता धीरूभाई अंबानी मुझसे कहा करते थे कि गुजरात हमेशा तुम्हारी कर्मभूमि रहेगी। मैं आज दोहराता हूं कि रिलायंस हमेशा गुजरात की कंपनी रहेगी। >14

महाराष्ट्र में बच गई शिंदे सरकार

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके गुट के विधायकों के खिलाफ अयोग्यता मामले में फैसला सुनाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि, शिंदे गुट ही असली शिवसेना है और उद्धव ठाकरे भी पार्टी नियमों के तहत ही पार्टी के नेता बने थे।

इसके साथ ही स्पीकर ने यह भी कहा था कि 'एकनाथ शिंदे को हटाने का अधिकार उद्धव को नहीं है। बता दें कि, करीब 18 महीने पहले शिंदे समेत 39 विधायकों ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत कर दी थी, जिसकी वजह से 57 साल पुरानी पार्टी शिवसेना में विभाजन हो गया था और महाविकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी। इस घटना के बाद दोनों गुटों ने एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए याचिकाएं दायर की थीं।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होंगी सोनिया गांधी

खरगे-अधीर ने भी किया किनारा

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने इसकी जानकारी दी है। पार्टी की ओर जारी बयान में कहा गया कि पिछले महीने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन स्वरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिला। इसमें आगे कहा गया कि भगवान राम की पूजा-अर्चना करोड़ों भारतीय करते हैं। धर्म मनुष्य का व्यक्तिगत विषय होता आया है, लेकिन भाजपा और आरएसएस ने वर्षों से अयोध्या में राम मंदिर को एक राजनीतिक परियोजना बना दिया है। बयान में कहा गया, 'स्पष्ट है कि एक अर्द्धनिर्मित मंदिर का उद्घाटन केवल चुनावी लाभ उठाने के लिए ही किया जा रहा है।

संजय सिंह, मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 20 जनवरी तक बढ़ी

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आप सांसद संजय सिंह और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 20 जनवरी तक बढ़ा दी है। वित्तीय जांच एजेंसी ने 4 अक्टूबर को नॉर्थ एवेन्यू इलाके में उनके आवास पर तलाशी लेने के बाद सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। सिंह की गिरफ्तारी इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसौदिया के बाद दूसरी बड़ी गिरफ्तारी थी।दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 के निर्माण और कार्यान्वयन से संबंधित भ्रष्टाचार में कथित संलिप्तता के लिए सिसोदिया को 26 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

इसके बाद ईडी ने उन्हें उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 9 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था। ईडी ने मामले में आप संचार प्रभारी विजय नायर को भी गिरफ्तार किया था। शराब घोटाला मामला इस आरोप से संबंधित है कि आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की 2021-22 की उत्पाद नीति ने गुटबंदी की अनुमति दी और कुछ डीलरों का पक्ष लिया, जिन्होंने कथित तौर पर इसके लिए रिश्वत दी थी।

भारत जोड़ो यात्रा को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मणिपुर से हरी झंडी दिखाने की अनुमति मिल गई है। मणिपुर के गृह विभाग ने कांग्रेस को कुछ शर्तों के साथ इजाजत दी है।

मणिपुर में हिंसा को देखते हुए पहले राज्य सरकार ने कांग्रेस की इस यात्रा को इजाजत नहीं दी थी, उसके बाद जब कांग्रेस की ओर से ये मुद्दा उठाया गया तो मणिपुर के गृह विभाग ने इंफाल पूर्व के जिलाधिकारी को इस मामले में पत्र लिखा था।

राम मंदिर के लिए सौंपा गया 2,400 किलो का घंटा

10 कि.मी. तक जाएगी आवाज

अयोध्या, 10 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के एटा के जलेसरवासियों की तरफ से बुधवार को राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट को 2,400 किलो का घंटा सौंपा गया। दावा किया जा रहा है कि एक ही ढलाई में बने इस घंटे की आवाज दस किलोमीटर तक जाएगी। इसके साथ ही 51 किलो के सात और घंटे भी सौंपे गए। पांच सौ रामभक्तों के साथ आदित्य मित्तल, मनोज, रिशांक, प्रशांत मित्तल आदि अयोध्या पहुंचे।

इन लोगों ने कारसेवकपुरम पहुंचकर मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय, विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक दिनेश चंद्र, राजेन्द्र सिंह पंकज आदि को सभी घंटे मंदिर के निमित्त सौंपे। दरअसल, अयोध्या में 22 जनवरी को श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसके लेकर देशभर में उल्लास है। श्रीराम के भव्य मंदिर में उत्तर प्रदेश के एटा की पहचान भी दिखेगी। घंटा अष्टधातु का है, जिसमें पीतल, कांस्य, तांबा, एल्युमिनियम, लोहा, स्वर्ण, चांदी और जस्ता शामिल हैं। एक निश्चित मात्रा में इन अष्टधातुओं का उपयोग किया गया है। 2,400 किलो का घंटा बनने में 21 दिन लगे।

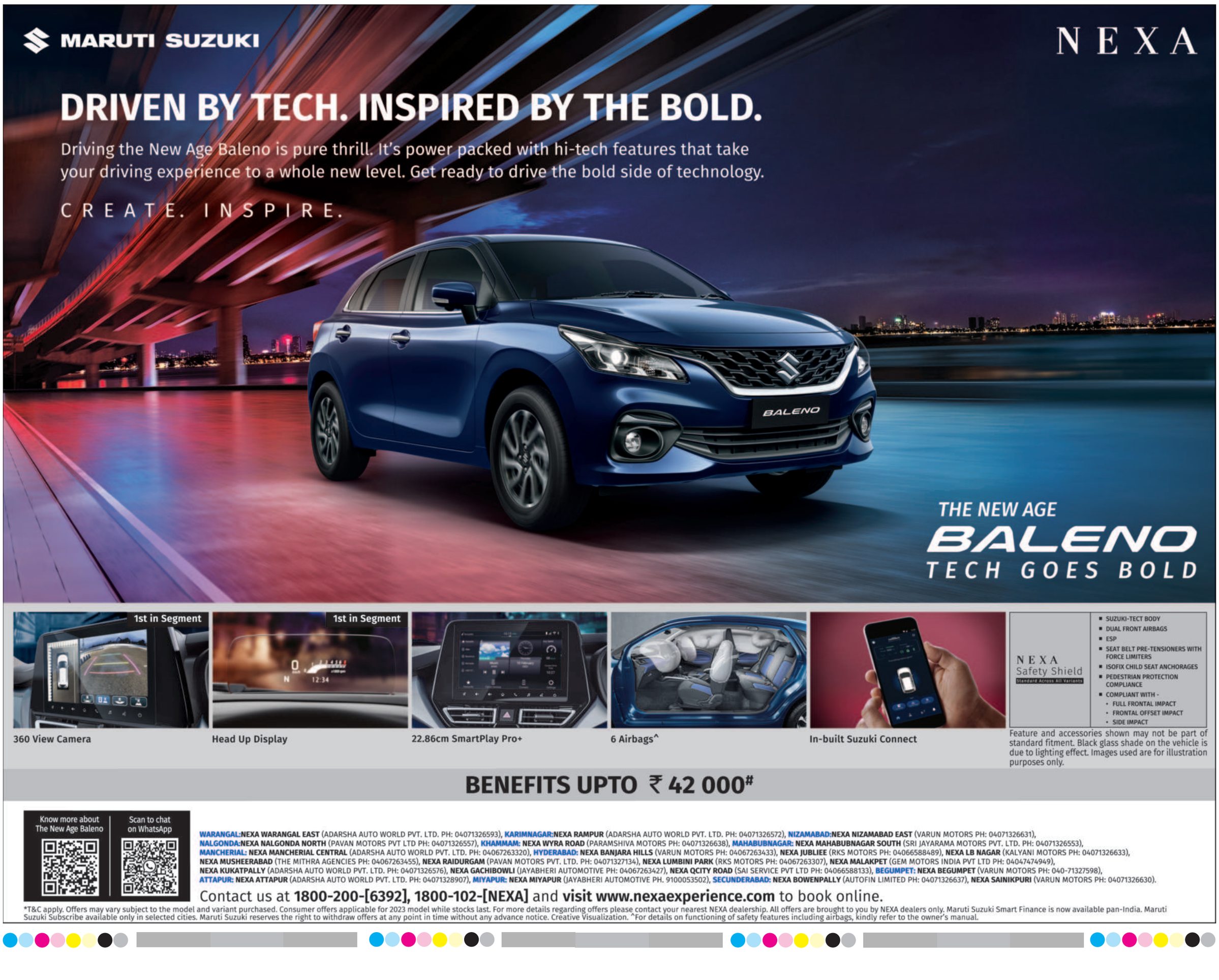

राजस्थान के मंत्री बाबूलाल बोले

खूब बच्चे पैदा करो, पीएम मोदी बनवा देंगे मकान

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने अधिक बच्चे पैदा करने का समर्थन करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मकान बनवा कर देंगे इसलिए तकलीफ नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए और कोई बिना छत के न रहे। खराड़ी ने बुधवार को उदयपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "प्रधानमंत्री का सपना है कि कोई भी भूखा न सोए और कोई बिना छत के न रहे। आप बच्चे खूब पैदा करो। प्रधानमंत्री जी आपको मकान बनाकर देंगे तो तकलीफ किस बात की है।" खराड़ी की दो पत्नियां और आठ बच्चे हैं। उनके चार बेटे और इतनी ही बेटियां हैं। पूरा परिवार उदयपुर की कोटड़ा तहसील से करीब तीन किलोमीटर दूर निचला थला गांव में रहता है। उदयपुर के नाई गांव में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' शिविर के लिए बनाए गए मंच पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहे। खराड़ी ने जैसे ही यह बात कही तो सभा में मौजूद लोग हंसने लगे जबकि मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधि एक दूसरे की तरफ दिखने लगे। मंत्री ने लोगों से 2024 के लोकसभा चुनावों में फिर से प्रधानमंत्री मोदी को वोट देने की अपील की और कहा कि सरकार लोगों के लिए विभिन्न जन कल्याणकारी कदम उठा रही है।

'दुनिया से प्रतिस्पर्धा करने के लिए देश के लिए गुणवत्ता नियंत्रण जरूरी'

एक याचिका पर कर्नाटक हाईकोर्ट की टिप्पणी

बेंगलुरु, 10 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बुधवार को उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें भारत में आयातित प्लास्टिक की गुणवत्ता जांच में हस्तक्षेप करने की मांग की गई थी। भारत सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, 5 जनवरी, 2024 से देश के तटों पर आयातित प्लास्टिक पर गुणवत्ता नियंत्रण लगाया गया है। याचिका को खारिज करते हुए गुणवत्ता नियंत्रण के लिए इसे एक आवश्यक कदम बताते हुए हाईकोर्ट ने कहा, दूसरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में देश तभी सक्षम होगा, यदि गुणवत्ता 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत शुरू से लेकर तैयार उत्पाद तक उभरती है। तभी देश बेहतर होगा। अदालत ने कहा, इस दिशा में न्यायालय द्वारा कोई भी हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा, सिवाय इसके कि यदि उस दिशा में उठाया गया कदम, स्पष्ट और मनमानी को दर्शाता है, जिसकी वकालत नहीं की गई है।

ऑल इंडिया एचडीपीई/पीपी वोवन फैब्रिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने हाईकोर्ट के समक्ष याचिका दायर की थी, जिस पर न्यायमूर्ति एम नागाप्रसन्ना ने सुनवाई की है। 8 जनवरी को अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा संगठन और सांठगांठ का विरोध करने के अलावा कोई अन्य दलील नहीं दी गई है। हाईकोर्ट ने पहले के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि कोर्ट नीतिगत मामलों पर सरकार के सलाहकार की तरह काम नहीं कर सकता। अदालत ने कहा, यदि मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत उत्पाद को मेड इन इंडिया टैग के तहत निर्यात करने की मांग की जाती है, तो सीमा से गुणवत्ता आग्रह यह सुनिश्चित करेगा कि अंतिम उत्पाद सभी आवश्यक वैश्विक मानकों को पूरा करेगा।

याचिका को खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा, प्लास्टिक निर्माण में गुणवत्ता नियंत्रण हमेशा विनिर्माण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की निगरानी और निरीक्षण की प्रक्रिया को संदर्भित करता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतिम प्लास्टिक उत्पाद गुणवत्ता के कुछ मानकों को पूरा करते हैं। कोर्ट ने कहा, इसलिए, अब प्रत्येक कच्चे माल को बीआईएस के तहत लाने की मांग केवल इसे गुणवत्तापूर्ण अंतिम प्लास्टिक उत्पाद बनाने के लिए की जाती है, क्योंकि यह पर्यावरण के लिए खतरनाक नहीं होगा और आम जनता के लिए उपयोगी होगा।

गुजरात में कंटेनर टर्मिनल बनाएगा

चेयरमैन सुल्तान अहमद बिन सुलेयम

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। वैश्विक लॉजिस्टिक्स प्रबंधन एवं सेवा कंपनी डीपी वर्ल्ड के चेयरमैन सुल्तान अहमद बिन सुलेयम ने बुधवार को कहा कि गुजरात में एक कंटेनर टर्मिनल का निर्माण करेगी तथा भारत में और निवेश को प्रतिबद्ध है। वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन (वीजीजीएस) के यहां आयोजित 10वें संस्करण में सुल्तान अहमद बिन सुलेयम ने कहा कि कंपनी भारतीय सामान को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी तथा सुलभ बनाने के लिए भारतीय लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के साथ साझेदारी करना जारी रखेगी। साथ ही गुजरात और भारत के शेष स्थानों में विनिर्माण उद्योगों का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि डीपी वर्ल्ड ने 2003 में मुंद्रा इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल के उद्घाटन के साथ गुजरात में अपना परिचालन शुरू किया था। बिन सुलेयम ने कहा, " हमने गुजरात के साथ-साथ भारत के अन्य राज्यों में भी 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है।'

' उन्होंने कहा कि ये निवेश विभिन्न गतिविधियों में किए गए जैसे कि मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम का विकास, कंटेनर फ्रेट स्टेशन, अंतर्देशीय टर्मिनल कॉन्ट्रैक्ट लॉजिस्टिक्स, कोल्ड चेन और एक्यूट फर्स्ट कार्गो सेवाएं आदि। बिन सुलेयम ने कहा, " डीपी वर्ल्ड अगले कुछ वर्षों में तीन अरब अमेरिकी डॉलर के अतिरिक्त निवेश की योजना बना रहा है।

महिलाओं और गरीबों के कल्याण के लिए उठाए कई कदम

जल्द ही बनेंगे 'विश्व गुरु' : शिवराज चौहान

भोपाल, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की महिलाओं और गरीबों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं और वह भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। करीमनगर जिले के कोंडापलकला गांव में मंगलवार को ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए कदम उठाए गए हैं। चौहान ने कहा, ''एक ओर जहां शक्तिशाली, समृद्ध और खुशहाल भारत विकसित किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर महिलाओं, गरीबों और युवाओं के हित को प्राथमिकता दी जा रही है।'' उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रगति के मामले में भारत दुनिया में पांचवें स्थान पर है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने वायरस को खत्म करने के लिए टीका तैयार किया था और लगभग 200 करोड़ खुराक निशुल्क दी गईं। बैठक में करीमनगर के जिलाधिकारी पामेला सतपति और अन्य मौजूद रहे। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी को हाल के तेलंगाना विधानसभा चुनावों में लगभग 14 प्रतिशत वोट मिले और आठ उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि पार्टी आगामी संसदीय चुनावों में राज्य में अच्छा प्रदर्शन करेगी। चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भारत को विश्व नेता बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं और देश जल्द ही ''विश्व गुरु'' बनने जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा लगातार तीसरी बार संसदीय चुनाव जीतेगी।

दिल्ली में इंसानियत हुई शर्मसार

युवक पर नाबालिगों ने चाकू से किए ताबड़तोड़ वार, फिर शव को घसीटकर मचाया तांडव

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली के बदरपुर थाना क्षेत्र में हत्या की सनसनी और रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है । यहां पर अरमान उर्फ कुरु ने अपने तीन नाबालिग साथियों के साथ गौरव (22) नामक युवक की चाकू से 25 से ज्यादा वार कर बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी गौरव के शव को करीबन 60 -70 मीटर तक घसीटते रहे। आरोपियों की दरिंदगी उस समय थमी जब बदरपुर थाने में तैनात पुलिसकर्मी नाइट पेट्रोलिंग करते हुए वहां पहुंचे। आरोपियों ने भागते हुए बदरपुर थाने में तैनात हवलदार को भी घायल कर दिया। हवलदार नटवर को अस्पताल मे भर्ती कराया गया है।

भोपाल, 10 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में जल्द ही राम मंदिर का उद्घाटन होने जा रहा है जिसको लेकर ना सिर्फ तैयारियां जोरों पर हैं बल्कि राजनीति भी लगातार गर्म है। बीते दिनों उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने राम मंदिर पर बड़ा बयान देते हुए कहा था कि चारों शंकराचार्य वहां नहीं जा रहे हैं। मंदिर अभी अधूरा है और अधूरे मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा नहीं की जानी चाहिए। इस बयान के बाद से मंदिर को लेकर विवाद बढ़ गया है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भी ट्वीट किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि संघ देश के सभी धार्मिक स्थानों पर कब्जा करना चाहता है।

क्या बोले दिग्विजय सिंह

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस मंदिर निर्माण धर्माचार्यों को सौंपना चाहती थी ना कि राजनैतिक लोगों को। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव का जिक्र करते हुए कहा कि पूर्व पीएम नरसिम्हा राव को इसीलिए चारों शंकराचार्य जी के साथ रामानन्द सम्प्रदाय के स्वामी रामनरेशाचार्य जी महाराज को सदस्य बना कर रामालयन्यास का गठन किया था और सबसे वरिष्ठ द्वारिका और ज्योतिषापीठ के शंकराचार्य स्व स्वामी स्वरूपानंद जी महाराज को उसका अध्यक्ष बनाया था। मैने पहले भी कहा था कि संघ देश के सभी धार्मिक स्थानों पर कब्जा करना चाहता है। यह लोग सदियों पुरानी परंपराओं को समाप्त कर रहे हैं। यह लोग समाज में फूट डालो राज करो की राजनीति कर रहे हैं।

चंपत राय पर लगाया आरोप

दिग्विजय सिंह ने चंपत राय पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चंपत राय ने संघ के प्रचारक हैं और उन्होनें राम भक्तों के चंदे से ज़मीन ख़रीदी में घपला कर भ्रष्टाचार किया। अब राम मंदिर के संचालन कर राम भक्तों की श्रद्धा से चढ़ाई हुई भेंट पर वह बीजेपी का प्रचार प्रसार करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरी सभी लोगों से प्रार्थना है कि धर्म से राजनीति अलग करे और सर्व धर्म सम भाव का पालन करें।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का बयान

उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने राम मंदिर पर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में चारों शंकराचार्य नहीं जाएंगे। मंदिर अभी पूरी तरह से बना नहीं है, इसलिए आधे-अधूरे मंदिर में भगवान को स्थापित किया जाना धर्म संम्मत नहीं है। उन्होंने कहा कि हम एंटी मोदी नहीं है लेकिन हम एंटी धर्म शास्त्र भी नहीं होना चाहते। शंकराचार्य केवल धर्म व्यवस्था देते हैं। चंपत राय को जानना चाहिए कि शंकराचार्य और रामानंद संप्रदाय के धर्मशास्त्र अलग-अलग नहीं होते। अगर ये मंदिर रामानंद संप्रदाय का है तो वहां चंपत राय और दूसरे लोग क्यों हैं? वे लोग वहां से

संघ देश के सभी धार्मिक स्थानों पर कब्जा करना चाहता है: दिग्विजय सिंह

एसएफआई ने केरल के राज्यपाल के दौरे से पहले विरोध में लगाए बैनर

मलाप्पुरम, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की छात्र शाखा 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एसएफआई) ने मलाप्पुरम के पोन्नानी में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के विरोध में बैनर लगाए जहां वह बुधवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। एसएफआई ने दिवंगत कांग्रेस नेता पी। टी। मोहन कृष्णन की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए खान के आगमन से कुछ घंटे पहले पोन्नानी में जगह-जगह बैनर लगाए जिन पर लिखा है, 'श्रीमान कुलाधिपति आपका यहां स्वागत नहीं है' और 'श्रीमान कुलाधिपति यह वह जगह है जहां के बहुत से लोगों को आप खूनी अपराधी कहते हैं, सावधान रहें'।

खान को व्यापारियों के संगठन केरल व्यापारी व्यवसायी एकोपना समिति द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लेने के लिए इडुक्की जिले के थोडुपुझा की यात्रा के दौरान भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा से जुड़े विभिन्न युवा संगठनों ने राज्यपाल का विरोध किया था। केरल सरकार भूमि अवलोकन (संशोधन) विधेयक 2023 को राज्यपाल की मंजूरी न मिलने के विरोध में एलडीएफ ने इडुक्की जिले में हड़ताल का आह्वान किया था।

ममता बनर्जी के 'नौटंकी' वाले बयान पर नित्यानंद राय का करारा जवाब, कहा- 'बंद होने वाली है दुकान

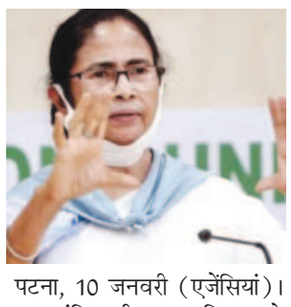

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजेपी पर हमला किया था। कहा था कि लोकसभा चुनाव (2024) से पहले राम मंदिर उद्घाटन के जरिए बीजेपी नौटंकी कर रही है। अब उनके इस बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार (10 जनवरी) को मीडिया से बात करते हुए कहा कि इनकी दुकान बंद होने वाली है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा, ममता बनर्जी ही नहीं पूरा घमंडिया गठबंधन घबराया हुआ है। इन लोगों की नीति में हिंदुओं का विरोध करके, सनातन का विरोध करके, तुष्टिकरण की नीति से वोट को इकट्ठा कर अपनी सत्ता को बरकरार रखने की हमेशा इनकी तैयारी होती थी। लगता था कि भारत की राजनीति इसी पर है। देश को तुष्टिकरण के कारण जो नुकसान होता था, अब इनकी दुकान बंद होने वाली है। नित्यानंद राय ने कहा कि आज सब लोग समझ रहे हैं कि अब वैसी राजनीति नहीं चलेगी जिसमें तुष्टिकरण की नीति हो। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का मंदिर बन रहा है। 22 जनवरी को पीएम मोदी उद्घाटन करेंगे। यह ऐसा काल है जिसको हम मोदी काल कहते हैं।

राम मंदिर पर क्यों करेंगे राजनीति ?: नित्यनंद

बीजेपी नेता ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा, मोदी काल में मंदिर भी बना, गरीबों का घर भी बना, शौचालय भी बने, यहां जितने सांस्कृतिक स्थल थे, पौराणिक स्थल थे उसका फिर से उद्धार हुआ। स्कूल भी खुले, अस्पताल भी खुले। गरीबी मिट रही है। लोगों के घर में खुशियां पहुंच रही है। कहा जा रहा है कि मंदिर के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। क्यों राजनीति करेंगे? अयोध्या में जो कार्यक्रम हो रहा है वह बीजेपी का नहीं है। राम जन्म भूमि का है।

जम्मू कश्मीर: पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास से ढाई किलो हेरोइन जब्त, तलाशी अभियान जारी

पुंछ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला पुंछ में बुधवार को सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के पास से ढाई किलो मादक पदार्थ जब्त किए गया है, जो कि तीन पैकेटों में बंद था। नशीले पदार्थ की खेप को नियंत्रण रेखा के पार से तस्करी कर इस ओर पहुंचाया गया था। इससे पहले कि तस्कर इस तक पहुंचता, पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम ने इस खेप को जब्त कर लिया है। अधिकारियो ने बताया कि प्रतिबंधित पदार्थ हेरोइन को तस्करी कर यहां लाया गया था, जिसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये में है। जवानों की टीम आसपास के इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान भी चला रही है।

'मुलाकात' पर विधानसभा स्पीकर का तंज

बोले- पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे को पता होना चाहिए

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर फैसला सुनाने से पहले विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मुलाकात ने महाराष्ट्र में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। दरअसल, स्पीकर-मुख्यमंत्री की मुलाकात पर उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना के सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद स्पीकर नार्वेकर ने उद्धव ठाकरे की आलोचना की है। शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को हलफनामा दाखिल किया है। उद्धव गुट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और स्पीकर राहुल नार्वेकर की मुलाकात पर आपत्ति जताई है। जिसको लेकर नार्वेकर ने कहा कि ठाकरे को पता होना चाहिए कि एक स्पीकर किस उद्देश्य से मुख्यमंत्री से मिल सकता है। नार्वेकर ने कहा कि इस प्रकार के आरोप केवल दबाव डालने के लिए लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते उन्हें इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि एक स्पीकर मुख्यमंत्री से किन कारणों को लेकर मिलता है। एक विधायक होने के नाते भी कई काम होते हैं, जिसको लेकर मेरी उनसे चर्चा होनी थी यह चर्चा 3 तारीख को होने वाली थी, लेकिन मेरी तबीयत खराब होने के चलते हम मिल नहीं पाए और इसीलिए बाद में मुलाकात की।

कोहरे ने रोका भोपाल का हवाई सफर, खराब विजुअल्टी के कारण लेट हुए ये विमान

भोपाल, 10 जनवरी (एजेंसियां)। कोहरे के चलते बुधवार को राजधानी भोपाल में हवाई सफर पूरी तरह से प्रभावित रहा। ऐसे में हवाज जहाज से भोपाल आने और भोपाल से उड़ान भरने वाले यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। सुबह खराब विजुअल्टी के कारण भोपाल में एक भी फ्लाइट समय पर लैंड नहीं हो पाई। दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर और जयपुर से भोपाल आने वाली सभी फ्लाइट चार घंटे से भी अधिक देरी तक लेट हुईं। ऐसे में राजाभोज एयरपोर्ट पर यात्री घंटों परेशान होते रहे। इसके साथ ही कोहरे और खराब मौसम के कारण आगरा भोपाल फ्लाइट को रद्द किया गया है।

इन फ्लाइट पर पड़ा असर

एयर इंडिया की फ्लाइट एआई435 4 घंटे 30 मिनट लेट रही। प्रतिदिन यह सुबह 7:15 बजे दिल्ली से भोपाल आती है। इसके साथ ही इंडिगो की फ्लाइट 6ई6232 भी 4 घंटे लेट रही। आम दिन में यह सुबह 8:15 बजे दिल्ली से भोपाल पहुंचती है। इंडिगो की 6ई7469 जयपुर फ्लाइट और इंडिगो की 6ई2369 बैंगलोर फ्लाइट भी 4 घंटे लेट रहीं। सामान्यत 6ई7469 फ्लाइट जयपुर से सुबह 8:30 बजे भोपाल पहुंचती है।

जबकि 6ई2369 फ्लाइट बैंगलोर से सुबह 9:15 बजे भोपाल पहुंचती है। इंडिगो ने 6ई7929 आगरा-भोपाल फ्लाइट बुधवार को निरस्त किया है। जानकारी के मुताबिक घने कोहरे के कारण इंडिगो की फ्लाइट 6ई7929 भोपाल नहीं पहुंचेगी।

पाकिस्तान की जेल में बंद है हाफिज सईद, 78 साल की काट रहा सजा

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। आतंकवादी हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने ताजा अपडेट में बड़ी जानकारी सामने आई है। भारत में टेरर अटैक का सरगना और प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा का प्रमुख हाफिज सईद पाकिस्तान सरकार की हिरासत में है। वह आतंकवाद के फंडिंग के सात मामलों में दोषी करार दिए जाने के बाद 78 वर्ष के कारावास की सजा काट रहा है। बता दें कि दिसंबर में भारत ने पाकिस्तान से संयुक्त राष्ट्र से पाबंद आतंकवादी हाफिज सईद को प्रत्यर्पित करने के लिए कहा था। क्योंकि हाफिज आतंकवाद के कई मामलों में भारत में वांछित है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति की ताजा अपडेट में कहा गया है कि सुरक्षा परिषद की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति द्वारा दिसंबर 2008 में वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया हाफिज सईद 12 फरवरी 2020 से पाकिस्तान सरकार की हिरासत में है। यूएन ने कहा कि हाफिज सईद आतंकवाद के फंडिंग के मामलों में दोषी करार दिए जाने के बाद जेल में सजा काट रहा है।

हाफिज अब्दुल सलाम भुट्टावी की मौत

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा परिषद समिति ने पिछले महीने अपनी आईएसआईएल (दाएश) और अल-कायदा प्रतिबंध सूची में आतंकियों और उनके समूहों की संपत्ति फ्रीज करने, यात्रा और हथियारों पर प्रतिबंध लगाने के अधीन कुछ इंट्री में संशोधन किया गया था। इसी संशोधनों के तहत यह भी दर्ज किया गया था कि लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक सदस्य हाफिज अब्दुल सलाम भुट्टावी मर चुका है। बतादें, आतंकी हाफिज अब्दुल भुट्टावी ने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के लिए लश्कर के हमलावरों को ट्रेनिंग दी थी। साथ ही दो बार आतंकवादी संगठन के प्रमुख के रूप में भी काम किया था। संशोधन के मुताबिक मई 2023 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की जेल में उसकी मौत हो गई थी।

दिल्ली सीएम आवास विवाद फिर चर्चा में बीजेपी ने की सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास की मरम्मत पर प्रतिवर्ष औसतन 8.5 करोड़ रुपए खर्च होने पर एक बार फिर सवाल उठाया है। बीजेपी के नेताओं का आरोप है कि मुख्यमंत्री आवास में छोटी-मोटी मरम्मत, नवीकरण, प्लंबर कार्यों की आड़ में भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन का दुरुपयोग अरविंद केजरीवाल सरकार का पर्याय बन गया है। अब इस मामले में दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने ने सीबीआई जांच की मांग की है। दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि एक आरटीआई में हुए खुलासे से जानकर हैरानी हुई है कि 2015 से 2022 के बीच 8 वर्षों में दिल्ली सीएम आवास में छोटे-मोटे सिविल वर्क, सेनेटरी, प्लंबिंग, बढ़ईगीरी आदि के काम पर प्रति वर्ष औसतन 8.5 करोड़ रुपए खर्च हुए।

पुराने बंगले की मरम्मत पर खर्च हुए 29 करोड़

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि एक तरफ अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास परिसर में नगर निगम की अनुमति के बिना नए बंगले के निर्माण पर 50 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि, पुराने बंगले की छोटी-मोटी मरम्मत पर 8 साल में 29.56 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

मामले की केंद्रीय एजेंसी से जांच जरूरी

दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष ने इस पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने ये भी कहा कि सीएम आवास परिसर में नए निर्माण और मरम्मत, नवीकरण पर 80 करोड़ से अधिक खर्च हुए। उनका कहना है कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की सीबीआई जांच आवश्यक है। बता दें कि पिछले कुछ समय से दिल्ली सीएम आवास विवाद लगातार सुर्खियों में रहा है। दिल्ली बीजेपी इसे लगातार उठा रही है। बीजेपी का आरोप कि सीएम आवास का निर्माण गलत तरीके से हुआ है। इसके निर्माण पर पैसों का आवंटन भी गलत तरीके से हुआ।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद

सुविचार: चल जिंदगी की नई शुरूआत करते है जो उम्मीद औरों से की थी वो अब खुद से करते है!

भट्टी ने गद्दार परिवार को पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार क्रांतिकारी गाथागीत गद्दार के परिवार के सदस्यों को हर संभव सहायता देगी, जिनका अगस्त, 2023 में निधन हो गया था।भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को सिकंदराबाद के वेंकटपुरम में महाबोधि विद्यालय में गद्दार की कब्र पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में उन्होंने गद्दार की पत्नी विमला, बेटे सूर्यम और बेटी वेन्नला से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। बातचीत के दौरान गद्दार की पत्नी विमला विक्रमार्क को देखकर भावुक हो गईं। उपमुख्यमंत्री ने उन्हें सांत्वना दी और आश्वासन दिया कि राज्य सरकार गद्दार के परिवार के साथ खड़ी रहेगी।

पचास लाख की हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एसओटी, एलबी नगर टीम ने हयात नगर पुलिस के साथ मिलकर राजस्थान से हैदराबाद तक हेरोइन के परिवहन और बिक्री के लिए अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया। विश्वसनीय सूचना पर, एसओटी, एलबी नगर जोन टीम के अधिकारियों ने हयात नगर पुलिस के साथ मिलकर दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को अशोक कुमार निवासी लैंगर हाउस, हैदराबाद और राजस्थान के जालौर निवासी एक किशोर को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के पास से 80 ग्राम हेरोइन और चार मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। बरामद नशीले पदार्थ का मूल्य करीब 50 लख रुपए बताई जा रहा है। इस मामले की जानकारी देते हुए सीपी राचकोंडा सुधीर बाबू ने बताया कि आरोपी व्यक्ति अशोक कुमार और किशोर राजस्थान राज्य के जालौर जिले के मूल निवासी हैं। वे नशीली दवाओं के सेवन के आदी हो गए हैं, बाद में उन्होंने इसे खरीदना और जरूरतमंद व्यक्तियों को आपूर्ति करना शुरू कर दिया और इस तरह अवैध तरीकों से आसानी से पैसा कमाना शुरू कर दिया। वे राजस्थान के एक ड्रग तस्कर के संपर्क में आए और उन्होंने कम कीमत 5 हजार रुपये से 6, हजार रुपये प्रति ग्राम में हेरोइन ड्रग खरीदना शुरू कर दिया और उसे भारी कीमत 10 से 15 हजार रुपए प्रति ग्राम जरूरतमंदों को बेचना शुरू कर दिया। वे कपड़ों में छिपाकर निजी बस से यात्रा करके राजस्थान से हैदराबाद तक नशीली दवाओं का परिवहन करते थे।मंगलवार शाम के समय, एसओटी एलबी नगर टीम ने हयात नगर पुलिस के साथ मिलकर हयात नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत सत्या पार्किंग यार्ड के पास आरोपी व्यक्तियों को पकड़ा। इस मामले में फरार अन्य आरोपियों को पकड़ने और उपभोक्ताओं की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। सीपी ने कहा कि लोगों और छात्रों से अपील है कि प्रतिबंधित नारकोटिक्स पदार्थों और दवाओं की खरीद, बिक्री, परिवहन और उपभोग एक अपराध है और एनडीपीएस अधिनियम की धारा 31 ए के अनुसार 10 साल की कैद और मौत की सजा हो सकती है। आगे समाज से अनुरोध है कि इस खतरे को रोकने में पुलिस की मदद करें।

एससीआर ने चारमीनार एक्सप्रेस की ट्रेन आवाजाही बहाल की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रेन नंबर 12759 तांबरम–हैदराबाद चारमीनार एक्सप्रेस, हैदराबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर चलते समय ट्रैक के अंतिम छोर से टकरा गई, जिसके परिणामस्वरूप आज सुबह तीन डिब्बे एस2 एस3 और एस6 पटरी से उतर गए। घटना में घायल हुए छह यात्रियों को सेंट्रल रेलवे अस्पताल, लालागुडा में चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। सूचना मिलते ही, एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक धनंजयुलु के नेतृत्व में रेलवे अधिकारियों की एक टीम ने राहत और बहाली अभियान चलाया।

मंत्री ने वन अधिकारियों पर हमले की कड़ी निंदा की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने भद्राद्री जिले के इलंदु वन प्रभाग रेंज के अंतर्गत वन क्षेत्र से अवैध रूप से रेत परिवहन कर रहे माफिया को रोकने गए वन अधिकारियों की हत्या की साजिश की कड़ी निंदा की। इस घटना में जो भी दोषी होगा उसे नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। उन्होंने वादा किया कि कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से फोन पर घटना की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि सार्वजनिक सरकार में इसी तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उचित उपाय किए जाएं और उसी घटना की पूरी जांच का आदेश दिया जाए। वन क्षेत्र में पिछले हमलों को देखते हुए, अधिकारी हमेशा सतर्क रहते हैं और किसी भी आवश्यक सहायता को हमारे ध्यान में लाना चाहिए। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे। यदि आवश्यक हुआ तो मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ध्यान में लाया जाएगा, वन और पर्यावरण और कराधान मंत्री ने कहा कि उठाए जाने वाले उपायों का जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

राज्यपाल ने टीएसपीएससी अध्यक्ष, सदस्यों का इस्तीफा स्वीकार किया

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तमिलसाई सौदरराजन ने बुधवार को टीएसपीएससी के अध्यक्ष बी जनार्दन रेड्डी और अन्य तीन सदस्यों का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही टीएसपीएससी के नये अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है।

अध्यक्ष बी जनार्दन रेड्डी और तीन सदस्यों आर सत्यनारायण, प्रोफेसर बंदी लिंगा रेड्डी और करम रविंदर रेड्डी द्वारा सौंपे गए इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए हैं। बुधवार को यहां राजभवन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में, प्रेस सचिव ने उन अटकलों का भी खंडन किया कि राज्यपाल ने इस्तीफे स्वीकार करने में देरी की है और स्पष्ट किया कि सभापति द्वारा प्रस्तुत इस्तीफे स्वीकार करने में राज्यपाल की ओर से कोई देरी नहीं हुई है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, K.PADMAVATHY, Legally Wedded spouse of NK V Narsaiah Kommula,R/O: Mundlapudu, Giddalur, Prakasham, A.P. – 523367 have changed my name from K.PADMAVATHY to KOMMULA PAD-MAVATHI and my DOB is 20-06-1989 vide affidavit dt.10-01-2043 duly signed by P Raveendranath, Adv.& Notary

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

आज बुधवार, 11-01-2024 अमावस्या
आज गुरुवार, 11-01-2024
के अवसर पर गोशाला अवश्य पधारें
नारायणी गो सेवा सदन
रोड नं. 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद
सम्पर्क सूत्र : 9581348889, 9246522435, 9490929321
आज पितृमोक्ष अमावस्या है इस अवसर पर गो सेवा हेतु गोशाला पधारें।
गो ग्रास का अनुदान कर पुण्य के भागीदार बनें। अनुदान भेजने हेतु गौशाला एकाउंट विवरण Bank account detail:
NARAYANI GOW SEVA SADAN,
A/C No. 50200065063209,
for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC 0001996,
TYPE OF ACCOUNT: CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD. Gpay and Phonepe No. 9581348889
JAI GOMATA Address: Narayani gow seva sadan, street No 17, shalivahana nagar, dilsukh nagar Hyd.
गौ माता के दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागीदार बनें।
सभी गौभक्त सपरिवार पधारकर, दान-पुण्यकर गोसेवा का लाभ लेवें।
निवेदक : नारायणी गो सेवा सदन शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

जय श्री राम श्री गणेशाय नमः (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम
आज दिनांक :11-01-2024
पौष अमावस्या
यादेवी श्री आईजी गौशाला
शुभस्थल : एन एच 44,मेडचल रोड, कल्लाकल।
गौशाला प्रांगण में भोजन प्रसादी एवं भजनों का कार्यक्रम रहेगा।
गौशाला में पधार करदान पुण्य कर, दर्शन,पूजन, सेवा का लाभ लैवे।
सम्पर्क : नारायणलाल :8712311785 , सिरवि वी ताराराम पंवार :9246368842
Gpay / phone pay : 9246368842
CHOUDHARY BROTHERS
HNo : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL
SOHANLAL : 9032160794
BEAUTIFUL HOMES

आज, गुरुवार 11 जनवरी 2024
धार्मिक अमावस्या के अवसर पर पधारे
श्री आईजी गौशाला
[रजि.नं. 720/2008]
शुभस्थल : श्री आईजी गौशाला
मल्काराम, बालाजीनगर (कापरा मंडल)
आज भोजन-प्रसादी व भजनों की व्यवस्था
सीरवी मित्र मंडल चिल्कानगर की तरफ से रहेगी
भजन प्रात: 11.15 बजे से
धार्मिक अमावस्या के अवसर पर सपरिवार पधारकर गौसेवार्थ दान-पुण्यकर लाभ लेवे
गौशाला के बैंक एकाउंट में भी अपनी दान राशी जमा करवाकर, पुण्य के भागीदार बने
(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheveral A/c no: 62492036580; IFSC: SBIN0020435)
निवेदक: श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583 सचिव : हुक्माराम सानपुरा 9441118022

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग़, जियागुडा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
आज गुरुवार, 11-1-2024 को अमावस्या है।
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
Online गौ सेवा के लिये
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

श्री धर्मसाई गौशाला
धर्मगिरी, शमशाबाद, आरआर डिस्ट्रीक तेलंगाना-501218
सस्नेह निमंत्रण
पौष अमावस्या
आज पौष अमावस्या दिनांक 11, जनवरी 2024
गौ माता पूजन : सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर गौ सेवा, दान पुण्य के भागीधार बने
C/o Sree Dharmasai Temple, Dharmagiri, Shashabad
SRI DHARMASAI GOW RAKSHA TRUST
A/c no-922020006836112
AXIS BANK, Shamshabad branch
IFSC code-UTIB0000867
Paytm,GOOGLE PAY, Phone pe:-
9440828585
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज गुरुवार 11 जनवरी 2024 प्रातः 11 बजे से
पौष अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
दूरभाष : 6305431734, 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज गुरुवार, 11-1-2024 को अमावस्या है।
प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास का प्रति दिन एक माह तक 500/-
एक गाय की मासिक सेवा 1100/-
गुड़ - दलिया या चुन्नि भूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाड़ी घास या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH,
S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

आज गुरुवार 11 जनवरी 2024 अमावस्या है
चलिये अपने परिवार, नन्हे मुन्हे प्यारे लाडलो के संग अपने ही और 6000 गौवंश के सुहाने परिवार के नन्हे मुन्हे लाडलों की सेवा मे सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास गगनपहाड। अपने करकमलों से इनको चारा अर्पण कीजिये।
सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौ निवास
SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Estd. 2001 Regd. 664/2010
Bankers : BANK OF BARODA, Nallakunta Branch, Hyd.
A/c. : 75450200001071 IFSC CODE : BARBOVINAKU
To Avail 80G Kindly Donate - AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST
Canara Bank - Basheerbagh Branch, Hyd. A/c : 0878132000033, IFSC CODE : CNRB0000878

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD, Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072 IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD, Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617 IFSC CODE: APMC00002
गौमाता को हरी घास की सेवा कर पुण्य के भागी बनें।
आज गुरुवार, 11-1-2024 को अमावस्या है।
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हें सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करें और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।
Digital Donation are accepted on Google Pay/Phone Pay 9959271866
FOR MORE DETAILS CONTACTS 9849710223, 9848097776, 9247888983, 7989734546
गाय का दूध गौशाला में उपलब्ध है। Home Delivery Available | गाय के गोबर से निर्मित उपली गौशाला में उपलब्ध है।
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

कुनबा बढ़ाने के लिए दूसरे दलों के नेताओं का मन टटोलेगी बीजेपी

अगले महीने से शुरू हो जाएगा सियासी खेल

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए अपनी तैयारियों को रफ्तार देने के साथ भाजपा विपक्षी दलों में सेंधमारी के अभियान में जुटेगी और अपना कुनबा बढ़ाएगी। विरोधी दलों में सेंध लगाने का अभियान अगले माह से शुरू होगा। भाजपा ने विपक्षी दलों के ऐसे पूर्व व वर्तमान सांसदों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों की जिलों में सूची तैयार कराई है जो अपनी पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं और अन्य दलों में ठीहा तलाश रहे हैं। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मंगलवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में बैठक हुई जिसमें प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में तय हुआ कि दूसरे दलों के नेताओं को गले लगाने से पहले भाजपा जिला स्तर पर उनकी स्क्रीनिंग करेगी। सेंधमारी करते हुए भी पार्टी दागियों को गले लगाने से परहेज करेगी। अन्य दलों के छोटे नेताओं को जिलों में और बड़े नेताओं को प्रदेश स्तर पर शामिल कराया जाएगा। दूसरे दलों में सेंधमारी अभियान को अमली जामा पहनाने के लिए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है जिसमें प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य और प्रदेश उपाध्यक्ष बृजबहादुर भी होंगे। पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान को भी गति देने के उद्देश्य से प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला की अध्यक्षता में समिति बनाई है। यह भी तय हुआ है कि किसान मोर्चा की ओर से आयोजित किए जाने वाले गांव परिक्रमा अभियान में प्रदेश पदाधिकारी भी शिरकत करेंगे। गांव परिक्रमा अभियान को धार देने के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है।

ओपी राजभर के सिक्योरिटी गार्ड पर वकील को घसीटकर पीटने का आरोप, दावा

सुभासपा नेता के इशारे पर सुरक्षाकर्मी ने की थी मारपीट

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पीजीआइ थाने में अधिवक्ता आशुतोष यादव ने विधायक ओम प्रकाश राजभर के सुरक्षाकर्मी पर सड़क पर घसीटकर उसे पीटने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। आरोप है कि ओम प्रकाश राजभर व बेटे अरविंद राजभर के इशारे पर सुरक्षागार्ड ने उसे दौड़ा कर पीटा है। फिलहाल, एक माह बाद पुलिस ने मुकदमा दर्जकर जांच शुरू कर दी है। रायबरेली रोड के पंचमखेड़ा निवासी अधिवक्ता आशुतोष यादव ने बताया कि सात दिसंबर 2023 की शाम करीब 8.15 बजे वह बाइक से कृष्णानगर से वापस वीआइपी रोड आ रहा था। तेलीबाग चौराहे पर ओम प्रकाश राजभर का काफिला गुजर रहा था।

यूपी में बढ़ी ठिठुरन, कोहरे का येलो अलर्ट जारी

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कोहरा और ठंडी हवाओं ने मुसीबत बढ़ा दी है। सर्दी से बचने के लिए लोगों को गर्म कपड़ों और अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। पिछले कई 24 घंटों में राज्य के कई इलाकों में बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्से में घना कोहरा छाया रहेगा। तापमान की बात करें तो अगले 24 घंटे के दौरान किसी बड़े बदलाव की संभवना नहीं है। हालांकि, उसके बाद तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी देखी जा सकती है। पूरे राज्य में गरज के साथ बारिश होने के आसार हैं। अगले 5 दिनों तक पश्चिमी यूपी के मौसम में कोई बड़ा बदलाव होता नहीं दिख रहा है। वहीं, पूर्वी यूपी के जिलों में तापमान कम हो सकता है। यहां 2 से 3 डिग्री तक पारा नीचे गिर सकता है। हालांकि, उसके बाद किसी प्रकार के बदलाव की संभावना नहीं है। यूपी में पिछले 24 घंटों में कई जिले कोहरे की चपेट में रहे। वहीं, कुछ इलाकों में कोल्ड डे की स्थिति देखने को मिली। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी में वाराणसी सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, मुजफ्फरनगर में सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। यहां न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री रहा।

लखनऊ में बारिश

राजधानी लखनऊ में भी बारिश के कारण ठिठुरन बढ़ गई है। लगातार चल रही शीतलहर ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। राजधानी में कोल्ड डे की स्थिति बनी हुई है। इस वजह से लोगों ने गर्म कपड़ों के साथ-साथ अलाव का भी सहारा लिया।

अगले 24 घंटे में सहारनपुर, फैजाबाद, अमेठी रायबरेली, कानपुर, प्रतापगढ़, सीतापुर, कन्नौज, उन्नाव, प्रयागराज, वाराणसी समेत कई अन्य जिलों में कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया गया है। घने कोहरे और धुंध के कारण सुबह के समय में सड़कों पर सन्नाटा देखा गया। ठंड बढ़ने के कारण लोगों की जीवन शैली प्रभावित हुई।

अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम?

मौसम विभाग ने अपने बुलेटिन में बताया है कि अगले 5 दिनों तक यानी 15 जनवरी तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने वाला है। इस दौरान कुछ जिलों में कोहरा छाए रहने की संभावना है।

नकाब वाली नेत्री का सीएम नीतीश कुमार के साथ लालू पर भी हमला

इनका संदेश है लूटो, जैसे हम लूटते हैं

दरभंगा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व विधान पार्षद स्व विनोद चौधरी की बेटी व प्लूरल्स पार्टी की प्रमुख पुष्पम प्रिया चौधरी ने एक बार फिर से चर्चा में हैं। नकाब वाली नेत्री के नाम से मशहूर पुष्पम प्रिया ने सीएम नीतीश कुमार और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर हमला बोला है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि नीतीश सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों का मानदेय 2500 से 5000 हजार बढ़ाकर एहसान करने का काम किया है। विधानसभा प्रतिनिधियों को लाखों रुपये वेतन और अन्य भत्ते और सुविधाएं दी जा रही है वही इसी बिहार में पंचायत जन प्रतिनिधियों को चिल्लर दिया जा रहा है।

नीतीश-लालू के बारे में यह बातें कहीं

पुष्पम प्रिया ने आगे लिखा कि विधायकों को लाखों रुपये वेतन और अन्य भत्ते और सुविधाएं दी जा रही है वही इसी बिहार में पंचायत जन प्रतिनिधियों को चिल्लर? लालू-नीतीश संस्थागत भ्रष्टाचार में यकीन रखते हैं। वह संदेश देते हैं लूट लो ,जैसे हम। लुटते हैं। आखिर कोई पंचायत प्रतिनिधि अपने पंचायत का प्रतिनिधत्व करना चाहे तो कैसे करे? भूखा रहकर सेवा करें या भ्रष्ट हो जाएं?

सख्त हुए बिहार के राज्यपाल, कहा

राजभवन के अधिकार क्षेत्र में शिक्षा विभाग नहीं करे 'अतिक्रमण'

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के शिक्षा विभाग के खिलाफ राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने सख्ती दिखाई है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग को विश्वविद्यालयों और राजभवन के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं करना चाहिए। मंगलवार को विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने बिहार के राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात की। कुलपतियों ने शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों की ओर से उनके साथ किए जा रहे बर्ताव से अवगत कराया। उन्होंने राज्यपाल को बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर विश्वविद्यालयों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप किया जा रहा है जिससे शैक्षणिक एवं अन्य

गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

राज्यपाल ने कुलपतियों को दिया आश्वासन

राज्यपाल से मुलाकात के दौरान कुलपतियों ने शिक्षा विभाग से जुड़ी अन्य परेशानियों एवं विश्वविद्यालय की समस्याओं से भी उन्हें अवगत कराया। इस पर राज्यपाल ने कुलपतियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समुचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग को विश्वविद्यालयों एवं राजभवन के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण नहीं करना चाहिए।

चर्चा में है बिहार का शिक्षा विभाग

बता दें कि जब से केके पाठक ने शिक्षा विभाग की कमान संभाली है तब से ही अलग-अलग फैसलों को लेकर चर्चा है। पिछले साल (2023) दिसंबर में राज्यपाल से एमएलसी का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला था। शिक्षा विभाग के खिलाफ शिकायत की थी। राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा था। बिहार राजभवन ने दिसंबर में ही राज्य के मुख्य सचिव आमिर सुबहानी को पत्र भेजा था। हाल के दिनों में शिक्षा विभाग द्वारा पारित असंवैधानिक और निरंकुश आदेशों के खिलाफ तत्काल सुधारात्मक उपाय करने के लिए कहा था। राज्यपाल के प्रधान सचिव रॉबर्ट एल चोंग्थू की ओर से लिखे गए उक्त पत्र के अनुसार राजेंद्र आर्लेकर ने विचार व्यक्त किया था कि विभाग इस तरह के आदेश पारित करके राज्य में शैक्षणिक माहौल को नष्ट करने पर तुला है।

बिहार कैडर के सभी आईपीएस अफसरों को देना होगा संपत्ति का ब्योरा

गृह मंत्रालय ने डीजीपी को लिखा पत्र

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा के दिग्गज नेता और केन्द्रीय मंत्री अमित शाह के गृह विभाग ने डीजीपी को पत्र लिखकर बिहार कैडर के सभी आइपीएस अधिकारियों से चल-अचल संपत्ति का ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है। विभाग की ओर से लिखे गए पत्र में कहा गया है कि अखिल भारतीय सेवा नियमावली के तहत आइपीएस अफसरों द्वारा स्पैरो सिस्टम के तहत 31 जनवरी तक भारत सरकार को वार्षिक अचल संपत्ति विवरणी देनी है। इसके अतिरिक्त बिहार कैडर के सभी आइपीएस अधिकारियों को राज्य सरकार को भी चल-अचल संपत्ति एवं दायित्वों की विवरणी देनी है, जिसे विभागीय वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। अनुरोध है कि 31 दिसंबर, 2023 की स्थिति के आधार पर पंचांग वर्ष 2023 के लिए चल-अचल संपत्ति की विवरणी देने के साथ इसकी एक अतिरिक्त प्रति 15 फरवरी तक अनिवार्य रूप से विभाग को उपलब्ध कराई जाए। भाजपा विधानमंडल दल के नेता विजय सिन्हा ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा पंचायत प्रतिनिधियों के मानदेय में वृद्धि छलावा है। मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्यों सहित सभी पंचायत प्रतिनिधि दो वर्ष से अनेक चरणों में प्रदर्शन एवं हड़ताल पर रहे हैं। ग्राम पंचायत को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने, मनरेगा में 20 लाख तक की प्रशासनिक शक्ति और भुगतान का अधिकार, आर्म्स लाइसेंस एवं 73वां संविधान संशोधन के तहत प्रदत्त 29 अधिकारों को पूर्ण रूप से सौंपने की मांग मुखिया संघ कर रहा है।

'राम मंदिर आंदोलन के कारसेवक अराजक तत्व'

स्वामी प्रसाद मौर्य के बिगड़े बोल, कहा- गोलियां चलवाकर सपा सरकार ने निभाया था कर्तव्य

कासगंज, 10 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है।उन्होंने राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर तत्कालीन मुलायम सिंह सरकार द्वारा गोलियां चलवाने का बचाव करते हुए कारसेवकों को अराजक तत्व करार दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को पार्टी के नेताओं को धर्म संबंधी बातों को लेकर नसीहत दी थी। स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर भी उन्होंने आश्वासन दिया था कि अब बयानबाजी नहीं होगी। लेकिन कासंगज में समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विवादित बयान दिया।

अराजकतत्वों ने की तोड़फोड़

कासगंज में उन्होंने कहा, कि जिस समय अयोध्या में राम मंदिर पर घटना घटी थी, बिना न्यायपालिका के किसी निर्देश के, बिना किसी आदेश के अराजक तत्वों ने जो तोड़-फोड़ की थी, उसपर तत्कालीन सरकार ने संविधान की, कानून की रक्षा के लिए उस समय जो गोली चलवाई थी वह सरकार का अपना कर्तव्य था, उन्होंने अपना कर्तव्य निभाया था। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमारे बहुत अच्चे साथी रहे हैं प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल, उस समय सपा सरकार में ही थे। उनको नहीं बोलना चाहिए।

इन सपा विधायकों का लोकसभा चुनाव लड़ना तय

लिस्ट में कई बड़े दिग्गजों का नाम

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी हर राजनीतिक दल पूरे जोर शोर से कर रहा है। समाजवादी पार्टी ने कई सीटों पर अपने प्रत्याशी तय कर दिए हैं। हालांकि कुछ सीटों पर सपा अपने मौजूदा विधायकों को लड़ाने का भी विचार कर रही है। सूत्रों का दावा है कि पार्टी करीब 10 मौजूदा विधायकों को आगामी चुनाव में अपना उम्मीदवार बना सकती है। हालांकि जिन मौजूदा विधायकों को आगामी चुनाव में प्रत्याशी बनाया जा सकता है, उनमें सबसे ऊपर खुद सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम है। अखिलेश यादव का कन्नौज सीट से चुनाव लड़ना लगभग तय माना जा रहा है। इसके अलावा शिवपाल यादव का आजमगढ़ से चुनाव लड़ना भी तय है। अखिलेश यादव अभी करहल और शिवपाल यादव जसवंत नगर सीट से विधायक हैं। वहीं पल्लवी पटेल का भी लोकसभा चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है जो सिराथु से वर्तमान में सपा की विधायक हैं।

इन्हें भी मिल सकता है टिकट

इटावा विधानसभा सीट से विधायक माता प्रसाद पांडेय और ऊंचाहार सीट से वर्तमान विधायक मनोज पांडेय का भी लोकसभा चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों की मानें तो मछलीशहर सीट से वर्तमान विधायक डॉ। रागिनी सोनकर की उम्मीदवार आगामी चुनाव में तय मानी जा रही है। इसके अलावा मंजानपुर सीट से सपा के वर्तमान विधायक इंद्रजीत सरोज भी चुनाव लड़ सकते हैं।

पिछले तबके में जबरदस्त पकड़ रखने वाले इंद्रजीत सरोज को कौशांबी से चुनाव लड़ाया जा सकता है। सूत्रों की मानें तो सपा ने करीब 18 सीटों पर अपने उम्मीदवारों का नाम फाइनल कर लिया है। कन्नौज से अखिलेश यादव, मैनपुरी से डिम्पल यादव, आजमगढ से शिवपाल या आदित्य, बदायूं से धर्मेन्द्र यादव, फिरोजाबाद से अक्षय यादव, लखनऊ से रविदास मेहरोत्रा, फैजाबाद से अवधेश प्रसाद, अंबेडकरनगर से लालजी वर्मा, गोरखपुर से काजय निषाद, मुरादाबाद से एसटी हसन, उन्नाव से अनू टंडन, फतेहपुर से नरेश उत्तम पटेल, बरेली से प्रवीण ऐरन, मुजफ्फरनगर से हरेंद्र मलिक, बलिया से सनातन पांडेय या अंबिका चौधरी, घोसी से राजीव राय और बस्ती से राम प्रसाद चौधरी के चुनाव लड़ने की चर्चा है।

अब नहीं होगी राम मंदिर पर राजनीति

पप्पू यादव ने दिया बड़ा मैसेज, बताया कौन है उनका भगवान

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसको लेकर खूब राजनीति भी हो रही है, लेकिन जाप सुप्रीमो और पूर्व सांसद पप्पू यादव का अयोध्या को लेकर कही गई बात विवादित बयान देने वालों के लिए बड़ा संदेश है। पप्पू यादव ने कहा कि ये सब चीज मेरे एजेंडे में नहीं है। अयोध्या मेरे दिल में है। भगवान मेरे दिल में हैं। गरीब को हम भगवान मानते हैं। जनता को भगवान मानते हैं और किसी को भगवान नहीं मानते हैं। पप्पू यादव मधेपुरा में थे।

पप्पू यादव के आह्वान पर कोसी, सीमांचल व मिथलांचल को विशेष दर्जा देने सहित दस सूत्री मांगों को लेकर कार्यकर्ताओं ने कला भवन परिसर में महाधरना दिया। इस दौरान पप्पू यादव ने कहा कि हम नहीं चाहते थे कि बिहार का बंटवारा हो। किन लोगों ने किया है? आज बिहार गरीब क्यों है? लालू-नीतीश पर हमला करते हुए कहा, आप 20 साल रहे, 15 साल रहे और 60 प्रतिशत शिक्षा दर नहीं है तो इसके जिम्मेदार कौन हैं? बिहारी बाहर में पिटाई खा रहे हैं तो इसका दोषी कौन है।

'तो छोड़ दूंगा राजनीति'

धरना पर बैठे पप्पू यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। कहा कि नरेंद्र मोदी ने कहा था कि आप सरकार बनाइए हम आपको विशेष राज्य का दर्जा देंगे। मैं चैलेंज देता हूं कि अगर गांधी मैदान में यह शब्द उन्होंने न उठाया हो तो या तो नरेंद्र मोदी इस्तीफा दे दें या हम राजनीति छोड़ दें।

'मुद्दों से समझौता नहीं होगा'

पीएम मोदी पर हमला करते हुए जाप सुप्रीमो ने आगे कहा कि बिहार में बंद पड़ी फैक्ट्रियों को कहा था कि शुरू करेंगे, लेकिन सारा चीनी मिल बिक गया। सहरसा एम्स, पूर्णिय उप राजधानी, भागलपुर एयरपोर्ट ये सब जो मुद्दे हैं इसके बारे में सोचिए न। आज तक हाईडेम का निर्माण क्यों नहीं हुआ? हम आर पार की लड़ाई लड़ेंगे। विशेष राज्य लेकर रहेंगे। कोसी सीमांचल के जो मुद्दे हैं उसमें कोई समझौता नहीं होगा।

बिहार की 14 प्रतिशत आबादी भाजपा का लक्ष्य

जो नित्यानंद नहीं कर सके, मोहन यादव के आने से होगा?

पटना, 10 जनवरी (एजेंसियां)। 2019 के लोकसभा चुनाव में बिहार की 40 में से 39 सीटों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर भाजपा ने जीत दर्ज की। जनता दल यू का साथ था। इस समय जदयू भाजपा के सामने है। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट जातीय जनगणना की रिपोर्ट में सामने आ चुकी है कि राज्य में 14.26% आबादी यादवों की है। अब जब चुनाव सामने है तो निश्चित तौर पर सबसे बड़ी आबादी का साथ भाजपा के बिहार में विकास के लिए जरूरी है। मध्य प्रदेश में जब डॉक्टर मोहन यादव को मुख्यमंत्री की कमान दी गई, तभी या मान लिया गया कि भाजपा का निशाना बिहार है। अब मोहन यादव को पटना बुलाया गया है। बुलाया भाजपा ने नहीं, लेकिन तैयारी पार्टी की ही है। मोहन यादव के सीएम बनने पर राजद ने उन्हें लालू के सामने कुछ भी नहीं माना था, लेकिन अब उनके पटना आने की बात से लाल के माई समीकरण की चर्चा चरम पर है।

भाजपा मिशन 'वाई' (यादव) लॉन्च करने जा रही है

राजनीतिक पंडितों की मानें तो 14.26 फीसदी आबादी वाले राज्य में भाजपा मिशन 'वाई' (यादव) लॉन्च करने जा रही है। बिहार भाजपा की पूरी टीम इसकी तैयारी में जुट गई। हालांकि, भाजपा के वरीय नेताओं की ओर से श्रीकृष्ण चेतना मंच के बैनर तले एसके मेमोरियल हॉल में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यहां पर एमपी के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव का अभिनंदन किया गया जाएगा। इसमें समाज के कई बड़े नेता, रिटायर्ड अधिकारी सम्मिलित होन वाले हैं। इस कार्यक्रम के बाद डॉ। मोहन यादव भाजपा कार्यालय और इस्कॉन मंदिर भी जाएंगे। वोटबैंक की बात करें तो आज भी यादवों को राष्ट्रीय जनता दल का कोर वोटर माना जाता है। 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में जिस तरह से राजद बिहार की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, उससे यह साफ हो गया कि भले ही भाजपा नंदकिशोर यादव, नित्यानंद राय और रामकृपाल यादव जैसे बड़े नेताओं को आगे बढ़ाए गए। नित्यानंद राय को मोदी सरकार में मंत्री भी बनाया गया। लेकिन, यादव वोटबैंक पर लालू प्रसाद की अलग ही पकड़ है। विशेषज्ञ बताते हैं कि राजद की सरकार में यादव जाति को काफी लाभ मिला। लालू प्रसाद के शासन के वक्त यादव जाति आगे भी आई। इनकी आर्थिक और राजनीतिक हालत में सुधार हुई। इस कारण आज भी बिहार में यादव राजद के साथ हैं। एमपी में मोहन यादव जब सीएम बनाए गए तो बिहार की मीडिया ने तेज प्रताप याव से सवाल पूछा था,

पति-पत्नी बताकर डांसर के साथ लिया कमरा, चिकन लॉलीपॉप मंगाया फिर मार दी गोली

मुजफ्फरपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर के एक होटल में युवक ने ऑर्केस्ट्रा डांसर को गोली मार दी। गोली डांसर के जबड़े में लगकर फंस गई। वारदात को अंजाम देने के बाद युवक मौके से फरार हो गया। इसके बाद खून से लथपथ युवती किसी तरह ग्राउड फ्लोर पर पहुंची और वहां बेहोश होकर गिर गई। होटल कर्मियों ने उसे उठाकर अस्पताल में भर्ती करवाया है। युवती की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना मिठनपुरा थाना इलाके के हरिसभा चौक स्थित एक होटल की है। युवक-युवती ने यहां खुद को पति पत्नी बताकर कमरा बुक कराया था। होटल के कमरे में बेड पर लोडेड पिस्टल मिला है। साथ ही एक खोखा भी बरामद हुआ है।

' केशव प्रसाद मौर्य का सपा पर तीखा हमला

लखनऊ, 10 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का न्यौता मिलने पर यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की प्रतिक्रिया सामने आई है। केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश यादव को किसी अच्छे डॉक्टर से इलाज करने की जरूरत है। हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उन्हें सद्बुद्धि दे ताकि उनका दिमाग ठीक हो सके। अखिलेश यादव का दिमाग सही नहीं है। उन्हें डर लग रहा है कि यह कमल के फूल का मंदिर है या बीजेपी का मंदिर है। जबकि हकीकत यह है कि यह हर राम भक्त का मंदिर है। हर राष्ट्रभक्त का मंदिर है। रामलला का मंदिर हिंदुओं का भी है और मुसलमानो का भी है। हिंदू प्रभु राम को भगवान के रूप में पूजते हैं, जबकि वह मुसलमानो के पूर्वज हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वोट की घटिया राजनीति करने वाले सत्ता से बेदखल हो चुके हैं। इनका कोई भविष्य नहीं है।बीजेपी वर्तमान है। नरेंद्र मोदी वर्तमान है और नरेंद्र मोदी ही देश भविष्य भी हैं। रामलला का भव्य मंदिर बनना कार सेवकों के लिए बेहद गर्व की बात है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नरेंद्र मोदी अगर देश के प्रधानमंत्री न बनते तो शायद आज रामलला का मंदिर ना बन पाता। आज हम सब 22 जनवरी का इंतजार ना कर रहे होते। राम मंदिर का विरोध करने वालों की परवाह नहीं है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनका दिमाग ठीक हो, ईश्वर उन्हें सद्बुद्धि दे और अगर ऐसा नहीं होता है तो उन्हें इलाज की जरूरत पड़ेगी। विपक्ष को अगर दृष्टि दोष है तो उसे उसका इलाज करा लेना चाहिए, अगर मानसिक बीमारी है तो उसका इलाज कराना चाहिए। मैं सिर्फ यह प्रार्थना करता हूं कि भगवान उन्हें सद्बुद्धि दे। राम मंदिर का निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुर्सी संभालने के बाद ही हो रहा है। राम सबके थे, सबके हैं और सबके रहेंगे।

बिलकिस के 11 दोषी पुलिस के संपर्क में नहीं

दाहोद एसपी बोले-हमें सरेंडर की जानकारी नहीं, सुप्रीम कोर्ट के फैसले की कॉपी नहीं मिली

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बिलकिस बानो गैंगरेप के 11 दोषी पुलिस के संपर्क में नहीं है। गुजरात के दाहोद एसपी बलराम मीणा ने दावा किया है कि पुलिस के पास दोषियों के सरेंडर करने की जानकारी नहीं है। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की कॉपी भी अब तक नहीं मिली है, जिसमें दोषियों को दो हफ्ते में सरेंडर करने को कहा गया है।

दाहोद एसपी ने बताया कि सभी दोषी गुजरात के सिंगवाड के रहने वाले हैं। उनमें से कुछ अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए आते रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद रणधीकपुर में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस गैंगरेप के 11 दोषियों को समय से पहले रिहा करने के राज्य सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने कहा था- गुजरात सरकार दोषियों को कैसे माफ कर सकती है। सुनवाई महाराष्ट्र में हुई है तो रिहाई पर फैसला भी वहीं की सरकार करेगी। कोर्ट ने दोषियों को 2 हफ्ते में सरेंडर करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को क्या कहा था

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने फैसला सुनाते वक्त कहा- सजा अपराध रोकने के लिए दी जाती है। पीड़ित की तकलीफ की भी चिंता करनी होगी। गुजरात सरकार को रिहाई का फैसला लेने का कोई अधिकार नहीं है। उसने अपनी सत्ता और ताकत का दुरुपयोग किया है। इस कमेंट के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मई 2022 में जस्टिस अजय रस्तोगी (रिटायर्ड) के उस फैसले को भी रद्द कर दिया था, जिसमें 11 दोषियों को गुजरात सरकार से शीघ्र माफी के लिए अपील करने की अनुमति दी गई थी। गुजरात सरकार ने इन्हें 15 अगस्त 2022 को रिहा कर दिया था।

दंगों के दौरान 5 महीने की गर्भवती थीं बिलकिस

गुजरात में गोधरा कांड के बाद 3 मार्च 2002 को दंगे भड़के थे। दंगों के दौरान दाहोद जिले के लिमखेड़ा तालुका में रंधिकपुर गांव में उग्र भीड़ बिलकिस बानो के घर में घुस गई थी। दंगाइयों से बचने के लिए बिलकिस अपने परिवार के साथ एक खेत में छिपी थीं। तब बिलकिस की उम्र 21 साल थी और वे 5 महीने की गर्भवती थीं।

दंगाइयों ने बिलकिस का गैंगरेप किया

दंगाइयों ने बिलकिस का गैंगरेप किया। उनकी मां और तीन और महिलाओं का भी रेप किया गया। इस हमले में उनके परिवार के 17 सदस्यों में से 7 लोगों की हत्या कर दी गई थी। 6 लोग लापता हो गए, जो कभी नहीं मिले। हमले में सिर्फ बिलकिस, एक शख्स और तीन साल का बच्चा ही बचे थे।

2008 में 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा मिली

गैंगरेप के आरोपियों को 2004 में गिरफ्तार किया गया था। जनवरी 2008 में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा दी थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपियों की सजा को बरकरार रखा था। आरोपियों को पहले मुंबई की आर्थर रोड जेल और इसके बाद नासिक जेल में रखा गया था। करीब 9 साल बाद सभी को गोधरा की सबजेल में भेज दिया गया था।

दोषियों के खिलाफ 30 नवंबर को दाखिल की गई थी याचिका

बिलकिस के 11 दोषियों की रिहाई के खिलाफ 30 नवंबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दाखिल की गई थीं। पहली याचिका में 11 दोषियों की रिहाई को चुनौती देते हुए उन्हें तुरंत वापस जेल भेजने की मांग की गई थी। दूसरी याचिका में सुप्रीम कोर्ट के मई में दिए आदेश पर विचार करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा था कि दोषियों की रिहाई पर फैसला गुजरात सरकार करेगी। बिलकिस ने कहा कि जब केस का ट्रायल महाराष्ट्र में चला था, फिर गुजरात सरकार फैसला कैसे ले सकती है?

'हिंदी सीखने के लिए दबाव नहीं बनाया जा रहा'

अभिनेता विजय सेतुपति के बयान पर अन्नामलाई का पलटवार

चेन्नई, 10 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने बताया कि भाषा में बाधा के कारण राज्य सरकार को कम निवेश मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों पर हिंदी सीखने के लिए दबाव नहीं बनाया जा रहा है, बल्कि उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए एक अतिरिक्त भाषा सीखने के लिए कहा जा रहा है।

अन्य राज्यों से बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता

चेन्नई में भाजपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए अन्नामलाई ने 'तमिलनाडु ग्लोबल इंवेस्टर्स मीट 2024' पर टिप्पणी करते हुए कहा, '2023 में उत्तर प्रदेश ने भी इसी तरह की बैठक आयोजित की थी और 33 लाख करोड़ से ज्यादा के एमओयू पर हस्ताक्षर किया था, जो कि तमिलनाडु के अबतक के निवेश से पांच गुणा ज्यादा है। वहीं 2022 में कर्नाटक ने नौ लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश किया था।'

उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार को अबतक प्राप्त किए गए निवेश पर घमंड करना बंद करना होगा और अन्य राज्यों से बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। हाल ही में संपन्न 'तमिलनाडु ग्लोबल इंवेस्टर्स मीट 2024' में 631 एमओयू पर हस्ताक्षर करने के साथ निवेशकों द्वारा 26,90.657 नौकरियों और 6,64,180 करोड़ की निवेश प्रतिबद्धता का वादा किया गया है।

अभिनेता विजय सेतुपति के बयान पर अन्नामलाई ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेता विजय सेतुपति ने कहा कि तमिलनाडु के लोग किसी भी भाषा को सीखने के खिलाफ नहीं है, लेकिन वे सिर्फ ये कह रहे हैं कि उनपर हिंदी नहीं

थोपी जानी चाहिए। अन्नामलाई ने इसपर कहा, 'विजय सेतुपति को टिप्पणी करने और जिस भाषा में उनका मन हो उसमें करने का पूरा अधिकार है। लेकिन उन्हें भी यह समझना होगा कि ऐसी टिप्पणियों पर भी टिप्पणी आती है।'

अन्नामलाई ने कहा, 'उत्तर भारत की कई कंपनियां देशभर में भर्ती कर रही है। कई हिंदी भाषी लोग चेन्नई की जगह बंगलूरू में काम करना पसंद करते हैं, क्योंकि यहां उन्हें तमिल में संवाद करना पड़ता है और इसी वजह से हमें कम निवेश मिल रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'जहां तक मेरी राय है, जो लोग हिंदी सीखना चाहते हैं, वे सीख सकते हैं और बाकी लोग इसे अनदेखा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी किसी पर हिंदी सीखने के लिए कोई दबाव नहीं डाला है। यहां तमिल और अंग्रेजी सीखने की जरूरत है और तीसरी भाषा वैकल्पिक होती है। होसुर के पास लोग वैकल्पिक भाषा के तौर पर कन्नड़ सीखते हैं। वहीं कोयंबटूर में लोग मलयालम सीखते हैं।'

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने दिए मंत्रियों के विभागों में फेरबदल के संकेत

हमीरपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंत्रियों के विभागों में फेरबदल के संकेत दिए हैं। उन्होंने कैबिनेट में विभागों के बदलाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। हमीरपुर जिले के दौरे के दूसरे दिन नादौन में पत्रकारों बातचीत में उन्होंने कहा कि जिन मंत्रियों से विभाग वापस लिए गए हैं, उन्हें फिर से संबंधित अन्य विभाग दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर दो नए विभाग गठित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी मंत्री से पोर्टफोलियो नहीं लिया गया है। उनके साथ अटैच किए गए विभागों को नवनियुक्त मंत्रियों को दिया गया है। सभी मंत्रियों को उनसे संबंधित विभागों से जुड़े हुए अन्य विभाग दिए जाएंगे और इसमें बदलाव किया जाएगा।

भाजपा हिमाचल विरोधी कार्य कर रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा हिमाचल विरोधी कार्य कर रही है। भाजपा सकारात्मक विपक्ष की भूमिका नहीं निभा रही है, बल्कि हिमाचल के हितों का विरोध कर रही है। हिमाचल में पूर्व भाजपा सरकार में हाइड्रो प्रोजेक्ट में भी राज्य के हितों की अनदेखी की गई है और केंद्रीय उपक्रमों को यह हक बेचे गए हैं। केंद्र सरकार के उपक्रम वाटर सेस का विरोध कर रहे हैं। बीबीएमबी के 4300 करोड़ हिमाचल सरकार ने लेने हैं जोकि केंद्र के पास फंसे हुए हैं। हिमाचल के भाजपा नेता भी इसे लेकर प्रदेश का पक्ष केंद्र में नहीं रख रहे हैं।

भाजपा सांसदों ने संसद में नहीं रखी हिमाचल की बात

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आपदा के दौरान 9700 करोड़ का दावा दिसंबर महीने में मिल जाना चाहिए था। इसे लेकर लगातार देरी की जा रही है। हिमाचल से तीन भाजपा सांसद चुनकर जनता ने दिल्ली भेजे हैं, लेकिन आपदा के दौरान एक दफा भी गृह मंत्री या प्रधानमंत्री से हिमाचल के हकों को लेकर नहीं मिले हैं।

ईडी की रडार पर खनन और शराब माफिया

आठ के खिलाफ शुरू की कार्रवाई

शिमला, 10 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल में खनन और शराब माफिया प्रवर्तन निदेशालय की रडार पर हैं। ईडी इन माफिया को पूछताछ के लिए कार्यालय बुला रही है। पुलिस मुख्यालय की ओर से भी इनके खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। लेकिन आय से अधिक संपत्ति के चलते ईडी की ओर से भी इस मामले में जांच की जा रही है। ये आठ आरोपी ऊना, सिरमौर और मंडी जिले के हैं।

पुलिस मुख्यालय ने वित्तीय जांच को लेकर वर्ष 2022 में 40 कारोबारियों के मामले ईडी को सौंपे थे। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से इनकी भी जांच की जा रही है। विधानसभा में हर बार अवैध खनन, शराब माफिया का मामला उठ है। हालांकि पुलिस की ओर से अवैध खनन के मामले में कई जेसीबी, ट्रक, जमीन, नकदी, कार आदि संपत्ति को अटैच किया है।

पुलिस बोली-महिला सीईओ ने बच्चे का मर्डर प्लान किया

होटल रूम से कफ सिरप की बॉटल्स मिलीं; पोस्टमॉर्टम में दम घुटने से मौत की बात

बेंगलुरु, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु की स्टार्टअप कंपनी की सीईओ सूचना सेठ ने अपने 4 साल के बेटे की हत्या प्लान की थी। इसी प्लानिंग के तहत 39 साल की सूचना अपने बेटे को लेकर गोवा आई और होटल रूम में उसका मर्डर किया।

गोवा पुलिस ने मर्डर के दो दिन बाद बुधवार को इस बात की आशंका जाहिर की है। गोवा पुलिस के मुताबिक, जिस होटल के कमरे में महिला रूकी हुई थी, वहां से कफ सिरप की दो खाली बॉटल्स बरामद हुई हैं। पुलिस को शक है कि मर्डर से पहले सूचना ने अपने बेटे को कफ सिरप की हैवी डोज दी होगी। सूचना ने कफ सिरप की एक बॉटल होटल के एक स्टाफ से मंगवाई थी। सूचना ने कहा था कि उसे खांसी है। इधर, बच्चे की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी सामने आई है। कर्नाटक के हिरियूर सरकारी

अस्पताल के डॉक्टर कुमार नाइक ने बताया कि बच्चे की हत्या गला घोंटकर की गई है। ऐसा लग रहा है कि तकिया या तौलिया से गला घोंटा गया है। हाथ का इस्तेमाल नहीं हुआ है। बच्चे का चेहरे और छाती सूज गई थी। उसके नाक से खून बह रहा था। बच्चे की मौत पोस्टमॉर्टम से करीब 36 घंटे पहले हुई थी।

क्या है पूरा मामला

बेंगलुरु की स्टार्टअप कंपनी माइंडफुल AI लैब की फाउंडर और सीईओ सूचना 6 जनवरी को गोवा के सोल बनयान ग्रांडे होटल में अपने बेटे के साथ आई थी। सोमवार (8 जनवरी) को उसने होटल से चेक-आउट किया था। वह टैक्सी से बेंगलुरु के लिए निकली थी। इधर, होटल स्टाफ सूचना का रूम साफ करने गए तो खून से सना तौलिया देखा। इसके बाद गोवा पुलिस को जानकारी दी गई। सोमवार (8 जनवरी) की रात कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु पहुंचने से पहले चित्रदुर्ग से उसे हिरासत में लिया।

मंगलवार (9 जनवरी) को गोवा पुलिस ने सूचना को गिरफ्तार कर लिया। गोवा की मापुसा कोर्ट ने उसे 6 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, सूचना मूल रूप से पश्चिम बंगाल की निवासी है। वह बेंगलुरु में रहती थी। वहीं वेंकट रमन केरल के रहने वाले हैं। दोनों की 2010 में शादी हुई थी। वेंकट रमन एक AI डेवलपर हैं। 2019 में सूचना ने एक बेटे को जन्म दिया। हालांकि, 2020 से सूचना और उसके पति के बीच विवाद शुरू हो गया।

दिल्ली में इंसानियत हुई शर्मसार

युवक पर नाबालिगों ने चाकू से किए ताबड़तोड़ वार, फिर शव को घसीटकर मचाया तांडव

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली के बदरपुर थाना क्षेत्र में हत्या की सनसनी और रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है । यहां पर अरमान उर्फ कुरु ने अपने तीन नाबालिग साथियों के साथ गौरव (22) नामक युवक की चाकू से 25 से ज्यादा वार कर बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी गौरव के शव को करीबन 60 -70 मीटर तक घसीटते रहे।

आरोपियों की दरिंदगी उस समय थमी जब बदरपुर थाने में तैनात पुलिसकर्मी नाइट पेट्रोलिंग करते हुए वहां पहुंचे। आरोपियों ने भागते हुए बदरपुर थाने में तैनात हवलदार को भी घायल कर दिया। हवलदार नटवर को अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। हालांकि बदरपुर थाना पुलिस ने पूरी रात मशक्कत कर आरोपी अरमान व उनके तीनों नाबालिग साथियों को पकड़ लिया है। दक्षिण पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार हत्या की यह सनसनीखेज वारदात रात करीबन रात दो बजे के आसपास हुई है। मृतक व आरोपी पहले एक दूसरे को जानते थे। रात को इन लोगों में मामूली बात पर कहासुनी हो गई। उसके बाद अरमान व हल उसके तीन नाबालिग साथियों ने गौरव पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला करना शुरू कर दिया।

बेंगलुरु के मंदिरों में हिंदू भक्तों के लिए ड्रेस कोड लागू

केवल इस ड्रेस में मिलेगी एंट्री

बेंगलुरु, 10 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु में मंदिर प्रबंधन बुधवार से एक ड्रेस कोड लागू कर रहा है। अब भक्तों को केवल भारतीय पारंपरिक ड्रेस में ही मंदिरों में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। कर्नाटक देवस्थान महासंघ और हिंदू जनजागृति समिति इस संबंध में मंदिरों के सामने बोर्ड लगाएगी और बुधवार से इस संबंध में सख्त नियम लागू करने को कहा है। ड्रेस कोड के अनुसार, पुरुषों को शॉर्ट्स, बरमूडा, फटी जींस, सीना दिखाने वाली टी-शर्ट पहनने की अनुमति नहीं है।

वहीं, महिलाओं को शॉर्ट्स, मिडी, फटी जींस में मंदिरों के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। बोर्ड ने श्रद्धालुओं से यह भी अपील की है कि वे अशोभनीय, अश्लील पोशाक पहनकर मंदिरों में प्रवेश न करें। इसमें यह भी कहा गया है कि मंदिर की पवित्रता की रक्षा करना परम धार्मिक कर्तव्य है। कर्नाटक मंदिर-मठ और धार्मिक संस्थान संघ ने पिछले महीने सभी मंदिरों के पुजारियों और ट्रस्टियों की बैठक बुलाई थी और जनवरी में नियम लागू करने का फैसला किया था। पहले अपील की गई थी और हिंदू संगठनों ने फैसले का समर्थन किया था। बेंगलुरु के वसंत नगर में श्री लक्ष्मी वेंकटरमण मंदिर के सामने इस संबंध में एक बोर्ड लगाकर मंदिरों के लिए ड्रेस कोड अभियान भी चलाया जाएगा।

पहली बार दिल्ली पुलिस की परेड में सिर्फ महिलाएं दिखेंगी

गणतंत्र दिवस पर पाइप बैंड के नेतृत्व की जिम्मेदारी भी महिला कॉन्स्टेबल को मिली

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर होने वाले कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस की ओर से परेड में सिर्फ महिला पुलिसकर्मी शामिल होंगी। मार्चिंग दस्ते में कुल 194 महिला हेड कॉन्स्टेबल और महिला कॉन्स्टेबल हिस्सा लेंगी। इनका नेतृत्व आईपीएस ऑफिसर श्वेता के सुगथन करेंगी। दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने बताया कि जेंडर इक्वेलिटी (लैंगिक समानता) और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए यह फैसला किया गया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस साल दिल्ली पुलिस के बैंड का नेतृत्व महिला कॉन्स्टेबल रुयागनुओ केनसे करेंगी। इस बैंड कुल 135 कॉन्स्टेबल हैं। पिछले साल तक बैंड का नेतृत्व पुरुष अधिकारी करते आ रहे थे, लेकिन इस साल से यह जिम्मेदारी भी महिला ऑफिसर को सौंपी गई हैं।

मार्चिंग दस्ते में नॉर्थ ईस्ट राज्यों की 80% से ज्यादा महिलाएं

दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने कहा- मार्चिंग दस्ते में 80% से ज्यादा महिलाएं नॉर्थ ईस्ट के राज्यों से हैं। हमारा मानना है कि नॉर्थ ईस्ट के राज्यों के लोगों को भी को देश के बाकी लोगों की तरह समान अवसर मिलने चाहिए। इसलिए भर्ती के समय भी यह पॉलिसी अपनाई जाती है कि नॉर्थ ईस्ट के 8 राज्यों से पुलिस में भर्ती होनी ही चाहिए।

आजादी के बाद से अभी तक दिल्ली पुलिस 15 बार बेस्ट मार्चिंग दस्ता घोषित किया गया है। आखिरी बार 2021 में दिल्ली पुलिस को बेस्ट मार्चिंग दस्ता का खिताब मिला था। उस समय शांति सेवा और न्याय की थीम दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने मार्च किया था।

7 फरवरी 2023 की बैठक में लिया गया था फैसला

गणतंत्र दिवस परेड में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का फैसला 7 फरवरी को हुई 'डी-ब्रीफिंग बैठक' में लिया गया था। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने की अध्यक्षता में हुई बैठक में सेना, नौसेना, वायु सेना, गृह मंत्रालय, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि गणतंत्र दिवस परेड 2024 में कर्तव्य पथ पर परेड के दौरान होने वाली टुकड़ियों (मार्चिंग और बैंड), झांकी और अन्य प्रदर्शनों में महिला प्रतिभागी शामिल होंगीं। मार्च में रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में लेटर भी भेजा था।

कोचिंग संस्थानों ने 100% सफलता का किया दावा तो लगेगा जुर्माना

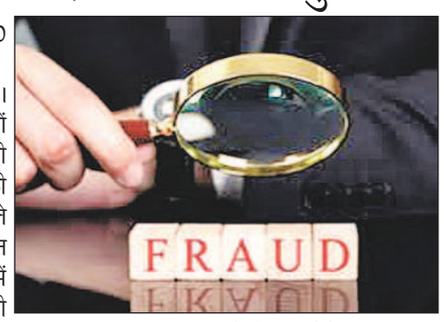

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। सरकारी नौकरियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थान अपने विज्ञापन में 100 फीसदी सफलता या चयन का दावा नहीं कर सकेंगे। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कोचिंग क्षेत्र में भ्रामक विज्ञापनों पर अंकुश लगाने के लिए दिशा-निर्देशों का एक मसौदा तैयार किया है। भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम और विनियमन समिति की बैठक में सीसीपीए के मुख्य आयुक्त रोहित कुमार सिंह की अध्यक्षता में दिशा-निर्देश मसौदा जारी किया गया। इसमें कोचिंग संस्थानों को सफलता दर और चयनित छात्रों की संख्या पर झूठे दावे करने से रोका गया है। मसौदे के अनुसार जानकारी का फॉन्ट साइज वही होगा जो दावे/विज्ञापन में उपयोग किया गया है। विज्ञापन में ऐसी जानकारी प्रमुख और आसानी से दिखाई देने वाली जगह पर देनी होगी। अगर किसी कोचिंग संस्थान ने भ्रामक विज्ञापन किया उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अनुसार जुर्माना वसूला जाएगा। मसौदे के मुताबिक, कोचिंग संस्थान को सभी अपेक्षित जानकारी देनी होगी। इसमें सफल उम्मीदवार की फोटो, रैंक, पाठ्यक्रम, उसकी अवधि बतानी होगी। साथ ही यह भी बताना होगा कि क्या उम्मीदवार ने फीस दी या मुफ्त कोचिंग ली थी। सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों की ओर से भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की थी। इस संबंध में सीसीपीए ने 31 कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी कर नौ पर जुर्माना लगाया है।

सीसीपीए ने जारी किया मसौदा

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा में प्रत्याशियों पर मंथन शुरू

2% से कम जीत-हार वाली 48 सीटों पर दिग्गज नेताओं को उतारेगी पार्टी

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों पर मंथन शुरू कर दिया है। मोदी की गारंटी का नैरेटिव सेट कर रही पार्टी जीत पक्की करने के लिहाज से उन 48 लोकसभा सीटों पर कद्दावर नेताओं को उतारने की योजना बना रही है, जहां पिछली बार जीत-हार का अंतर 2% से कम रहा था।

भाजपा जिन सीटों पर 35-52% से ज्यादा के अंतर से जीती थी, वहां नए प्रत्याशियों को मौका दिया जाएगा। पिछले चुनाव में 0.2 से 1.91% तक कुल 48 लोकसभा सीटों पर पार्टी की हार-जीत हुई थी। इनमें 10 उत्तर प्रदेश से है, जहां भाजपा जीती थी। 48 में से 27 सीटें ऐसी थीं, जहां प्रत्याशी 1% से कम अंतर से चुनाव जीते थे। जबकि जिन 50 सीटों पर जीत का अंतर 35% से अधिक रहा, उनमें 40 से ज्यादा पर भाजपा जीती थी। भाजपा के चुनाव अभियान से जुड़े नेता का कहना है कि ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, असम और बंगाल आदि में इस बार कद्दावर नेताओं को उतारा जाएगा। उत्तर प्रदेश-बिहार की कुछ सीटों पर भी ऐसा ही प्रयोग होगा। महाराष्ट्र-बिहार में सियासी समीकरण आंकड़ों के लिहाज से कठिन दिख रहे हैं, इसलिए यहां बड़े अंतर से जीती गई आधा दर्जन सीटों पर मजबूत प्रत्याशी उतारे जाएंगे। 2019 में भाजपा 303 सीटें जीती थी। 240 सीटें अन्य दल जीते थे। इनमें कुछ एनडीए, कुछ यूपीए की तो कुछ अन्य की थीं। लिहाजा 40 सीटों का उलटफेर बड़ा बदलाव ला सकता है। इस लिहाज से 2% से कम मार्जिन वाली 48 सीटें अहम हो जाती हैं। बिहार में नीतीश विरोधी खेमे में चले गए हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना-एनसीपी दो फाड़ हो चुकी हैं। हिंदी पट्टी और गुजरात में भाजपा कमोबेश अधिकतम सीटें हासिल कर चुकी है। जिन सीटों पर 35% से अधिक वोट प्रतिशत से जीत हुई थी, उनमें 42 सीट भाजपा के पास हैं। दूसरी तरफ, विपक्षी इंडिया गठबंधन के दलों में सीट शेयरिंग को लेकर मंथन का दौर जारी है। पंजाब और दिल्ली की 20 सीटों पर सहमति के करीब पहुंचने के बाद कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की 168 सीटों का गणित बैठाने पर ध्यान जमाया है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 11 जनवरी - 2024

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा फरमान

सर्वोच्च न्यायालय का बिलकिस बानो मामले में फैसला गुजरात सरकार के पक्षपातपूर्ण व्यवहार पर कठोर प्रहार है। अदालत ने दोषियों को दो हफ्ते के भीतर समर्पण करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अदालत को गुमराह करने और हक हड़पने को लेकर गुजरात सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। पिछले साल पंद्रह अगस्त को गुजरात सरकार ने बिलकिस बानो से सामूहिक बलात्कार करने वाले ग्यारह दोषियों की उम्र कैद की सजा माफ कर दी थी, तब इसे लेकर खासा रोष देखा गया था। उस फैसले को रद्द करने की सर्वोच्च न्यायालय में अपील की गई थी। तब अदालत ने राज्य सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा, मगर उसने उस फैसले को उचित ठहराया था। इस संबंध में केंद्र सरकार ने भी उसका समर्थन किया था। फिर बिलकिस बानो की अपील पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने पाया कि दोषियों की सजा माफी का अधिकार गुजरात सरकार के पास था ही नहीं। चूंकि इस मामले की पूरी सुनवाई महाराष्ट्र में हुई थी, इसलिए इसका फैसला वही कर सकती थी। मगर गुजरात सरकार ने अदालत के सामने गलत तथ्य पेश कर वह हक हड़प लिया। गौरतलब है कि बिलकिस मामले में गुजरात सरकार का रुख शुरू से ही पक्षपातपूर्ण देखा गया था। जब दोषी जेल में थे, तब भी उन्हें लंबे-लंबे समय के लिए पेरोल पर बाहर आने की इजाजत दी गई। यह ठीक है कि राज्य सरकारों को कुछ मामलों में दोषियों की सजा माफ करने का अधिकार है, मगर इससे उनके विवेक की भी परीक्षा होती है कि वे किस प्रकृति के मामले में अपने विशेष अधिकार का उपयोग कर रही हैं। बिलकिस का मामला सामान्य अपराध नहीं था। गुजरात दंगों के समय ग्यारह लोगों ने उससे बलात्कार किया। उस समय उसके गर्भ में पांच महीने का बच्चा था। फिर उसके सामने ही उसके परिवार के सात लोगों की हत्या कर दी गई, जिनमें उसकी तीन साल की बेटी भी थी। समझना मुश्किल नहीं है कि उस घटना का बिलकिस के मन पर क्या असर पड़ा होगा। किस पीड़ा, त्रास और भयावह स्थितियों से उसने अपने आपको उबारने की कोशिश की होगी। ऐसी बर्बर घटना के दोषियों की सजा माफ करने पर विचार करते हुए राज्य सरकार से विवेकपूर्ण व्यवहार की अपेक्षा की जाती थी। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा भी है कि अधिकार केवल दोषियों के नहीं होते, पीड़िता के भी होते हैं। समझना मुश्किल है कि राज्य सरकार को दोषियों की कथित पीड़ा तो समझ में आई, मगर बिलकिस का दर्द क्यों महसूस नहीं हुआ। गुजरात सरकार के इस फैसले की कई दृष्टियों से आलोचना हुई थी। इसके पीछे राजनीतिक मकसद भी देखे गए थे, जो दोषियों के रिहा होते ही दिखाई भी दिए। दोषियों का माला पहना कर स्वागत किया गया, मानो वे किसी जघन्य अपराध के दोषी नहीं, बल्कि उन्होंने कोई वीरोचित कार्य किया हो। इस तरह उनकी सजा माफ कर न सिर्फ उन्हें निर्दोष साबित करने, बल्कि समाज में उनका महिमामंडन करने का भी प्रयास हुआ था। ऐसे बलात्कार और हत्या करने, सामाजिक विद्वेष फैलाने वालों की सजा माफी और स्वागत किसी भी सभ्य समाज की निशानी नहीं मानी जा सकती। इससे समाज में गलत संदेश जाता है। ऐसे आपराधिक वृत्ति के लोगों को उकसावा मिलता है। गुजरात सरकार के फैसले पर सर्वोच्च न्यायालय की नाराजगी स्वाभाविक है। आखिर इस तरह के पक्षपातपूर्ण फैसले करने वाली सरकार को कल्याणकारी और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध कैसे माना जा सकता है।

क्यूं नींद उड़ाते हो भाई!

डॉ प्रदीप उपाध्याय

चच्चा मिर्ज़ा ग़ालिब बयां कर चुके हैं कि - "मौत का एक दिन मुअय्यन है नींद क्यूँ रात भर नहीं आती।"यानी मौत का दिन तो निर्धारित है किन्तु दुनिया भर की चिंताएं वैसे ही नींद उड़ाए रखती है लेकिन इतना सबकुछ जानते बूझते भी ये मुए लोग थोड़ी बहुत आ रही नींद को परमानेंटली उड़ाने पर तुल गए हैं। अभी तक तो यह फील्ड भविष्यवक्ताओं के हिस्से में ही दर्ज थी और हंसी-मजाक में लोग अपनी उम्र पूछ लिया करते थे। कोई इसे इतनी गंभीरता से कभी लेता भी नहीं रहा है किन्तु जो बात मैं आपको बताना चाह रहा हूं,वह चिंता में डालने वाली बात है।चलो फिर भी खबर बताता चलूं ,हो सकता है इस खबर से शायद आप भी वाक़िफ हो चुके होंगे और चौंक भी गए होंगे ।खबर यह है कि एआई अब मौत का भी अनुमान लगाने लगा है। डेनमार्क के वैज्ञानिकों ने इंसानों की मृत्यु का अंदाजा लगाने में कामयाबी हासिल कर ली है। उन्होंने ऐसी मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म विकसित कर ली है,जो यह पता लगाने में सक्षम है कि किसी इंसान की उम्र कितनी होगी।

संतोष की बात है कि भविष्यवक्ताओं की तरह ही इनका एक्यूरेसी रेट शत-प्रतिशत नहीं है बल्कि यह भी अठहत्तर प्रतिशत ही बताया गया है। यानी बचाव का रास्ता यहां भी रख छोड़ा है।अब कहीं आप यह मत पूछ बैठना कि यह एआई क्या है।चलो यह भी बताता चलूं।एआई यानी कृत्रिम बुद्धि मानव और अन्य जन्तुओं द्वारा प्रदर्शित प्राकृतिक बुद्धि के विपरीत मशीनों द्वारा प्रदर्शित बुद्धि है।अब बुद्धि तो बुद्धि है।न मशीन की बुद्धि पर भरोसा कर सकते हैं और न ही इंसान की बुद्धि पर क्योंकि दोनों ही मामलों में डाटा कैसा फीड हुआ है,सभी कुछ उसीपर निर्भर करता है। ठीक है प्राकृतिक बुद्धि वाला भविष्यवक्ता हो या फिर कृत्रिम बुद्धि वाली मशीन, शत-प्रतिशत एक्यूरेसी का दावा भले ही कर दें तब भी हमें तो भरोसा नहीं। प्राकृतिक बुद्धि से भविष्यवक्ता जातक के दीर्घायु होने का फलित रख दे और मालूम पड़े कि जातक तो कोरोना महामारी से भरी जवानी में ही निपट गया।

दूसरी ओर कृत्रिम बुद्धि डाटा एनालिसिस कर जिस आयु में मृत्यु का अनुमान बताए, मालूम पड़े कि उसके पहले ही व्यक्ति सड़क दुघर्टना में मारा गया।वैसे यह तय बात है कि जो आया है उसे जाना है। कोई ताकत उसे रोक नहीं सकती।जब मिट्टी में मिलना ही है तो फिर मौत का अनुमान भी क्यों। कहीं एआई इससे आगे बढ़कर अपनी इंटेलीजेंसी इस मुहिम में तो ख़र्च नहीं करना चाह रही है कि जाने वाले को कैसे रोका जाए। गलतफहमी में मत रहना। तुम इतने भी इंटेलीजेंट नहीं हो गए हो कि कुदरत के कानून को बदल सको।बहरहाल,एक बात तो तय है कि मृत्यु का अनुमान कोई लगवाना तो नहीं चाहेगा। हां, ज्योतिषी से यह जरूर जानना चाहेगा कि उसकी आयु कितनी है। मृत्यु का अनुमान या आयु स्थिति की जानकारी लेकर लोग अपनी रातों की नींद और दिन का चैन गंवा सकते हैं।ऐसी इंटेलीजेंसी किस काम की। चाहे वह कृत्रिम बुद्धि के बलबूते सामने आए या फिर प्राकृतिक बुद्धि के।राज की बात फिर भी आपको बता ही दूं कि मरने का अनुमान तो हर कोई लगा सकता है क्योंकि जो आया है उसे जाना ही है।आज नहीं तो कल लेकिन क्या कोई जीने का अनुमान लगा सकता है! लोग या तो जीते-जी मरते हैं या फिर मर-मर कर जीते हैं।

मालदीव-लक्षद्वीप विवाद में विपक्ष के लिए छिपा हुआ है संदेश

राजेश कुमार पासी

प्रधानमंत्री के हर कदम में एक राजनीति होती है लेकिन उसे समझना बहुत मुश्किल होता है । कई बार उसके प्रभाव से वो समझ आती है । मोदी जी ने लक्षद्वीप में कुछ परियोजनाओं की नींव रखी और इसके बाद उन्होंने लक्षद्वीप के तटों की सैर करते हुए कुछ तस्वीरें खिंचवाई । उन्होंने उन तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डाल दिया । ये कोई नई बात नहीं है, वो अक्सर जहां भी जाते हैं, वहां की तस्वीरें सोशल मीडिया पर डालते ही हैं । उन्होंने लक्षदीप की यात्रा का एक वीडियो डालकर देशवासियों से पर्यटक के रूप में वहां जाने की अपील की । इसमें कुछ भी गलत नहीं है और न ही कुछ अजीब है लेकिन मोदी जी की राजनीति उनको समझ आ गई, जिनको वो संदेश देना चाहते थे ।वास्तव में मालदीव हमारा छोटा सा पड़ोसी देश है और वहां जो नई सरकार सत्ता में आई है, उसका रवैया भारत विरोधी है । यह सरकार इंडिया आऊट का नारा लगाकर ही सत्ता में आई है । भारत सरकार ने मालदीव की सुरक्षा के लिए वहां अपने कुछ सैनिक तैनात किये हुए हैं । नये राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत सरकार को अपने सैनिक बुलाने का अनुरोध किया है और भारत सरकार इसे स्वीकार कर चुकी है । इसके अलावा उन्होंने भारत के साथ हुए एक महत्वपूर्ण समझौते को भी रद्द कर दिया है । भारत बहुत समय से मालदीव की मदद करता आया है लेकिन यह सरकार चीन की समर्थक है और भारत विरोधी रवैया अपना रही है । मोदी ने चुपचाप लक्षद्वीप से मालदीव को संदेश दिया और वो संदेश पहुंच गया । इससे मालदीव सरकार के कुछ मंत्री चिढ़ गये और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और भारत के खिलाफ जहर उगलना शुरू कर दिया । मालदीव की मंत्री मरियम शिउना ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में मोदी जी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया । उनके एक नेता जाहिद रमीज ने लिखा कि भारत सर्विस के मामले में हमारा मुकाबला नहीं कर सकता । इसके अलावा मालदीव के कुछ महत्वपूर्ण लोगों ने भारत और भारतीयों का मजाक उड़ाया । मोदी जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद भारत सरकार ने नाराजगी जताई और मालदीव सरकार के सामने यह मुद्दा उठाया । मालदीव सरकार ने बयान जारी करके कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राय है । असली खेल सोशल मीडिया पर हुआ, भारतीय यूजर ने मोदी जी और देश के खिलाफ टिप्पणियों पर जबरदस्त तरीके से अपनी प्रतिक्रिया दी । ट्विटर और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बॉयकॉट मालदीव ट्रेंड करने लगा । इसके अलावा लोगों ने लक्षद्वीप को इंटरनेट पर सर्च करना शुरू कर दिया । हैरानी की बात यह है कि कुछ समय तक सर्च करने वाले लोगों में सबसे ज्यादा संख्या मालदीव के लोगों की थी । ट्विटर पर भारतीय यूजर अपने देश के लोगों से अपने देश में ही घूमने के लिए ट्रेंड कराने लगे । इस मुहिम में धीरे धीरे भारत के महत्वपूर्ण सेलिब्रिटी उतरने लगे और अपने देशवासियों से भारत के ही पर्यटन स्थल को देखने का अनुरोध करते नजर आने लगे । करोड़ों रुपये खर्च करके भी लक्षद्वीप का ऐसा प्रचार नहीं हो सकता था, जैसा इस विवाद के कारण हो गया । जो लोग किसी भी प्रचार के लिए करोड़ों रूपये लेते हैं, उन्होंने मुफ्त में ही लक्षद्वीप के पर्यटन के लिए प्रचार किया क्योंकि मामला देश से जुड़ गया है ।मालदीव की सरकार और वहां के कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लिये बहुत अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है जिससे देश में मालदीव के प्रति नफरत की भावना फैल गई है । इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से मालदीव की सरकार और जनता की है. जो भारत हर मुसीबत में उनकी मदद करता आया है, उससे आज वहां की जनता नफरत कर रही है । भारत विरोधी प्रचार के बल पर ही यह सरकार सत्ता में आई है । आज मालदीव की सरकार और जनता को भारत की जगह चीन में दोस्त दिखाई दे रहा है । चीन की असलियत से पूरी दुनिया वाकिफ है लेकिन मालदीव को चीनी प्यार का बुखार चढ़ा हुआ है । मालदीव पिछले कई वर्षों से मुस्लिम कट्टरता की ओर बढ़ता जा रहा है । यही कारण है कि वहां की जनता भारत को भी मुस्लिम विरोधी मानकर नफरत करने लगी है अन्यथा चुनावों में भारत विरोधी प्रचार को वहां तरजीह नहीं दी जाती । भारत और भारतीयों की जो प्रतिक्रिया आई है, उसने मालदीव को घुटनों के बल ला दिया है । मोदी और भारत के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने वाले तीन मंत्रियों को मालदीव सरकार ने बर्खास्त कर दिया है । मालदीव को अंदाजा लग गया है कि उसने बहुत बड़ी गलती कर दी है और वो उसे सुधारने की कोशिश करता नजर आ रहा है । मालदीव की अर्थव्यवस्था में भारतीय पर्यटकों का बहुत बड़ा योगदान है और मालदीव की 70 प्रतिशत अर्थव्यवस्था पर्यटन पर ही टिकी हुई है । मालदीव को अंदाजा लग गया है कि आने वाले दिनों में उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है । वो पहले ही चीनी कर्जे के नीचे दबा हुआ है । पांच अरब डॉलर की जीडीपी वाला देश तीन अरब के चीनी कर्जे तले दबा हुआ है । मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति ने कहा है कि मालदीव सरकार ने क्या किया है, उसका उसे पता ही नहीं है । उन्होंने कहा है कि मोदी अपने ही देश के एक पर्यटन स्थल का प्रचार कर रहे थे, इसमें गलत क्या था और उन्होंने तो मालदीव का नाम भी नहीं लिया था । मालदीव सरकार आग से खेल रही है और इसका नतीजा भुगतना पड़ेगा । वास्तव में इस प्रकरण के कारण मालदीव सरकार अपने ही लोगों के निशाने पर आ गई है । एक कहावत है कि 'अब पछताये होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' । मालदीव ने जो कर दिया है, उसको अब बदला नहीं जा सकता । पूरा देश जाग गया है और उसे पता लग गया है कि मालदीव से बेहतर लक्षद्वीप हमारे पास है । बेशक वहां आज बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं लेकिन भारत में वो क्षमता है कि वो जल्दी ही सारी सुविधायें यहां प्रदान कर सकता है । अब इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है और जल्दी ही लक्षद्वीप मालदीव का विकल्प बन सकता है । ऐसा होने पर मालदीव को बड़ा आर्थिक नुकसान होना तय है । इस प्रकरण में भारत के विपक्ष के लिए बड़ा संदेश छिपा हुआ है । मालदीव अपना काम करने की जगह मोदी और भारत को गाली देने पर उतर आया था और आज यही काम भारत का विपक्ष कर रहा है । वो मोदी जी को गाली देते-देते देश को गाली देने लगा है । आज के विपक्ष को भारत में कुछ भी अच्छा दिखाई नहीं देता है । वो हर उस बात का विरोध करता है, जो मोदी जी द्वारा कही जाती है । विपक्ष मोदी की नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं का विरोध सिर्फ इस आधार पर करता है कि वो मोदी द्वारा लाई गई हैं । वास्तव में विपक्ष मोदी के अंधे विरोध का शिकार हो चुका है । विपक्ष मोदी को हटाना चाहता है लेकिन नहीं जानता कि क्यों हटाना है ।

मोदी की नीतियों और योजनाओं का विरोध करता है लेकिन उसके पास उनका विकल्प क्या है, ये नहीं बताता । जो बात मालदीव को 24 घंटे में समझ आ गई, वो बात विपक्ष दस साल में भी नहीं समझ सका है । उसे यह अहसास ही नहीं है कि जनता में मोदी के प्रति कितना सम्मान और प्रेम का भाव आ गया है । एक छोटी सी घटना के कारण पूरा देश मोदी के पीछे आकर खड़ा हो गया । ये बताता है कि प्रधानमंत्री मोदी का अपमान देशवासियों को कितना चुभता है । हमारे देश का विपक्ष तो दिनरात मोदी का अपमान करता रहता है । जिन शब्दों का इस्तेमाल मालदीव के मंत्रियों ने किया था, उससे कहीं ज्यादा अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल विपक्ष के नेता करते रहते हैं । मोदी के दस साल के शासन के बाद विपक्ष कहां खड़ा है, उसको सोचना चाहिए ? दस साल बाद मोदी की लोकप्रियता घटने की जगह बढ़ती दिखाई दे रही है तो इसकी क्या वजह है ? मोदी को गाली देने से विपक्ष को कितना नुकसान हो रहा है, इस पर विचार करने की जरूरत है ।

धनबल शक्तिशाली पर सत्य के सामने कमजोर

संजीव ठाकुर

यह तो सच बात है कि मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का परिणाम है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा आसमान क्रम में समय-समय पर मूल्यों का स्थापन और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सारस्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। इसके अनुसार ही परिस्थितियों आवश्यकताओं दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापना ओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकावान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रत्येक को तेजी से बड़ा प्रबल माना गया है। सत के शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम,सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि 'सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का 'सांच को आंच नहीं' जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित ₹सत्यमेव जयते₹ आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मों से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है।यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद तो भोग दर्शन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और आर्थिक तत्व का महत्व वैश्विक तथा आंतरिक जीवन का सबसे प्रमुख निर्धारक तथ्य बनने लगा। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी, उदारवादी संस्कृति के विकास का प्रभाव पूरे विश्व पर पर्याप्त मात्रा में पड़ा और वैश्विक स्तर पर मूल्यों में नैतिक स्तर पर परिवर्तन आने लगे। आधुनिक युग वैश्वीकरण, उदारीकरण और आर्थिक विकास का युद्ध इस युग में अर्थ अथवा धनबल अपनी अकूत शक्ति के बल पर पूरी सभ्यता व व्यवस्था का केंद्रीय तत्व बनकर उभरा है। धन बल पर आधारित इस युग में स्थिति यह बन गई है कि राजनीति, समाज, धर्म ,अध्यात्म ,अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण ,ज्ञान विज्ञान ,जीवन दर्शन सभी अर्थ व धन के निर्देशों के अनुरूप ही चलन में आ गए हैं। धन के बल पर आज पारिवारिक संबंधों सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा राजनैतिक शक्ति,संतुलन, आध्यात्मिक स्तर पर प्रभाव नैतिक स्तर पर सहमति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल प्रभावित ही नहीं कर रहे हैं अपितु उन्हें लगभग खरीदने की ताकत रखने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके बावजूद सत्य के मूल्य को और उसकी सार्वभौमिकता को दबाना या शांत करना या उसके दमन के लिए उसे विवश करना लगभग असंभव है। वैश्विक स्तर पर कुछ अमीर देश और मुट्ठी भर धनाढ्य व्यक्ति इस बात को मान्यता देते हैं कि जब ,धन बोलता है तो सत्यम मौन रहता है, पर सार्वजनिक रूप से ऐसा मानना तार्किक स्तर पर जरूर ठीक लगता हो पर दार्शनिक अथवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से यह पूर्ण रूप से असत्य भी है। पारिवारिक सामाजिक स्तर पर भी देखें तो समाज के नैतिक मूल्यों में आई गिरावट के परिणाम स्वरूप सामाजिक प्रतिष्ठा उसी को प्राप्त होती है जिसके पास पर्याप्त तथा अकूत धन हो। धनवान व्यक्ति की विचारधारा उसकी मान्यताओं को समाज महत्व देता है एवं उसे प्रेरणा का स्रोत माना जाता है। निर्धन व्यक्ति कितना भी विद्वान ऊर्जावान हो उसकी बातें सत्य पूर्ण सत्य तथा उदास बातें भी समाज में कई उदाहरणों में महत्वहीन हो जाती है। धन तथा बाहुबल के महत्व के अनेक उदाहरण राजनीतिक स्तर पर प्रतिदिन हमारे सामने आने लगे हैं। राजनीतिक जीवन में धन के बल पर किए जाने वाले भ्रष्टाचार, चुनाव में धांधली, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, पार्टियों पर अनुचित प्रभाव मीडिया चैनल न्यूज प्रिंट मीडिया आदि की खरीदारी सत्य के मूल्यों पर प्रश्नचिन्ह लगा देते हैं। राजनेता मीडिया समूहों से सांठगांठ कर मिथ्या प्रचार कर अपने विरुद्ध आने वाली विपरीत खबरों को भी सकारात्मक बनाने का कार्य धनबल के जरिए करने लगे हैं। आज धन व सत्ता का अनुचित प्रयोग सत्य का दमन तथा उसे नकारने की शक्ति बन चुका है। कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सर्वे के अनुसार उसके सूचकांक में भारत का निम्न स्थान धन के बल पर सत्ता प्रतिष्ठानों को प्रभावित करने बढ़ती घूसखोरी, सरकारी गैर सरकारी, कारपोरेट जगत के बढ़ते नैतिक पतन को उजागर करता है। विधायिका, न्यायपालिका तथा कार्यपालिका सभी स्तरों पर सत्य के मूल्य के दमन की घटनाओं से आज अखबार अटा पड़ा है। आज की स्थिति में निचले स्तर से उच्च स्तर की अदालतों तक न्याय पाने के लिए महंगे वकील करने के लिए धन की अत्यंत आवश्यकता होती है, न्याय भी अब धन पर आधारित हो गया है। न्याय पाना अब गरीबों का हक नहीं रह गया है,यह केवल अमीर लोगों की मुट्ठी में बंद होकर रह गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिखने वाली बराबरी अनेक बार सत्य को दबाकर दादागिरी के बल पर अमीर देशों की जिद की भेंट चढ़ जाती है।

घोर कलियुग :जिगर के टुकड़े का खून करने वाली सीईओ!

मनोज कुमार अग्रवाल

अब यकीन कर लीजिए कि घोर कलियुग आ चुका है एक उच्च शिक्षित आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की जानकार एक कंपनी की सीईओ जन्मदात्री मां ने अपने ही जिगर के टुकड़े मासूम अबोध बेटे की हत्या कर दी इस वारदात ने मां और ममता के तमाम मान्यताओं को नेपथ्य में धकेल कर क्रूरता और वहशीपन की नई इबारत लिखी है जो इंसान की भौतिक तरक्की के साथ मर रही इंसानियत और संवेदना शून्य मशीनी जीवन से रूबरू कराती है। नॉर्थ गोवा के कलंगुट इलाके से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक मां ने अपने चार साल के बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी है।उसने इस अपराध को सिर्फ इसलिए अंजाम दिया, क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि उसका बेटा पिता से मिल पाए। पुलिस ने आरोपी मां को सोमवार 8 जनवरी को गिरफ्तार किया। सूचना सेठ नाम की आरोपी महिला बेंगलुरू के एआई स्टार्टअप में सीईओ के तौर पर काम करती है।आरोपी ने पहले अपने 4 साल के बेटे की गोवा में बेरहमी से हत्या की और फिर वह उसके शव को बैग में डालकर बेंगलुरू भाग रही थी, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। महिला को कर्नाटक पुलिस ने अरेस्ट किया है। कर्नाटक पुलिस ने चित्रदुर्ग में सूचना के बैग की तलाशी ली और फिर उसमें से शव मिलने पर उसे गिरफ्तार किया गया। इस मामले के सामने आने के बाद से ही हड़कंप मच गया है। पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर रही है। मामले की जांच कर रही गोवा पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिला ने इस खौफनाक अपराध को इसलिए अंजाम दिया, ताकि उसका बेटा उसके पूर्व-पति से मुलाकात नहीं कर पाए। दरअसल सूचना सेठ ने अपने पूर्व पति से 2010 में शादी की थी। आरोपी महिला ने 2019 में अपने बेटे को जन्म दिया। हालांकि, पति के साथ हुए विवाद के बाद दोनों का 2020 में तलाक हो गया। उस समय अदालत ने फैसला सुनाया कि बच्चे का पिता उससे हर रविवार को मुलाकात कर सकता है। इस बात से सूचना बिल्कुल भी खुश नहीं थी। और उसे यह सब इतना नागवार लगता था कि उस ने अपने ही मासूम बेटे की हत्या करने की पटकथा तैयार कर अमली जामा पहना दिया। पुलिस तफ्तीश में सामने आया है कि सूचना को भले ही अपने पति से छुटकारा मिल गया था मगर वह बिल्कुल भी नहीं चाहती थी कि उसका बेटा पिता से मुलाकात करे। यही वजह थी कि आरोपी महिला अपने बेटे को उसके पिता से मिलने से रोकने के लिए षडयंत्र रच रही थी। अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए वह 6 जनवरी को गोवा पहुंची और उसने सिंक्वेरिम में एक होटल में चेक इन किया। 7 जनवरी को रविवार होने के चलते पिता को बेटे से मिलना था मगर उससे पहले ही सूचना ने होटल के कमरे में बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, सूचना सेठ ने किसी धारदार हथियार से अपने बेटे की हत्या की। अपराध को अंजाम देने के बाद उसने होटल मैनेजमेंट से बेंगलुरू वापस जाने के लिए टैक्सी बुक करने को कहा। महिला ने होटल स्टाफ से इस बात पर जोर दिया कि वो सड़क के रास्ते से ही बेंगलुरू जाएगी। होटल स्टाफ ने कैब बुक कर दिया और वह अपना सामान लेकर रवाना हो गई। हालांकि, जब होटल स्टाफ उसके कमरे की सफाई करने पहुंचा तो उसने बिस्तर पर खून के धब्बे देखे। होटल स्टाफ को शक हुआ कि यहां किसी बड़ी घटना को अंजाम दिया गया है। कहीं किसी कानूनी पचड़े में न पड़ जाए यह सोच कर होटल स्टाफ ने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस तुरंत होटल में पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगालने लगी। जब फुटेज खंगाली गई तो पता चला कि वो अकेले ही होटल से बाहर निकली थी, जबकि उसका बेटा उसके साथ कहीं भी दिखाई नहीं दिया। पुलिस को तुरंत किसी बड़ी अनहोनी की आशंका लग गई।होटल स्टाफ से पुलिस ने तुरंत कैब ड्राइवर का नंबर लिया और सूचना से बात की। इस दौरान सूचना ने बताया कि उसका बेटा गोवा में उसके एक रिश्तेदार के यहां है। उसने पुलिस को रिश्तेदार का एड्रेस भी दिया। लेकिन पुलिस की जांच में ये कहानी बिल्कुल झूठी निकली। कलंगुट पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि जब हमें सूचना पर शक हुआ तो हमने ड्राइवर को फोन किया और उसे नजदीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करने के लिए कहा।

इसके बाद महिला को बेंगलुरू ले जाते समय ड्राइवर ने चित्रदुर्ग में एक पुलिस स्टेशन पर कैब को रोका और मामले की जानकारी दी। यहां जब चित्रदुर्ग पुलिस ने सूचना के बैग की जांच की तो उसमें उसके बेटे का शव बरामद हुआ।

मोबाइल तो मोबाइल है

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मोबाइल तो मोबाइल है भैया। किसी किसी के लिए इस काम की तो किसी किसी के लिए उस काम की चीज है। मुश्किल तो रामधारी के बेटे टिंकू के नन्हें हाथों से हैं, जिसे महाप्रभु कोरोना जी की कृपा से मोबाइल को न केवल स्पर्श करने का मौका मिला, बल्कि ऑनलाइन क्लासेस के बहाने चिट-चैटर, यूट्यूबर, व्हाट्सपर, फेसबुकर, गेमर और कुछ संदर्भों में अडल्टर बनने का भरपूर अवसर मिला। इतनी खुशी तो उसे अपने जन्म के समय भी नहीं हुई। रामधारी ठहरे एकदम कोरे निरक्षर। स्मार्ट बनना तो दूर स्मार्ट की स्पेलिंग से भी उनका दूर-दूर तक पाला नहीं पड़ा था। पड़े भी कैसे? घर में टीवी चैनल सारे हिंदू-मुस्लिम, जादू-टोना, निंबू-मिर्ची करने में अपना सिर खपा रहे थे। यदि कोई चैनल गलती से स्मार्ट बनने की कोशिश करता तो दो हजार और पाँच सौ की नोटों में से चिप निकालने बैठ जाता। एक तरह से कह दें तो रामधारी की स्मार्टियत जन्म लेने से पहले ही भ्रूणहत्या का शिकार हो गयी।

इसका मतलब यह नहीं कि उनके पास मोबाइल नहीं है। है लेकिन उतना ही जितना कि हरा बटन दबाने पर जवाब दे सके और खतरा लगने पर लाल बटन दबाकर सामने वाले या फिर खुद का गला दबाने में काम आ सके। इधर ऑनलाइन क्लासों ने मानो रामधारी जैसों के लिए सीरियाई फरमान जारी कर दिया कि यदि बच्चे को स्मार्ट फोन नहीं दिलाओगे तो समझो तुम्हारी खैर नहीं। वह तो भला हो चीनी कंपनियों का, जो जिंदगी से सस्ते दामों पर स्मार्टियत वाला फोन बेचते हैं। सो, भेड़चाल की भीड़ में रामधारी भी हो चले। उन्होंने भी अपने लाड़ले टिंकू का स्मार्ट फोन से आलिंगन करवा दिया।

रामधारी के लिए वह एक घड़ी थी और आज एक घड़ी है, जब स्मार्ट फोन दिलवाने का पछतावा उन्हें हर समय होता रहा है। स्मार्टफोन से पहले बनावटी पितृभक्त टिंकू अब तो खुलेआम घर के सदस्यों पर मोर्चा खोल बैठा है। कुछ भी काम कहो तो कहता कि क्लास लगी है। पता चला कि महाराज ऑनलाइन क्लास के बहाने रिसेंट एप्स में अपनी सृजनात्मकता का लोहा मनवा रहे हैं। रिसेंट में सब कुछ ताजा-ताजा चीज़ें होतीं। जैसे- व्याहट्स पर चिट-चैट, फेसबुक पर लाइक-शेयर, इंस्टा पर हसीनाओं के दीदार, ऑनलाइन गेम्स में पड़ोस के मिन्नू से वर्ल्ड नंबर बनने की होड़ और यूट्यूब पर अपनी फूहड़ कलाकारी की अपलोडियत का कारनामा। रामधारी के लिए साल टिंकु का 1.0 वर्जन खूब फबा, किंतु उसी टिंकु का 2.0 वर्जन उन्हें और उनके घरवालों के लिए खाना-पीना हराम कर दिया था। ऑनलाइन क्लास में टिंकु ने कुछ सीखा या नहीं सीखा यह ठीक से तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन टेढ़ी गर्दन, उभरा हुआ पेट, बदन पर चर्बी की भरमार, आँखों पर मोटा चश्मा, छोटी सी उमर में बूढ़ापे की झलक, बड़ो से बदसलूकी की झलकियाँ और घरभर के माथों पर परेशानियों के बल आसानी से देखे जा सकते थे।

पौष अमावस्या पर

पितरों के लिए दीपक कब जलाएं?

पौष अमावस्या पर्व

11 जनवरी से

पौष अमावस्या के अवसर पर आपको अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए. पितरों को नाराज करने से बचना चाहिए. यदि पितर नाराज हो जाएंगे तो आपको कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. पितरों को खुश करने के लिए पौष अमावस्या के दिन स्नान करें और उनके लिए तर्पण, दान आदि करें. आपने देखा होगा कि अमावस्या के दिन पितरों के लिए दीपक जलाते हैं. ऐसा क्यों किया जाता है और इसका महत्व क्या है? पौष अमावस्या पर पितरों के लिए दीपक कब जलाना चाहिए?

पौष अमावस्या 2024 पितरों के लिए दीपक क्यों जलाते हैं?

शास्त्रों में यह वर्णन मिलता है कि हमारे पितर अमवास्या के दिन धरती लोक पर आते हैं और अपने वंश से दान, तर्पण, भोजन का अंश, पिंडदान, श्राद्ध आदि की उम्मीद रखते हैं. अमावस्या पर पूरे दिन वे धरती पर होते हैं और शाम के समय में वापस पितर लोक लौटते हैं. उनकी वापसी के समय हम सरसों के तेल का एक दीपक जलाकर रखते हैं. यह दीपक उनके लिए ही होता है, ताकि उनके मार्ग में अंधकार न हो. वे तृप्त होकर वापस अपने लोक जाएं.

पौष अमावस्या 2024: पितरों के लिए दीपक जलाने का समय

मान्यताओं के अनुसार सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल प्रारंभ होता है. प्रदोष काल में पीपल के पेड़ के नीचे आप सरसों के तेल का दीपक जलाएं. पौष अमावस्या के दिन 11 जनवरी को सूर्यास्त शाम 05:43 बजे होगा. इस समय से आप अपने पितरों के लिए अमावस का दीपक जला सकते हैं. अमावस्या को पीपल के पेड़ की पूजा करते हैं, इसमें देवों का वास होता है और पितर प्रसन्न होते हैं. अब आप जान गए हैं कि अमावस्या के दिन पितरों के लिए दीपक कब और क्यों जलाना है. इसका महत्व क्या है. पितरों को पौष अमावस्या पर तर्पण, पिंडदान, दान आदि से तृप्त करने के बाद खुशी-खुशी विदा करें. पितरों के आशीर्वाद से आपका जीवन खुशियों से भर जाएगा.

घर में लोबान जलाने पर मिलते हैं कई लाभ

इन समस्याओं से बच सकते हैं आप

ज्योतिष शास्त्र में माना गया है कि घर में लोबान जलाने से व्यक्ति को पैसों से संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इतना ही नहीं, इससे घर में नकारात्मक शक्तियां भी दूर बनी रहती हैं। इसके साथ घर में लोबान जलाने से व्यक्ति को और भी कई लाभ मिल सकते हैं।

बनी रहेगी सुख-शांति

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के घर में नकारात्मक ऊर्जा व्याप्त हो गई है, तो ऐसे में उसे घर में लोबान जलाने से काफी लाभ मिल सकता है। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है, जिससे व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

मिलता है शनि दोष से छुटकारा

यह भी माना गया है कि घर में लोबान जलाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और जातक को कुंडली में शनि दोष की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। इसके साथ ही लोबान जलाने से वास्तु दोष से भी छुटकारा मिल सकता है।

बुरी नजर के उपाय

यदि आपके घर में किसी व्यक्ति को बुरी नजर लग गई है, तो इसके लिए लोबान में सरसों का तेल, गूगल और घी आदि मिलाकर जलाएं। ऐसा आपको लगातार 11 दिनों तक करना है। इससे बुरी नजर के प्रभाव से राहत मिल सकती है।

करियर में मिलेगी तरक्की

यदि आप लोबान में गुड़ और गोबर का कंडा डालकर जलाते हैं, तो इससे आपके कार्यक्षेत्र में मौजूद नकारात्मकता दूर होती है। जिससे व्यक्ति के लिए सफलता के रास्ते खुलते हैं। साथ ही इससे व्यक्ति की आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलता है।

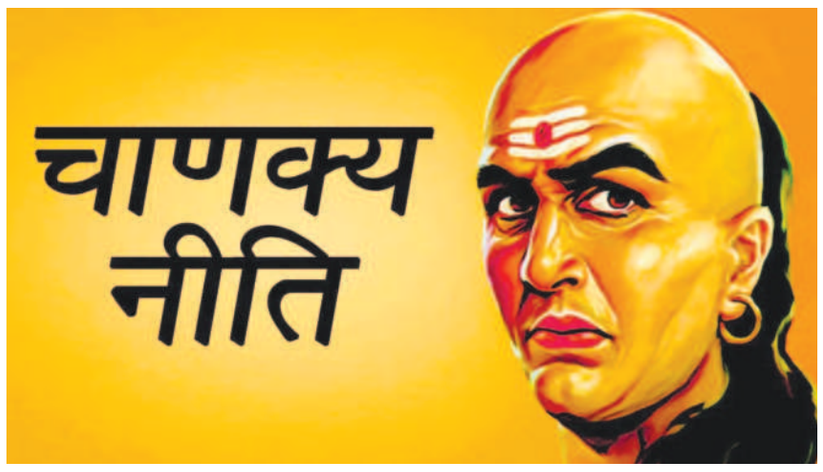

इन लोगों से दोस्ती कर के पटकेंगे अपना सिर

चाणक्य ने बताई अपनी नीति में ये बात

आचार्य चाणक्य की नीतियों में ज्ञान का अद्भुत प्रकाश, जीवन की सफलता का रहस्य और मानव हित से जुड़ी बहुत सी खास बाते हैं। जो लोग चाणक्य की नीति का पालन करते हैं वह कहीं न कहीं अच्छे मुकाम तक पहुंचे हैं। आज के समय में भी लोग चाणक्य की प्रत्येक नीति के बारे में जानने के लिए उतावले रहते हैं। चाणक्य कि जिस नीति की आज हम आपसे बात करने जा रहे हैं उसमे उन्होंने दुष्ट व्यक्ति के साथ कुशल व्यवहार करने, दोस्ती करने और उन्हें सही सलाह देने को व्यर्थ बताया है। आखिर उन्होंने ने ऐसा क्यों कहा है आइए जानते हैं इस पर उनकी नीति क्या कहती है।

चाणक्य की नीति इस प्रकार से-

न दुर्जनः साधुदशामुपैति बहुप्रकारैरपि शिक्ष्यमाणः।
आमूलसिक्तः पयसा घृतेन न निम्बवृक्षो मधुरत्वमेति ।।

दुष्ट व्यक्ति की तुलनी की नीम के पेड़ से

चाणक्य के इस श्लोक में वह अपनी नीति के माध्यम से कहते हैं कि यह बात सत्य है कि दुष्ट व्यक्ति को कितनी बार भी आप समझा लें। वह बार-बार पाप कर्म ही करेगा और एक भी सज्जन व्यक्ति के समान काम नहीं करेगा। जिस प्रकार आप नीम के पेड़ को दूध और घी से कितनी बार भी सींच लें।

उस वृक्ष की पत्तियां फिर भी कड़वी ही रहती हैं। उनमें कोई बदलाव नहीं दिखता और मिठास की उम्मीद लगाने से वह अंतिम समय में दुःख ही देती हैं। ठीक उसी प्रकार दुष्ट व्यक्ति के लिए आप कितना भी अच्छा कर लें। वह अपने पाप गुण नहीं त्यागता है और अंत में यही लोग दुःख का कारण बन जाते हैं।

इनकी दोस्ती पड़ेगा भारी

आचार्य चाणक्य अपनी इस नीति में यही बता रहे हैं कि अनेक बार भी दुष्ट व्यक्ति के साथ अच्छा व्यवहार करने के बावजूद भी वह सज्जन नहीं बन सकता। ऐसे व्यक्ति से किसी नेक कार्य की उम्मीद लगाए बैठना कष्टकारी है। दुष्ट प्राणियों को उन्हीं के हाल पर छोड़ देना चाहिए क्योंकि उनमें हमेशा दोष भरे गुण ही मिलेंगे। उनसे उम्मीद लगाए बैठना खुद को घोर संकट में डालने जैसा है और अंत में स्वयं को पछतावे के सिवा कुछ भी हासिल नहीं होगा। इसलिए बहतर है कि समय मिलते ही उनसे दूरी बना लें, नहीं तो उनके द्वार आपको भी मुसीबत झेलनी पड़ सकती है और उनको सही राह दिखाने में आपका कीमती समय भी व्यर्थ होगा। आचार्य चाणक्य कहते हैं न तो इनकी संकत अच्छी होती है न ही इनकी दोस्ती।

संजीवनी बूटी ले जाते समय

हनुमान जी को लगा था तीर अयोध्या में गिरे थे इस जगह पर

यह तो आप सभी जानते हैं कि हनुमान जी प्रभु राम के परम दूत हैं और सदैव उनकी सेवा में तत्पर रहते हैं। रामायण में मेघनाथ से युद्ध के दौरान जब लक्ष्मण जी को शक्ति बाण लगा था। तो वह मूर्छित होकर गिर पड़े थे और उनके प्राण संकट में आ गए थे। तब हनुमान जी सुषेण वेद्य द्वारा बताई गई संजीवनी बूटी लेने गए थे। बजरंगबली जब संजीवनी बूटी लेकर लौट रहे थे तब वह अयोध्या के ऊपर आकाश मार्ग से उड़ते हुए जा रहे थे। तभी उनके ऊपर पर बाण से प्रहार हुआ और वो वहीं गिर पड़े। यह बाण उनको क्यों लगा और किसने चलाया था। इस बात का वर्णन रामचरितमान में तुलसीदास जी ने किया है।

अयोध्या में बाण लगते ही गिरे थे हनुमान

देखा भरत बिसाल अति निसिचर मन अनुमानि।
बिनु फर सायक मारेउ चाप श्रवन लगि तानि

अयोध्या से भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास जाने के बाद उनके भाई भरत ने अयोध्या का राजपाट श्री राम की अनुमति से संचालित किए रखा था। भगवान राम के वनवास काल के दौरान अयोध्या का राज भरत जी ने 14 वर्षों तक नंदीग्राम से एक तपस्वी की भाती संचालित किया था। बजरंगबली जब लक्ष्मण जी के लिए संजीवनी बूटी लेकर वापस लौट रहे थे तो वह अयोध्या के ऊपर से उड़ते हुए जा रहे थे। भरत उस दौरान नंदीग्राम में अपनी तपस्या में लीन थे। रात का समय होने के कारण दूर से वह स्पष्ट देख न सके और हनुमान जी को राक्षस समझ बैठे। उन्हें संदेह हुआ कि यह कोई राक्षस है। जो अयोध्या पर आक्रमण करने की योजना बना रहा है। उन्होंने तुरंत धनुष बाण चला दिया और वह हनुमान जी को जा लगा। इस बात का वर्णन तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में किया है।

परेउ मुरुछि महि लागत सायक। सुमिरत राम राम रघुनायक।
सुनि प्रिय बचन भरत तब धाए। कपि समीप अति आतुर आए॥

लक्ष्मण जी के बाण लगते ही हनुमान जी अयोध्या स्थित नंदीग्राम में मूर्छित होकर गिर पड़े। जैसे ही वह गिरे उन्होंने अपने आराध्या श्री राम का नाम लेना शुरू कर दिया। राम का नाम सुनेत ही भरत जी को लगा यह राक्षस नहीं बल्कि कोई राम सेवक है। वह हनुमान जी के पास दौड़े चले आए।

बिकल बिलोकि कीस उर लावा। जागत नहिं बहु भांति जगावा।
मुख मलीन मन भए दुखारी। कहत बचन भरि लोचन बारी॥

भरत जी में तप से बहुत तेज उत्पन्न हो गया था और बाण का प्रहार इतना था कि हनुमान जी को कई बार जगाने पर भी वह नहीं जागे। तब भरत जी ने कहा यदि राम के प्रति मेरी आस्था निष्कपट है और उनकी कृपा मुझ पर है। तो मूर्छित पड़े हुए इस राम सेवक की पीड़ा शीघ्र ही दूर हो जाए।

तब हनुमान जी तुरंत उठ बैठे।
उठने के बाद पहुंचे संजीवनी बूटी लेकर॥

हनुमान जी ने भरत जी को सारा वृतांत बताया। तब भरत जी को यह जानकर ग्लानी हुए और उन्होंने हनुमान जी से क्षमा मांगी। इसके बाद भरत जी पवन पुत्र से कहते हैं, आप कहें तो मैं इसी बाण से आपको अभी लक्ष्मण जी तक भेज सकता हूं। हनुमान जी ने भरत जी की सहायता न लेते हुए उन्हें प्रणाम किया और उनकी अनुमति लेकर वहां से लक्ष्मण जी के पास संजीवनी बूटी का पहाड़ लेकर चल दिए।

भरत कुंड (नंदीग्राम), अयोध्या में यहीं हुआ था भरत मिलाप

अयोध्या के लिए जो भक्त दर्शन करने आते हैं। वह भरत कुंड नंदीग्राम अवश्य जाते हैं। नंदीग्राम अयोध्या से लगभग 15 से 20 किलोमीटर की दूरी पर है। यह वही जगह है जहां से भरत जी ने भगवान राम के 14 वर्ष वनवास काल के दौरान अयोध्या का राजपाट उनकी खड़ाऊ को सिंहासन पर रख कर चलाया था। भगवान राम जब वनवास से लौटे थे तो सबसे पहले भरत जी से यहीं मिले थे। यही है भरत मिलाप स्थान। यहां भरत जी की एक प्राचीन गुफा है और भगवान राम और मां जानकी का मंदिर भी है। यहां जो भी भक्त सच्चे मन से दर्शन करने आते हैं। उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। लोक मान्यता के अनुसार यहां भरत जी ने निरंतर 14 वर्षों तक राम वियोग में तप किया थी। यहां का वातावरण आज भी बहुत सकारात्मक है। यहीं पर हनुमान जी का एक मंदिर भी है जहां वह मूर्छित हो कर भरत जी के बाण से गिरे थे। इसके अलावा यहां एक कुआं भी है जिसमें भरत जी ने 27 तीर्थों का पवित्र जल डाला था। जिसे यहां आने वाले भक्त प्रसाद रूप में ग्रहण करते हैं।

मालदीव क्राइसिस पर अमिताभ बच्चन ने ली चुटकी? कहा, 'अब पछताए होत क्या...'

बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहते हैं। सदी के महानायक उन फिल्मी सितारों में से एक हैं जिन्होने सबसे पहले बीते दिनों चल रहे मालदीव विवाद पर भारत का समर्थन किया था। जिसके बाद कई फिल्मी सितारे भी साथ आए और मालदीव विवाद पर भारत का समर्थन किया था। भारत के विरुद्ध जाकर मालदीव के नेताओं का बयान अब उल्टे उन पर ही भारी पड़ा है। जिसके बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भरता का हवाला देते हुए भारत के आयरलैंड लक्षद्वीप पहुंचकर पूरी दुनिया की निगाहें यहां खींच ली थी। भारतीय आयरलैंड की सुंदरता हर किसी को मंत्रमुग्ध कर गईं। जिसके बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस खूबसूरत जगह को टूरिज्म के लिए प्रमोट करने का आह्वाहन किया है।

मालदीव संकट पर अमिताभ बच्चन ने लिए मजे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कदम से भारतीय पर्यटकों ने मालदीव की बुकिंग कैंसिल करवानी शुरू कर दी। जिसके बाद मालदीव सरकार को करारा झटका लगा।

मालदीव सरकार ने आनन-फानन में कदम उठाते हुए भारत का विरोध करने वाले 3 मंत्रियों को सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद स्थिति को संभालने के लिए अगला कदम उठाते हुए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू तुरंत चीन की यात्रा पर निकल गए। राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू ने चीन पहुंचकर यहां के लोगों को मालदीव यात्रा पर आने के लिए प्रेरित किया। डैमेज कंट्रोल मूड में आए अब मालदीव के राष्ट्रपति के इन कदमों के बीच सुपरस्टार अमिताभ बच्चन ने एक क्रिप्टिक ट्वीट किया है।

अमिताभ बच्चन ने क्या मालदीव पर साधा निशाना?

सुपरस्टार अमिताभ बच्चन ने इन घटनाक्रमों के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर एक ट्वीट कर लिखा- अब पछताए होत क्या, जब चिड़ियाँ चुग गयीं खेत अमिताभ बच्चन का ये ट्वीट एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में आते ही छा गया। अमिताभ बच्चन के इस ट्वीट पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

मालदीव घूमने को लेकर ट्रोल हुई थीं बिपाशा बसु

इस बीच बता दें कि बीते दिनों अदाकारा बिपाशा बसु बीते दिनों अपने बर्थडे का जश्न मनाने मालदीव गई हुई थीं। उनकी इस यात्रा के बीच ही ये विवाद उठ खड़ा हुआ था। इस दौरान अदाकारा बिपाशा बसु ने अपने बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। जिसकी वजह से वो ट्रोल के निशाने पर आ गई थीं।

ऋतिक रोशन के फैंस को 'फाइटर' के निर्माताओं का बड़ा तोहफा

अभिनेता ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'फाइटर' को लेकर चर्चा में हैं। ऋतिक आज अपना 50वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर हर कोई उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहा है। ऋतिक के जन्मदिन के मौके पर फाइटर के मेकर्स ने एक विशेष वीडियो जारी किया है। उनके जन्मदिन पर यह वीडियो ऋतिक के फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है।

ऋतिक रोशन के जन्मदिन पर फाइटर के मेकर्स ने जो वीडियो जारी किया गया है, वह फिल्म के सेट का है। इस वीडियो में ऋतिक रोशन की पूरी फाइटर जर्नी देखने को मिल रही है। वीडियो में उनके फिल्म से जुड़े कठोर प्रयासों और तेजतर्रार उपस्थिति को देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस को अभिनेता का यह वीडियो खूब पसंद आ रहा है।

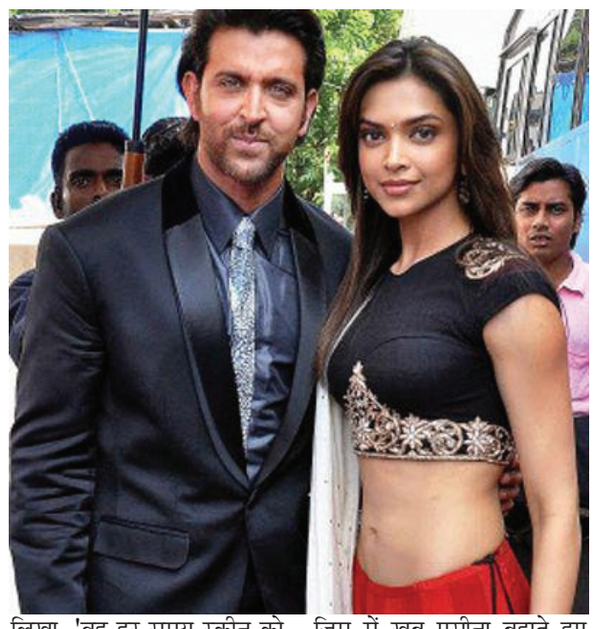

मेकर्स ने वीडियो साझा कर लिखा, 'वह हर समय स्क्रीन को रोशन कर देते हैं। उनकी शैली, करिश्मा और तेजतर्रार उपस्थिति की कोई भी सीमा नहीं है। हैप्पी बर्थडे पैटी, ऋतिक रोशन।' वीडियो में ऋतिक फाइटर के लिए जिम में खूब पसीना बहाते हुए नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने फिल्म के लिए कड़ी मेहनत की हैं। इसके अलावा फिल्म के सेट से शूटिंग सीन, डांस रिहर्सल, ऋतिक के चलने का स्टाइल काफी कुछ वीडियो में देखने को मिल रहा है।

सोशल मीडिया पर फैंस कमेंट कर ऋतिक रोशन के इस वीडियो पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। इससे पहले फाइटर के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने ऋतिक के जन्मदिन पर पोस्ट साझा कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक धन्यवाद नोट लिखकर अपने करियर के 10 वर्षों को याद किया।

फाइटर में ऋतिक रोशन के साथ दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में पहली बार ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण पर्दे पर रोमांस करते हुए दिखाई देंगे। दोनों सितारे एयरफोर्स अधिकारी पैटी और मिन्नी के रूप में अभिनय करेंगे, मिशन पर उतरेंगे और अपने-अपने विमानों के साथ हाई-ऑक्टेन स्टंट करेंगे। यह फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शाहिद और कृति की नई फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया'

बॉलीवुड इंडस्ट्री के फिल्म निर्माता इन दिनों नई जोड़ियों पर दांव लगा रहे हैं। इसी कड़ी में शाहिद कपूर और कृति सेनन की जोड़ी भी जल्द स्क्रीन पर आग लगाते हुए नजर आएगी। दर्शकों को इनकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। आज बुधवार, 10 जनवरी को फिल्म के निर्माताओं ने एक नया पोस्टर जारी किया है। इसी के साथ ही लंबे इंतजार के बाद फिल्म का टाइलट भी जारी कर दिया गया है। शाहिद-कृति की इस फिल्म का नाम 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' है।

इस दिन पर्दे पर रोमांस करते दिखेंगे शाहिद-कृति

शाहिद कपूर और कृति सेनन की एक असंभव प्रेम कहानी के साथ पर्दे

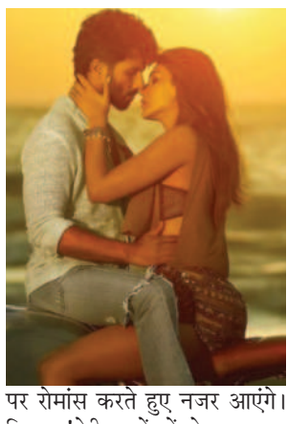

पर रोमांस करते हुए नजर आएंगे। फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' इसी साल फरवरी में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वैलेंटाइन के मौके पर इनकी जोड़ी पर्दे पर धमाल मचाएगी। यह फिल्म 9 फरवरी, 2024 को रिलीज होगी। फिल्म के नए पोस्ट में शाहिद और कृति रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। ये दोनों बॉलीवुड के पसंदीदा स्टार्स में से एक हैं। दोनों पहली दफा किसी रॉम-कॉम में स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं।

'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' सिनेमाघरों में 9 फरवरी, 2024 एक मैडॉक फिल्म्स प्रोडक्शन।' शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर इस फिल्म का दर्शकों को लंबे वक्त से इंतजार है। फिल्म शुरुआत से ही बिना टाइटल के चर्चाओं में रही है।

फिल्म में रोबोट से प्यार कर बैठेंगे शाहिद

शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर इस फिल्म को लेकर यह भी दावा किया जा रहा है कि इसमें जोरदार डांस नंबर और रोमांटिक गाना भी होगा, जिससे दर्शकों को बांधने की पूरी कोशिश की जाएगी। आगामी फिल्म एक अनोखा सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। इस मूवी में अभिनेता एक वैज्ञानिक की भूमिका में हैं, जिसे रोबोट से प्यार हो जाता है, जो उसकी अपनी रचना है। फिल्म में कृति सेनन एक रोबोट के किरदार में हैं। फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' अमित जोशी और आराधना साह द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म को दिनेश विजन, ज्योति देशपांडे और लक्ष्मण उतेकर ने प्रोड्यूस किया है।

बेटी के ससुराल वालों की तारीफ करती नजर आईं अंकिता लोखंडे की मां

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' में हो रहे ड्रामे रुकने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। शो जैसे-जैसे अपने अंत की ओर बढ़ रहा है, हर दिन घर में एक नया बवाल शुरू होता दिखाई दे रहा है। इस सप्ताह बिग बॉस ने प्रतिभागियों के घरवालों को अपने घर में आने का मौका दिया है और इन घरवालों के आने से जहां बिग बॉस हाउस का माहौल बदला है, वहीं कई नए झगड़ों का श्री गणेश होता दिखाई दे रहा है। इन झगड़ों का असर अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के रिश्तों पर सबसे ज्यादा पड़ रहा है। अंकिता लोखंडे की मां वंदना लोखंडे ने मीडिया से इसी टॉपिक पर खुलकर बात की।

बेटी-दामाद के बीच सब बढ़िया है

वंदना लोखंडे बेटी और दामाद को समझाकर अब बिग बॉस के घर से बाहर आ चुकी हैं। उन्होंने मीडिया से बातें करते हुए कहा, 'अंकिता और विक्की के बीच में सब सही है। उनके बीच जो झगड़े होते हैं वह सिर्फ नोक-झोंक भर है। बेटी दामाद एक-दूसरे के साथ खुश हैं।' वंदना लोखंडे ने यह भी कहा कि अंकिता उनकी बेटी हैं और थोड़ी हाइपर हैं। ये बात वे बखूबी समझती हैं।

अंकिता के ससुराल वाले अच्छे हैं

अंकिता की सास यानि विक्की जैन की मां के व्यवहार के बारे में पूछे जाने पर वंदना लोखंडे कहती हैं, 'कोई भी मां-बाप अपने बेटे को रोता देखते तो शायद यही करते, जो विक्की के मां-पापा ने किया। वो लोग अच्छे हैं और मेरी बेटी से बेहद प्यार करते हैं।' सोशल मीडिया पर इन दिनों विक्की की मां को काफी ट्रोल किया जा रहा है, उनके रुखे अंदाज के लिए। कुछ लोगों को अंकिता की सास ललिता पवार सी लगती हैं, लेकिन अंकिता की मां इन बातों से सहमति नहीं रखती हैं।

साधारण पहनावे को लेकर सचेत रहते हैं विजय सेतुपति, इंटरव्यू में किया खुलासा

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार विजय सेतुपति इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेरी क्रिसमस' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में विजय, कटरीना कैफ के साथ स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। दोनों स्टार्स इन दिनों फिल्म का प्रमोशन करने में लगे हुए हैं। हाल ही में, एक बातचीत के दौरान विजय ने अपने पहनावे के बारे में बात की। इसके अलावा अभिनेता ने दर्शकों से मिल रही सराहना के लिए धन्यवाद कहा।

बॉलीवुड में प्रशंसकों से मिल रहा प्यार

बॉलीवुड में दर्शकों के जरिए सराहना मिलने पर अभिनेता ने कहा, 'मुझे दर्शकों से जो प्यार मिल रहा है, उससे मुझे लग रहा है कि मैं सही दिशा में चल रहा हूं।' अभिनेता ने प्रशंसक को लेकर कहा, 'प्रशंसक का प्यार बहुत सच्चा होता है। प्रशंसकों से प्यार पाना एक एनर्जी ड्रिंक की तरह है, जब लोग आपसे प्यार करते हैं, तो इससे पता चलता है कि आपका काम लोगों तक पहुंचा है और उन्हें आपका काम वाकई पसंद आया है। इससे मुझे हमेशा ऊर्जा मिलती है।' अभिनेता ने आगे कहा, 'जब मैंने पहली बार मुंबई आना शुरू किया था, तो

मुझे बहुत कम लोग जानते थे। आज की बात करें, तो लोग मुझसे मेरी फिल्मों और भूमिकाओं के बारे में बात करने आते हैं, जिससे मुझे बहुत खुशी होती है। अभिनेता होने के नाते हम चाहते हैं कि दर्शक हमें पसंद करें।'

अपने पहनावे को लेकर रहते हैं सचेत

विजय इवेंट्स में अपने साधारण पहनावे को लेकर चर्चा में रहते हैं। अभिनेता ने कहा, 'मैं अपने पहनावे को लेकर हमेशा सावधान रहता हूं। हालांकि, मैं वही पहनने में विश्वास करता हूं, जिसमें मैं सहज हूं।' उन्होंने लोगों की प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा, 'कभी-कभी कुछ लोग कहते हैं कि मैं दिखावा कर रहा हूं, कभी-कभी वे कहते हैं कि मैं बहुत सरल हूं। चप्पल पहनने पर वे मुझे कहते हैं कि ऐसे साधारण दिखना का क्या मतलब। इन बातों की वजह से मैं कभी-कभी सचेत भी रहता हूं। हालांकि, 'मेरे फैंस मुझे साधारण पहनावे में ही पसंद करते हैं। मैं अपने फैंस को धन्यवाद देना चाहता हूं।'

फिल्में दर्शकों को आनी चाहिए पसंद

बॉलीवुड में काम करने पर उन्होंने कहा, 'मैं अपने बॉलीवुड करियर में एक समय में एक ही फिल्म पर ध्यान दे रहा हूं। अभी मेरी कोई योजना भी नहीं है। मैं सिर्फ यही चाहता हूं कि मैं जो भी फिल्में करूं वह बिजनेस करें, तभी निर्माता मेरे पास आएंगे। अगर मुझे अच्छी कहानी मिलती है, तो मैं जरूर काम करूंगा।'

सफल अभिनेत्री, निर्माता के बाद निर्देशक बनेंगी कृति सेनन?

कृति सेनन का नाम बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में शुमार है। बीते वर्ष कृति ने फिल्म 'मिमी' में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किया। अब वह अपनी आगामी फिल्म 'दो पत्ती' के साथ निर्माता बन गई हैं। इसी बीच यह सवाल उठता है कि क्या कृति आगे चलकर निर्देशन में भी अपना हाथ आजमाएंगी। इस सवाल का जवाब खुद अभिनेत्री ने दिया है।

कृति सेनन ने हालिया इंटरव्यू में निर्देशक बनने के बारे में बात की। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि फिलहाल वह निर्देशक की कुर्सी पर बैठने की नहीं सोच रही हैं। कृति ने कहा, 'मुझे कैमरे के सामने रहना बहुत पसंद है। एक निर्देशक का काम कहीं अधिक कठिन होता है, और आपको उस एक प्रोजेक्ट के साथ बहुत लंबे समय तक रहना होता है। मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर सकती हूं।'

कृति सेनन ने आगे कहा कि 'मिमी' में उन्हें निर्देशित करने वाले लक्ष्मण उतेकर ने उनसे कहा था कि वह एक दिन एक फिल्म का निर्देशन करेंगी। हालांकि, वह इस पर विश्वास नहीं करतीं। अभिनेत्री ने बातचीत में जोड़ा, 'लक्ष्मण उतेकर सर मुझसे कहते थे कि मैं किसी दिन निर्देशन करूंगी, लेकिन मैं उनसे कहती रहती थी कि मैं सिर्फ एक अभिनेत्री बनकर ही खुश हूं। फिलहाल, मैं एक निर्माता के रूप में अपने रचनात्मक पक्ष का दोहन कर रही हूं।'

कृति सेनन ने बतौर निर्माता अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, 'मुझे आम तौर पर संगीत पसंद है और मुझे एक निर्माता के रूप में शामिल होना पसंद है जो संगीतकारों के साथ जुड़ता है और पता लगाता है कि फिल्म के लिए क्या सही है। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं एक बच्ची हूं जिसने शुरुआत कर दी है, और उसे बहुत कुछ सीखना है।'

एक दशक से मनोरंजन जगत में सक्रिय कृति सेनन ने निर्माता बनने की खुशी जाहिर की। जिज्ञासा से प्रेरित अभिनेत्री को फिल्म निर्माण के हर पहलू में गहरी दिलचस्पी है, वह अक्सर अपने किरदार के दृष्टिकोण से परे दृश्यों पर विचार करती हैं।' काम के मोर्चे पर, अभिनेत्री कृति सेनन अपनी आगामी फिल्म 'द क्रू' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में उनके अलावा करीना कपूर और तब्बू भी मुख्य भूमिका में हैं।

अगली फिल्म 'छावा' के लिए खूब पसीना बहा रहे विक्की कौशल

विक्की कौशल बॉलीवुड के चर्चित एक्टर हैं। फिल्मों में अपने किरदार वे बड़े शानदार तरीके से अदा करते हैं। बीते वर्ष दिसंबर में उनकी फिल्म 'सैम बहादुर' रिलीज हुई। देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित इस फिल्म में विक्की की अदाकारी का हर कोई मुरीद हो गया। सैम मानेकशॉ का किरदार उन्होंने जीवंत कर दिया। एक्टर अब अपनी अगली फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं। इसके लिए वे जिम में जमकर पसीना बहा रहे हैं। एक्टर की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है कि किरदार में ढलने के लिए वे किस कदर मेहनत कर रहे हैं।

जिम में बहा रहे पसीने

विक्की कौशल की आगामी फिल्म 'छावा' है। ये एक पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें अभिनेता छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका अदा करेंगे। हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से विक्की ने अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इसमें वह वर्कआउट करते दिख रहे हैं। एक्टर वेट लिफ्टिंग करते दिख रहे हैं और वर्कआउट गोल्स पूरे करते नजर आ रहे हैं। इसके साथ एक्टर ने कैप्शन लिखा है, 'छावा'।

पहली बार कर रहे पीरियड ड्रामा फिल्म

फिल्म 'छावा' के जरिए विक्की पहली बार पीरियड ड्रामा फिल्म में काम कर रहे हैं। एक्टर अपने किरदार की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। बीते दिनों इंटरव्यू के दौरान इस फिल्म के बारे में बात करते हुए विक्की ने कहा था, 'ये एक पीरियड ड्रामा फिल्म है और मेरे लिए ये पहला मौका है। हम इसे बहुत गंभीरता से बना रहे हैं। इसमें खूब सारा एक्शन है और भरपूर ड्रामा है। इमोशंस से भरपूर ये एक शानदार स्टोरी है'।

रश्मिका मंदाना भी आएंगी नजर

विक्की कौशल ने कहा था कि वे एक्शन हीरो बनना चाहते हैं। फिल्म 'छावा' का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं। विक्की कौशल के अलावा फिल्म में रश्मिका मंदाना भी नजर आएंगी। वे फिल्म में येसुबाई भोंसले का रोल अदा करती दिखेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय खन्ना औरंगजेब के रोल में नजर आ सकते हैं। इनके अलावा आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता और प्रदीप सिंह रावत जैसे सितारे भी फिल्म का हिस्सा होंगे।

कैसे पहुंचे लक्षद्वीप? जानिए जहाज टिकट से लेकर होटल के किराए तक का खर्च

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए साल पर लक्षद्वीप गए थे, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद से लक्षद्वीप चर्चित पर्यटन स्थल बन गया है। भारतीय ही नहीं विदेशी पर्यटक भी लक्षद्वीप घूमने में रूचि दिखा रहे हैं। कई भारतीय सेलेब्स ने भी लक्षद्वीप जाने के लिए फैंस को प्रोत्साहित किया और खुद भी लक्षद्वीप घूमने की योजना बना रहे हैं।

खूबसूरती के लिहाज से लक्षद्वीप मालदीव को टक्कर दे रहा है। यहां के सुंदर समुद्री तट पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं तो वहीं वॉटर स्पोर्ट्स और अन्य रोमांचक एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं। हालांकि आम व्यक्ति जो पीएम मोदी की तस्वीर देखकर लक्षद्वीप की सुंदरता को करीब से देखना चाहता है, वह जरूर जानना चाहेगा कि लक्षद्वीप कैसे जाएं, यहां कितने दिन की छुट्टी मनाई जा सकती है और लक्षद्वीप में ठहरने का खर्च कितना आएगा। आइए जानते हैं लक्षद्वीप यात्रा से जुड़ी जरूरी जानकारियां।

कैसे पहुंचे लक्षद्वीप

लक्षद्वीप जाने के दो तरीके हैं। पहला हवाई मार्ग और दूसरा जल मार्ग।

लक्षद्वीप के लिए फ्लाइट

हवाई मार्ग के जरिए लक्षद्वीप जाना चाहते हैं तो सबसे करीब एयरपोर्ट कोच्चि का अगत्ती एयरपोर्ट है। यह लक्षद्वीप जाने का एकमात्र एयरपोर्ट है। देश के किसी भी कोने से आप अगत्ती के लिए फ्लाइट बुक कर लें। एयरपोर्ट से नाव या हेलीकॉप्टर के जरिए अन्य द्वीपों की सैर कर सकते हैं।

लक्षद्वीप की जहाज से यात्रा

कोच्चि से लक्षद्वीप तक एमवी करावती, अरेबियन सी, लक्षद्वीप सी, लगून कोरल्स, अमिंद्रिवी और एमवी मिनिकॉय जहाज चलते हैं। यह 14-18 घंटे में लक्षद्वीप पहुंचा देते हैं। इसके अलावा आप लक्षद्वीप फेयरी से भी जा सकते हैं। बेंगलुरु से एर्नाकुलम तक बस से पहुंचें। यहां से टैक्सी लेकर विलिंगटन आईलैंड जाएं और फिर फेयरी से लक्षद्वीप की राजधानी करावत्ती का सफर कर सकते हैं।

लक्षद्वीप का फ्लाइट टिकट

कई एयरलाइन कंपनियां लक्षद्वीप के लिए सीधी फ्लाइट सुविधा दे रही हैं। दिल्ली से लक्षद्वीप के फ्लाइट का किराया मात्र 10 हजार रुपए (एक तरफ) से शुरू होता है। कोच्चि से अगत्ती के लिए 90 मिनट की उड़ान है, जिसका किराया 5500 से 6500 रुपये है। बेंगलुरु से कोच्चि होते हुए फ्लाइट है, जिसका एक तरफ का किराया लगभग साढ़े सात हजार रुपये है।

लक्षद्वीप के लिए शिप का किराया लगभग 4 से 8 हजार रुपये है। अगर आप जहाज से पांच दिन का लक्षद्वीप टूर पैकेज बुक करते हैं तो मुंबई से लक्षद्वीप वाया कोच्चि ट्रिप का किराया 39 हजार से 1.13 लाख रुपये प्रति व्यक्ति हो सकता है।

लक्षद्वीप में होटलों का किराया

लक्षद्वीप में ठहरने के लिए पहले से होटल में बुकिंग कराकर ही जाएं। पूरे लक्षद्वीप में सिर्फ 184 बेड की कैपेसिटी है, इसलिए होटलों में कमरे मिलने में असुविधा हो सकती है। लक्षद्वीप की सैर के लिए जाना चाहते हैं तो सफर का खर्च प्रति व्यक्ति 30 से 35 हजार रुपये तक आ सकता है।

सिर्फ वजन बढ़ना ही नहीं, थायरॉइड विकारों के कारण हो सकती हैं और भी कई समस्याएं

पिछले एक दशक में वैश्विक स्तर पर बढ़ने वाली स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर डालें तो पता चलता है कि डायबिटीज, हार्ट की बीमारियों के साथ थायरॉइड की समस्या भी तेजी से बढ़ी है। थायरॉइड ग्रंथि में होने वाली समस्याओं कारण आपको कई प्रकार की दिक्कतें हो सकती हैं। थायरॉइड विकारों की समस्या किसी को भी हो सकती है, यहां तक कि शिशुओं में भी इस विकार का खतरा देखा जाता रहा है। इसलिए इन विकारों के बारे में जानना और समय पर इनका उपचार किया जाना जरूरी हो जाता है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती थायरॉइड की समस्याओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और बचाव को लेकर लोगों को अलर्ट करने के उद्देश्य से साल के पहले महीने- जनवरी को 'थायरॉइड अवेयरनेस मंथ' के रूप में मनाया जाता है।

आमतौर पर वजन बढ़ने या मोटापे को थायरॉइड की समस्या मान लिया जाता है पर इसके अलावा भी कई अन्य लक्षणों पर ध्यान देना और बचाव के उपाय करना बहुत आवश्यक हो जाता है।

क्या है थायरॉइड विकार?

थायरॉइड के लक्षणों के बारे में जानने से पहले इस विकार के बारे में समझना जरूरी है। थायरॉइड ग्रंथि एक छोटा सा अंग होता है जो गर्दन के सामने स्थित होता है, ये श्वासनली (ट्रेकिआ) के चारों ओर लिपटा जैसा होता है। अन्य ग्रंथियों की ही तरह से थायरॉइड ग्रंथि भी हार्मोन्स रिलीज करती हैं, जो आपके शरीर को विशिष्ट कार्य करने में मदद करती हैं। जब थायरॉइड ग्रंथि ठीक से काम नहीं करती है, तो इससे पूरा शरीर प्रभावित हो सकता है। यदि आपका शरीर बहुत अधिक थायरॉइड हार्मोन बनाता है, तो इसके कारण हाइपरथायरायडिज्म की समस्या हो सकती है वहीं कम थायरॉइड हार्मोन बनता है, तो इसे हाइपोथायरायडिज्म कहा जाता है। दोनों स्थितियां गंभीर हैं।

थायरॉइड में वजन बढ़ने की समस्या

थायरॉइड की स्थिति को अक्सर मोटापे से जोड़कर देखा जाता रहा है, पर वजन बढ़ने की समस्या सिर्फ हाइपोथायरायडिज्म में होती है। शरीर जब थायरॉइड हार्मोन कम बनाता है तो इसके कारण मेटाबॉलिक रेट में भी समस्या आने लगती है। इसके कारण बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) बढ़ने और मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। पर इसका उल्टा अगर किसी को हाइपरथायरायडिज्म की दिक्कत है तो इसके कारण आपका वजन बहुत कम हो सकता है।

थायरॉइड के इन लक्षणों को भी जानिए

हाइपोथायरॉइडिज्म और हाइपरथायरायडिज्म के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं जिनपर ध्यान देते रहना आवश्यक होता है।

अतिसक्रिय थायरॉइड (हाइपरथायरायडिज्म) की स्थिति में इस तरह की दिक्कतें हो सकती हैं।

चिंता, चिड़चिड़ापन और घबराहट का अनुभव होना।

सोने में परेशानी होना।

वजन घटना, मांसपेशियों की कमी।

मांसपेशियों में कमजोरी और कंपन होना।

अनियमित मासिक धर्म या मासिक धर्म चक्र रुक जाना।

गर्मी के प्रति संवेदनशील महसूस होना।

दृष्टि संबंधी समस्याएं या आंखों में जलन होना।

निष्क्रिय थायरॉयड (हाइपोथायरायडिज्म) के लक्षण

थकावट-कमजोरी महसूस होना।

वजन बढ़ने की समस्या।

बार-बार चीजों को भूलने की समस्या।

भारी मासिक धर्म होना।

बालों में रूखापन बढ़ना।

कर्कश आवाज और ठंड के प्रति असहिष्णुता बढ़ना।

दवाओं से मिल सकता है लाभ

डॉक्टर कहते हैं, थायरॉइड विकारों का इलाज किया जा सकता है। समय पर सही उपचार मिल जाने से शारीरिक समस्याओं को बढ़ने से रोकने में मदद मिल सकती है। थायरॉइड हार्मोन के स्तर को सामान्य पर वापस लाने में दवाइयों से मदद मिल सकती है। इसलिए जरूर है कि समय पर लक्षणों का सही निदान हो और उपचार मिले।

बढ़ते संक्रमण का ऐसे लोगों में जोखिम अधिक, बचाव के लिए शुरू कर दें इम्युनिटी बढ़ाने वाले ये तीन उपाय

कोरोनावायरस के कारण भारत ही नहीं दुनिया के कई देशों में संक्रमण का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। नए JN.1 सब-वैरिएंट के कारण किसी आबादी में तेजी से वायरस के प्रसार होने का जोखिम हो सकता है। इसके अलावा ये नया वैरिएंट आसानी से शरीर में बनी प्रतिरोधक क्षमता को चकमा देकर लोगों में संक्रमण के जोखिमों को बढ़ाने वाला हो सकता है, ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को कोरोना से बचाव को लेकर एक बार फिर से गंभीरता बरतने की सलाह दे रहे हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं अब तक के शोध में पाया गया है कि इस नए वैरिएंट से संक्रमण का

शिकार वैसे तो कोई भी हो सकता है, पर गंभीर रोग विकसित होने का जोखिम उन्हीं लोगों में अधिक है जिनको पहले से या तो कोमोरबिडिटी की शिकायत रही है या फिर इम्युनिटी कमजोर है। ऐसे में एक बार फिर से कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर (मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, हाथों की स्वच्छता) का पालन करने के साथ-साथ सभी लोगों को इम्युनिटी को मजबूती देने वाले उपाय करना बहुत आवश्यक हो गया है।

इम्युनिटी को बनाएं मजबूत

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इम्युनिटी को मजबूत बनाना एक सतत प्रक्रिया है, यानी ये काम किसी दवा से या रातों-रात नहीं हो सकता है। इसके लिए आपको निरंतर प्रयास करते रहने की आवश्यकता होती है। आहार और दिनचर्या दोनों को ठीक रखना, मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करने के लिए जरूरी है। इसके अलावा कोरोना महामारी के दौरान अपनाए गए उपायों का पालन करना एक बार फिर से शुरू करना होगा।

काढ़ा का सेवन

जड़ी-बूटियों और प्रभावी घरेलू मसालों से तैयार काढ़े का कोरोना के शुरुआती दौर में सभी लोगों ने सेवन किया। ये शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और कई बीमारियों से बचाने में लाभकारी हो सकती है, सर्दियों के इस मौसम में काढ़े का सेवन आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है।

अदरक, 1-2 टुकड़े गुड़, काली मिर्च, अजवाइन के बीज, 3-4 छोटी दालचीनी, 5-6 फूल लौंग, 1-2 इलायची को पानी में उबालें और आधा बचने पर छान कर पीने से लाभ मिल सकता है। इन औषधियों में मौजूद गुणों को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है।

विटामिन सी-डी वाली चीजों का करें सेवन

शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन बहुत जरूरी है। आहार में विटामिन सी-डी वाली चीजों को शामिल करना लाभकारी हो सकता है। खट्टे फलों- नींबू, संतरा, कीवी में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होती है। इसके अलावा पालक, गोभी, सोयाबीन, सेम, मछलियां, अंडों से विटामिन-डी प्राप्त किया जा सकता है। सूर्य की रोशनी विटामिन-डी का सबसे अच्छा स्रोत है। ये दोनों विटामिन इम्युनिटी को मजबूत बनाने में काफी जरूरी हैं।

गुनगुना पानी का सेवन

इम्युनिटी को बढ़ाने के साथ शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सुबह खाली पेट भरपूर मात्रा में गुनगुने पानी का सेवन करने से भी लाभ मिलता है। गर्म पानी भूख बढ़ाता है, अपच-पेट फूलने जैसी समस्याओं को कम करता है, शरीर से विषाक्तता को कम करता है और कुछ प्रकार की बीमारियों जैसे गले में संक्रमण-दर्द, खांसी, नाक बहने में आराम दिलाता है। सर्दियों में गर्म पानी शरीर को स्वस्थ रखने के लिए लाभकारी है।

मकर संक्रांति के दिन तैयार करें तिल की बर्फी, बनाने का तरीका है आसान

हर साल की तरह इस साल भी मकर संक्रांति का त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा। इसकी तैयारी लोगों ने शुरू भी कर दी है। मकर संक्रांति का त्योहार भारत के विभिन्न प्रदेशों में अलग-अलग नाम से जाना जाता है। हर जगह इसकी अलग मान्यता है। ये त्योहार सर्दी के मौसम में आता है, इस वजह से इन सभी त्योहारों में तिल से बनी मिठाइयों का विशेष महत्व होता है।

वैसे तो बाजार में आपको तिल से बनी कई मिठाईयां आसानी से मिल जाती हैं, लेकिन बहुत से लोगों को बाजार की मिठाईयों में मिलावट लगती है। ऐसे में अगर आप चाहें तो घर पर ही तिल की बर्फी बनाकर अपने परिवार वालों को खिला सकती हैं। तिल की बर्फी बनाना बेहद आसान है। इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा चीजों की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। अगर आपको भी तिल की बर्फी खाना पसंद है, तो चलिए आपको इसे बनाने का आसान तरीका बताते हैं।

तिल की बर्फी बनाने के लिए सामान

1 कप तिल
1 कप खोया (मावा)
1/2 कप चीनी
2 टेबलस्पून घी
थोड़ी सी इलायची पाउडर

विधि

तिल की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में तिल को सूखा रोस्ट करें। रोस्ट करते वक्त ध्यान रहे कि ये तिल ज्यादा सुनहरे नहीं होने चाहिए। बस हल्का सा गुलाबी होने के बाद इसे निकाल कर अलग रख लें और ठंडा होने दें।

जब तक तिल ठंडे हो रहे हैं, तब तक एक अलग पैन में खोया (मावा) डालें और उसमें चीनी मिलाएं। इसे कुछ देर चलाएं, ताकि मावा में चीनी अच्छी तरह से मिल जाए। इसके बाद इस पैन में सूखे हुए तिल डालें।

अब मिश्रण में थोड़ा सा पानी डालें और अच्छे से मिलाएं। अब मिलाए हुए मिश्रण को मध्यम आंच पर पकाते रहें, साथ ही साथ थोड़ा सा घी भी डालें।

अब इसे धीरे-धीरे तब तक पकाते रहें, जब तक यह मिश्रण थोड़ा गाढ़ा ना होने लगे। गाढ़ा होने पर इसमें इलायची पाउडर मिलाएं। सबसे आखिर में एक प्लेट में घी लगाकर मिश्रण को निकाल लें और इसे ठंडा होने दें। जब बर्फी ठंडी हो जाए, तो इसे छोटे टुकड़ों में काटकर परोसें।

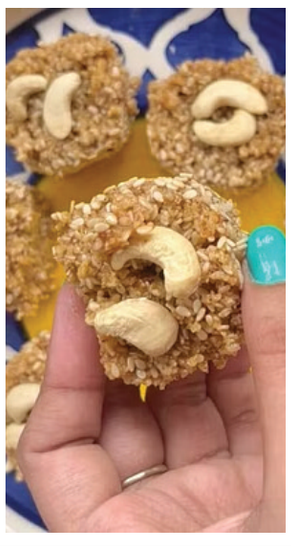

मैरिज सर्टिफिकेट

कहानीं

विवाह की 3 वर्ष उपरांत प्रभा के गर्दन पर एक सफेद दाग आ गया था सुख का संसार चल रहा था। उसमें विघ्न आ गया था। 2 वर्ष की बच्ची थी उसकी गुड़िया खूबसूरत, दिनकर भी एक पिता का प्यार उस पर उड़ेल रहा था।

प्रभावती के गर्दन के ऊपर का दाग स्पष्ट दिखाई नहीं देता था और उसका कारण शायद उसका उसके घने बाल थे अचानक एक दिन दुर्भाग्य से वह दिनकर को दिखाई दिया तब उसने प्रभावती से दूरी बनाना प्रारंभ कर दिया - उसके इनकार करने या हां कहने का किसी प्रकार का प्रश्न ही नहीं था क्योंकि उसको तो वह दिखाई नहीं दे रहा था - असंभव भी था - दिनकर ने अपने मोबाइल पर प्रभावती के गर्दन का फोटो लेकर उसको दिखा दिया। रोज का झगड़ा अपशब्दों का उपयोग- उलाहना - शारीरिक मार-परिणाम हुआ की कोर्ट में डाइवोर्स प्राप्त कर लिया। बच्ची का अधिकार प्रभावती को नहीं दिनकर को मिला था जो नैसर्गिक नियमों के विरुद्ध था।

मां बाप के पास आ गई प्रभावती पढ़ी-लिखी होने के कारण उसे एक कंपनी में नौकरी भी मिल गई तात्पर्य वह मां-बाप को आर्थिक बोझ से दूर ही रखा एक ही संतान् न चाहते हुए प्रभावती के पिता को समझौता करना ही पड़ा था।

उसके कंपनी की कंपाउंड में एक दूसरी कंपनी का कार्यालय था तथा उसमें नरहरि नौकरी करना था- पोस्ट और वेतन अच्छा था। उसकी कहानी में और प्रभावती के कहानी में एक सामानता थी वह भी तलाकशुदा था- और उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार था।

अच्छा व्यक्तित्व-किंतु भाग्य-मध्यमवर्गीय-घर का एक होनहार-किंतु सोबत साथियों की संगत में पड़कर बिगड़ गया था। प्रत्येक बोर्ड की परीक्षा में असफलता उसका पीछा नहीं छोड़ती। इंटर तक की पढ़ाई की थी। अच्छा व्यक्तित्व, शुद्ध अलंकारित भाषा का ज्ञाता तात्पर्य एक कंपनी के ऑफिस में क्लर्क की पोस्ट पर नियुक्त हो गई थी। नौकरी करते हुए 1 वर्ष में उसकी आदतें और खराब होती चली गई। यहां भी उसके जो मित्र मिले वह भी दुर्भाग्य से अच्छे चरित्र और चल चलन के नहीं थे। परिणाम नरहरि के चरित्र पर भी पड़ा था।

मां और पिता की एकमात्र संतान नरहरि जिस रास्ते पर चल रहा था इसका ज्ञान दोनों को था किंतु अंध प्रेम ने उसका विवाह करने का निर्णय लिया था। यह स्वाभाविक भी था कुछ गलत भी नहीं था।

इस एक संस्कृति परिवार की पढ़ी लिखी लड़की से उसका विवाह निश्चित हुआ। लड़की वालों ने एक गलती अवश्य की थी उन्होंने लड़के के पूर्ण जानकारी प्राप्त नहीं की थी। परिणाम घातक 2 माह में ही लड़की जो मायके गई वह वापस नहीं आई कारण जो उसने अपने पिता की बताएं वह उनको धक्का देने वाले थे. रात में अपने मित्रों को घर लाना शराब का सेवन पिता ने पाया कि इस हालत में लड़की को अकेला छोड़ना उसका साथ न देना अन्याय होगा न्यायालय की शरण लेकर उसके लिए डायवर्स प्राप्त कर लिया और अच्छा पोम्प वर चार माह बाद मिला उससे उसका विवाह कर दिया अब वह सुखी थी।

इधर नरहरि को भाग्य ने साथ नहीं दिया यह गलत ही कहा जाएगा क्योंकि जिस परिस्थिति का यह सामना कर रहा था उसके लिए वह जिम्मेदार था। बस एक बात उसके लिए अच्छी थी वह नौकरी ढंग से कर रहा था। भरपूर पैसा आ रहा था कंपनी को अपनी बुद्धिचातुर्यता से आर्थिक लाभ पहुंचा रहा था। परिणाम स्वरुप बोनस इंसेंटिव से उसको आर्थिक रूप से लाभ हो रहा था। किंतु यह लाभ भी उसके लिए श्राप हो रहा था। उसकी गलत आदतो में वृद्धि हो रही थी।

ऊपरी दिखावट अच्छा व्यक्तित्व-चातुर्यता-सब बातों का परिणाम एक हुआ कि उसका एक सुशील सुंदर तलाकशुदा प्रभावती से उसका अफेयर प्रेम प्रसंग चालू हो गया-प्रभावती भी योगायोग था कि इस कंपनी में जिसमें वह काम करता था दोनों ही तलाकशुदा थे कारण जुदा जुदा अवश्य थे।

नरहरि ने अपनी मां से अपने कंपनी के कार्यालय प्रभावती के प्रेम प्रसंग को स्पष्ट बता दिया था और उससे विवाह का आग्रह कर रहा था। पिता के सम्मुख इस विषय पर बात करने हेतु आग्रह कर रहा था।नरहरि का अकेलापन और मां की उसके प्रति उसके भविष्य की चिंता आदि कारणों से उसने नरहरि के पिता से इस विवाह विषय पर दृढ़ता के साथ बात की। वार्तालाप वाद विवाद औरत का अंतिम शस्त आंसुओं की जीत हो गई।

प्रभारी अच्छी लड़की है गर्दन पर सफेद दाग के कारण तलाकशुदा सब अच्छाई और बुराई का स्पष्टता से उल्लेख कर दिया था-दिगंबर अपने तलाकशुदा गलत आदतों का शिकार पुत्र की पुनः विवाह हेतु आदि हो गया और अतिसादगी के साथ नरहरि और प्रभावती अग्नि देवता ब्राह्मण और बिल्कुल निकटस्त रिश्तेदारों की उपस्थिति में विवाह हो गया।

1 वर्ष का कल इस परिवार में दुख की घड़ी आ गई नरहरि की मां दोपहर को जो विश्राम कर रही थी हरदम की लिए शांत हो गई-हार्ट-अटैक मृत्यु का कारण बना और चार दिवस बाद प्रभावती ने एक सुंदर पुत्र को जन्म दिय था। दुख और आनंद का अजीब मिश्रण । समय बड़ा बलवान होता है। सब यथावत चलता ही रहता है।

प्रभा-नरहरि की सुखद जीवन को किसी की नजर लग गई थी दोनों कंपनी कार्यालय स्कूटर से जा रहे थे कि नरहरि के गाड़ी रोकी खड़ी थी और धड़ाम से रास्ते पर गिर गया प्रभावती को यह है व्यथा हो गया समझ में ही नहीं आ रहा था की राह गिरोह की मदद से नरहरि को नजदीकी के दवा खाने में ले गए किंतु तब तक सब समाप्त हो गया था डॉक्टर ने नो मोर दर्दनाक शब्दों का उपयोग किया।

विकट परिस्थिति का सामना करना पड़ रहा था प्रभावती को और उससे अधिक दिगंबर टूट सा गया पुत्र की अंतिम विदाई आगे के कर्मकांड के वह १२ दिवस दिगंबर के आंखों में आंसू नहीं थे शायद यह सोचकर कि मैं रोया तो इस 1 वर्ष के पुत्र की मां प्रभावती का क्या होगा। वह शायद अंदर से टूट चुका था परिणाम घातक हुआ। संपूर्ण मरणोपरान्त होने वाले कार्यक्रम के बाद दिगंबर अपने कमरे में आ गया था उसे समय प्रभावती के पिता साथ थे।अचानक बिस्तर पर बैठने के पूर्व ही दिगंबर गिर गया और धरती पर गिर गया डॉक्टर के घर पर आया और प्रभावती के कान पर १३ दिवस पूर्व के वह शब्द सुनने पड़े - ही इज नो मोर।पति की मौत के बाद लगातार उसके आंखों से इतने आंसू निकल चुके थे कि उसके आंसू और ससुर के लिए शेष नहीं बचे थे। दिगंबर की अंतिम यात्रा अग्नि अन्य संस्कार भी नियम से नहीं हो पाया, सम्मान भी उनके मृत्यु देह को नहीं प्राप्त हुआ परिस्थिति ही ऐसी थी। आगे प्रभावती ने दिगंबर की अलमारी खोली और उसमें दिगंबर द्वारा ८ लाख के एफ.डी. फिक्स डिपाजिट के पेपर मीले-सेविंग पासबुक और घर की रजिस्ट्री दिखी।

घर की रजिस्ट्री तो उसकी सासू के नाम था एफ.डी. पर नॉमिनेशन पुत्र नरहरि का नाम था- उसने बैंक जाकर मैनेजर से बात की- प्रभा के पिता भी साथ थे- सभी एफ.डी. सर्टिफिकेट देखने के उपरांत उसने अत्यंत नम्रता से कहा इस नॉमिनेशन पर आपका नाम नहीं है- यह नियम के अनुसार इस पर अधिकार तो स्वर्गीय नरहरि का है और आप उनकी पत्नी है आपको सिद्ध करना पड़ेगा और उसके लिए आवश्यक है विवाह का रजिस्ट्रेशन अर्थात प्रमाण पत्र आवश्यक है मैं उसके अभाव में आपकी कोई मदद नहीं कर सकता आपके साथ मेरी पूरी सहानुभूति है किंतु मैं नियम से बधा हुआ हूं।

दो डायवोर्सी का नरहरि और प्रभावती का विवाह हुआ था पूर्ण शास्त्रोक्त पद्धति से, अग्नि देवता, ब्राह्मणों की साथ में हुआ था। यह बात सही है कि इस विवाह में प्रभावती के पिता माता मामा और मामी तथा नरहरि के मां-बाप और चचेरे दोनों भाई और मामा मामी उपस्थित हुए थे। शेष कोई रिश्तेदार नहीं थे तात्पर्य या दूल्हा दुल्हन के अलावा चार और दूल्हे की और से ७ व्यक्ति की उपस्थित थे। दूसरी बात जो शायद गलती की श्रेणी में रखा जा सकता है शासकीय रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया गया था। यह गलती तो गलती थी ही ऐसा निर्विवाद सत्य है।

कितना दुर्भाग्य तो देखो एक पुत्री प्रथम पति से तथा एक पुत्र द्वितीय पत्नी से किंतु समाज के नियमानुसार वह मा नहीं थी पत्नी भी नहीं। एक कागज जो उसकी पत्नी का अधिकार दे सकता है जो उसके पास नहीं था मैरिज सर्टिफिकेट।

आगे उसके अधिकार उसको मिलेंगे या नहीं मिलेंगे तो कब ? एक ज्वलंत प्रश्न प्रभावती का? कौन मदद करेगा उसको कौन न्याय देगा और मिलेगा क्या न्याय ?

-अनंत केशव थत्ते

2024 का अंतरिम बजट महिला केंद्रित हो सकता है

महिला किसानों के लिए सम्मान निधि 6000 से 12000 करने की तैयारी

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)।लोकसभा चुनाव में उतरने से पहले मोदी सरकार महिलाओं के लिए कई बड़ी योजनाएं लाने की तैयारी में है। एक फरवरी को आने वाले अंतरिम बजट में इसको लेकर कई अहम घोषणाएं हो सकती हैं। बजट में महिला किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि सालाना 6000 से बढ़कर 12000 रुपए हो सकती है। साथ ही आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं के लिए भी कैश ट्रांसफर स्कीम शुरू करने की योजना है। केंद्र सरकार 21 साल से अधिक उम्र की उन महिलाओं के लिए भी कैश ट्रांसफर स्कीम लाने पर विचार कर रही है, जिन्हें सरकार की किसी भी वेलफेयर स्कीम का लाभ नहीं मिल रहा है। मनरेगा में महिला वर्कर को प्राथमिकता दी जाएगी। अभी मनरेगा में महिलाओं की हिस्सेदारी 59.26% है, जो 2020-21 में 53.19% थी। महिला किसानों की राशि दोगुनी करने से सरकार पर 120 करोड़ रुपए अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इस योजना के तहत मोदी सरकार अब तक 15 किस्तों में किसानों के खाते में 2.8 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि भेज चुकी है। भारत में करीब 26 करोड़ किसान हैं। देश में जिन किसानों के नाम जमीन है, उनमें सिर्फ 13% महिलाएं हैं।

महिला केंद्रित स्कीम का बजट 2.23 लाख करोड़

केंद्र सरकार की वेलफेयर स्कीम में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ रही है। मोदी सरकार जेंडर बजटिंग में साल-दर-साल 30% इजाफे के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसके तहत मोदी सरकार ने धीरे-धीरे कुल जेंडर बजट राशि (मंत्रालयों में महिलाओं से संबंधित सभी योजनाओं के लिए राशि) को 2023-24 के बजट अनुमान (बीई) में 2.23 लाख करोड़ रु. तक बढ़ा दिया है, जो 2013-14 में 1 लाख करोड़ से कम थी। यानी 10 साल में दोगुने से अधिक बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2006 में देश का जेंडर बजट 14,379 करोड़ रुपए था।

देश में पुरुषों की तुलना में महिला वोटर्स बढ़ रहीं

देश में अवैतनिक महिलाओं का इकोनॉमी में जबरदस्त योगदान है। एनएसएस के डेटा के मुताबिक देश में ऐसी महिलाओं का योगदान 22.7 लाख करोड़ रु. है, जो देश की जीडीपी का करीब 7.5% है। वोटिंग के क्षेत्र में भी महिलाओं का दबदबा तेजी से बढ़ रहा है।

महिलाओं को टिकट देने में कंजूसी हो रही

10 साल में 16.8 लाख करोड़ रुपए सीधे खाते में भेजे गए, लेकिन महिलाओं को टिकट देने में कंजूसी हुई। बीते साल के आखिरी में 5 राज्यों में चुनाव हुए।

इनमें भाजपा और कांग्रेस ने महिला वोटर्स के लिए तमाम योजनाएं लागू करने की बात कही। लेकिन इन दलों ने 10-15% महिला प्रत्याशी ही उतारे। 2013 के बाद केंद्र सरकार ने 16.8 लाख करोड़ रुपए सीधे बैंक खाते में भेजे हैं। इनमें 33% राशि 2020-21 में भेजी गई है। करीब 319 योजनाओं के तहत लाभार्थियों के खाते में यही राशि पहुंचाई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान करीब 70 करोड़ लोगों को डायरेक्ट कैश ट्रांसफर स्कीम का लाभ मिला है।

आनंद महिंद्रा ने शेयर किया मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का वीडियो

12 जनवरी को पीएम मोदी सौंपेंगे ये गिफ्ट

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)।द्योपति आनंद महिंद्रा ने मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) का एक ऐसा वीडियो शेयर किया है जो इसकी खूबसूरती को दिखा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पुल का उद्घाटन 12 जनवरी को करने जा रहे हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एम एंड एम) गुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने इसकी शान दिखाने वाले वीडियो को अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। उन्होंने एमटीएचएल प्रोजेक्ट में काम करने वाले इंजीनियर्स और वर्कर्स की मेहनत को सलाम भी किया है। आनंद महिंद्रा ने राजेंद्र बी अकेलकर के वीडियो को रीपोस्ट करते हुए लिखा- मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का रात के समय का वीडियो। । । कड़ी मेहनत करने वाले, टैलेंटेड इंजीनियरों के कमिटमेंट के जरिए कनेक्टिविटी और कॉमर्स को बढ़ाया जाएगा। इस 'गोल्डन रिबन' पर उतरने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) एक अंडर कंस्ट्रक्शन रोड ब्रिज है। ये मुंबई शहर को इसकी सैटेलाइट सिटी नवी मुंबई से जोड़ता है। पूरा हो जाने के बाद यह भारत का सबसे लंबा समुद्री पुल होगा जिसकी लंबाई 21.8 किलोमीटर होगी। यह मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक ब्रिज साउथ मुंबई के सेवरी में शुरू होगा और एलिफेंट द्वीप के उत्तर में ठाणे क्रीक को पार करेगा और न्हावा शेवा के पास चिरले गांव में खत्म होगा। न्हावा शेवा रायगढ़ जिले में उरन तालुका में स्थित है। 18,000 करोड़ रुपये इस सड़क पुल के निर्माण कार्य में लग रहे हैं। ये 21.8 किलोमीटर लंबा छह लेन वाला पुल होगा। इस पुल के कुल 21.8 किलोमीटर लंबे रास्ते में से 16.5 किलोमीटर रास्ता समुद्र के ऊपर से गुजर रहा है और बाकी 5. 5 किलोमीटर जमीन पर बना है। मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर 'अटल सेतु' रखा गया है। यह पुल मुंबई को मुंबई-गोवा हाईवे, वसई और विरार, नवी मुंबई और रायगढ़ जिलों से जोड़ेगा। इसके बाद अलग-अलग नए बिजनेस और बड़ी कंपनियां नवी मुंबई में आने वाली है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस पुल का हाल ही में निरीक्षण किया है।

टाटा, वेदांता, माइक्रॉन दिखाएंगे चीन को औकात एशिया का 'सिलिकॉन वैली' बनेगा गुजरात!

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)।अमेरिका और चीन के बीच की तनातनी का सबसे ज्यादा फायदा भारत को मिला है। चीन की तमाम कंपनियां भारत की ओर मूव कर रही हैं। वहीं दूसरी ओर चीन से त्रस्त ताइवान भी भारत की तरफ है। सेमीकंडक्टर का नया हब बनाने के लिए ताइवान और उसकी कंपनियां तमाम मदद करने को तैयार हैं। ऐसे में गुजरात को दुनिया के नक्शे पर नए सेमीकंडक्टर हब के रूप में देखा जा रहा है। गुजरात और केंद्र की सरकार दोनों अब गुजरात को एशिया का 'सिलिकॉन वैली' बनाने में जुट गए हैं। जिसकी शुरूआत पिछले सेमिकॉन इंडिया 2023 से शुरू हुई थी। जो वाइब्रेंट गुजरात 2024 तक जारी है। जिसकी झलक एक बार फिर से टाटा ग्रुप के उस ऐलान से दिखी जिसमें उन्होंने एक और सेमीकंडक्टर फैक्ट्री लगाने का ऐलान किया। आइए जरा पहले टाटा ग्रुप के उस ऐलान के बारे में जान लेते हैं, जो उन्होंने बुधवार को किया है। टाटा संस के चेयरमैन एन। चंद्रशेखरन ने बुधवार को कहा कि टाटा ग्रुप गुजरात के धोलेरा में एक सेमीकंडक्टर कारखाने का निर्माण करेगा। वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन (वीजीजीएस) के यहां आयोजित 10वें संस्करण में चंद्रशेखरन ने कहा कि ग्रुप दो

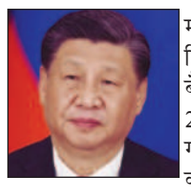

महीने में साणंद में लिथियम आयन बैटरी बनाने के लिए 20 गीगावॉट की गीगाफैक्टरी शुरू करने वाला है। उन्होंने कहा कि टाटा ग्रुप ने एक संकल्प किया जो पूरा होने वाला है। साथ ही धोलेरा में विशाल सेमीकंडक्टर फैब की घोषणा कर रहे हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि सेमीकंडक्टर फैब के लिए बातचीत पूरी होने वाली है और 2024 में इसे शुरू करेंगे। वैसे ग्रुप की ओर से इस बात की घोषणा नहीं की गई है कि इस फैक्ट्री लगाने के लिए ग्रुप कितने हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगा। आने वाले दिनों में शेयर बाजार की फाइलिंग के जरिए भी इस बात का खुलासा हो सकता है। हम यूं नहीं कह रहे हैं कि गुजरात को एशिया का नया सेमीकंडक्टर हब या फिर सिलिकॉन वैली बनाने की तैयारी चल रही है। वास्तव में टाटा ग्रुप ने पिछले साल ही अपनी प्लानिंग के बारे में पूरी दुनिया को बता दिया था। नेक्कई एशिया से बात करते हुए टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने ईवी, रिन्यूएअल एनर्जी और सेमीकंडक्टर में अगले पांच साल में 90 अरब डॉलर यानी 7.50 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा।

निचले स्तरों से खरीदारी की बदौलत शेयर बाजार में लौटी शानदार तेजी

हरे निशान में बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)।भारतीय शेयर बाजार के लिए आज का कारोबारी सत्र बेहद शानदार रहा। पूरे दिन बाजार में उठापटक और गिरावट देखने के बाद आखिरी घंटे में बाजार में खरीदारी लौटी। जिसके बाद शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है। बीएसई सेंसेक्स 271 अंकों के उछाल के साथ 71,657 अंकों पर क्लोज हुआ था। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 74 अंकों की गिरावट के साथ 21,618 पर क्लोज हुआ है। आज के ट्रेड में बैंकिंग, ऑटो, आईटी, फार्मा, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स में तेजी के साथ बंद हुए। जबकि एफएमसीजी, रियल एस्टेट स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में मिडकैप स्टॉक्स शानदार तेजी के साथ बंद हुए जबकि स्मॉलकैप स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 स्टॉक्स तेजी के साथ और 16 गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी के 28 शेयर तेजी के साथ और 22 नीचे गिरकर क्लोज हुए।

निवेशकों को फायदा

शेयर बाजार में तेजी के चलते आज के ट्रेड में निवेशकों को फायदा हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 1.26 लाख करोड़ रुपये के उछाल के साथ 368.77 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है। जबकि पिछले सत्र में मार्केट कैप 367.51 लाख करोड़ रुपये रहा था।

चढ़ने-गिरने वाले स्टॉक्स

आज के ट्रेड में एचसीएल टेक 1.62 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0. 99 फीसदी, इंडसइंड बैंक 0.87 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.71 फीसदी, रिलायंस 0.49 फीसदी, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.35 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.35 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.32 फीसदी, टाइटन कंपनी 0.23 फीसदी, एशियन पेंट्स 0. 21 फीसदी, टीसीएस 0.11 फीसदी, टाटा स्टील 0. 07 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि एनटीपीसी 3.47 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1. 50 फीसदी, इंफोसिस 1. 45 फीसदी, पावर ग्रिड 1. 38 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सरकारी दाल ने निकाला टाटा-अंबानी-अडानी का तेल, बाजार में हो गया ये 'खेल'

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)।देश के तीनों ग्रुप यानी रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा ग्रुप और अडानी ग्रुप का देश के रिटेल मार्केट पर कब्जा हो चुका है। तीनों ही ऐसा कोई घरेलू यूज का सामान नहीं जो ना बना रहे हों। नमक से लेकर आटा, दाल, मसाला तीनों ग्रुप रिटेल मार्केट में बेच रहे हैं और मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। लेकिन एक सरकारी दाल ने तीनों ही का चार महीनों में तेल निकाल दिया है। 120 दिन में इस सरकारी दाल ने देश के 25 फीसदी मार्केट पर कब्जा कर सभी को चौंका दिया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर वो कौन सी सरकारी दाल है। जिसने टाटा-अंबानी और अडानी को भी परेशान कर दिया है।

किस दाल ने निकाला तेल

भारत ब्रांड के तहत खुदरा बाजार में बेची जा रही चना दाल घरेलू उपभोक्ताओं के बीच सबसे ज्यादा बिकने वाला ब्रांड बनकर उभरी है। इसने बाजार में उतारे जाने के चार महीनों में ही एक-चौथाई बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि किफायती होने के कारण इस दाल को उपभोक्ता काफी पसंद कर रहे हैं। अक्टूबर में जारी की गई भारत-ब्रांड चना दाल की कीमत 60 रुपए प्रति किलोग्राम है जबकि अन्य ब्रांड की दाल लगभग 80 रुपए प्रति किलोग्राम है।

कितनी बिक चुकी है चना दाल

सिंह ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि ग्राहकों की प्रतिक्रिया इतनी अच्छी रही है कि देश में परिवारों के बीच सभी ब्रांड वाली चना दाल की 1। 8 लाख टन मासिक खपत में से एक-चौथाई भारत ब्रांड वाली चना दाल है। उन्होंने कहा कि बाजार में उतारे जाने के बाद से लगभग 2। 28 लाख टन भारत ब्रांड चना दाल बेची जा चुकी है। शुरुआत में इसकी बिक्री 100 खुदरा केंद्रों के जरिए की गई और अब 21 राज्यों के 139 शहरों में मौजूद 13,000 केंद्रों से इसकी बिक्री की जा रही है।

महंगाई को कंट्रोल करने के लिए निकाली थी दाल

उपभोक्ता मामलों के सचिव ने इस कदम से दालों की महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलने का दावा करते हुए कहा कि दालों की कीमतें एक ग्रुप के रूप में व्यवहार करती हैं। चने की कीमतों को नीचे लाने के लिए बफर स्टॉक का उपयोग करने से अन्य दालों की कीमतों पर भी इसका पार्श्व प्रभाव पड़ता है। सरकार घरेलू उपलब्धता को बढ़ावा देने और कीमतों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पिछले कुछ वर्षों से चने सहित विभिन्न प्रकार की दालों का बफर स्टॉक बनाकर रख रही है। फिलहाल 15 लाख टन चना सरकारी बफर स्टॉक में है।

एजेंसी को कितने में मिल रही है दाल

सरकार नेफेड, एनसीसीएफ, केंद्रीय भंडार और पांच राज्य सहकारी समितियों के माध्यम से भारत ब्रांड के तहत चना दाल की खुदरा बिक्री कर रही है। सचिव ने बताया कि इन एजेंसियों को बफर स्टॉक से कच्चा चना 47। 83 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर इस शर्त के साथ दिया जा रहा है कि उसकी खुदरा कीमत 60 रुपये प्रति किलोग्राम से कम नहीं होनी चाहिए। एजेंसियां सरकार से कच्चा चना खरीदती हैं, उसकी मिलिंग करती हैं और भारत ब्रांड के तहत खुदरा बिक्री करने से पहले उसकी पॉलिश करती हैं। सरकार भारत ब्रांड के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का गेहूं का आटा भी बेच रही है। कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए वह भारत ब्रांड के तहत एफसीआई चावल की बिक्री पर भी विचार कर रही है।

पांच ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी होगा भारत, वित्त मंत्री यह बोलीं

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)।भारत 2027-28 तक पांच ट्रिलियन डॉलर से अधिक की जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह बात कही है। वित्त मंत्री ने कहा कि वर्तमान में 50 करोड़ से अधिक भारतीयों के पास बैंक खाते हैं, जबकि 2014 में यह संख्या 15 करोड़ थी। वित्त मंत्री ने बताया है कि भारत को पिछले 8-9 साल में 595 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मिला है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि रुढ़िवादी अनुमानों के हिसाब से भी भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा। सीतारमण ने वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''संभव है कि हम वित्त वर्ष 2027-28 तक तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे और हमारी जीडीपी उस समय तक पांच लाख करोड़ डॉलर (पांच ट्रिलियन डॉलर) से अधिक हो जाएगी। एक रुढ़िवादी अनुमान है कि वर्ष 2047 तक हमारी अर्थव्यवस्था कम-से-कम 30 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगी।इस समय भारत लगभग 3.4 लाख करोड़ डॉलर के जीडीपी के साथ दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। अभी अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी उससे आगे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष में 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है जबकि पिछले वित्त वर्ष में इसकी वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रही थी।वाइब्रेंट गुजरात समिट 2024 के दौरान सीतारमण ने कहा कि भारत को वर्ष 2023 तक 23 वर्षों के दौरान 919 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मिला है। वित्त मंत्री ने कहा कि इस एफडीआई का 65 प्रतिशत यानी 595 अरब डॉलर नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले आठ-नौ वर्षों के कार्यकाल में आया है।

उन्होंने वित्तीय समावेशन का जिक्र करते हुए कहा कि बैंक खाता रखने वाले लोगों की संख्या 50 करोड़ हो गई है जबकि 2014 में 15 करोड़ लोगों के पास ही बैंक खाते थे।

सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

सोना 62 हजार और चांदी 71 हजार के करीब आई, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली , 10 जनवरी (एजेंसियां)।सोने-चांदी के दामों में आज यानी, 10 जनवरी को गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 168 रुपए सस्ता होकर 62,247 रुपए पर आ गया है। वहीं 18 कैरेट सोने का भाव 46,685 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है।चांदी में भी आज गिरावट देखने को मिली है। ये 545 रुपए सस्ती होकर 71,295 रुपए प्रति किलो ग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 71,840 रुपए पर थी। बीते महीने 4 दिसंबर को चांदी 77 हजार के पार पहुंच गई थी।

2023 में 8 हजार रुपए से ज्यादा महंगा हुआ सोना

साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए (16%) की तेजी आई। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति

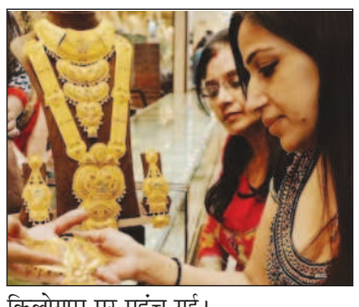

किलोग्राम पर पहुंच गई।

हमेशा सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

अगर आप सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि वो ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही हो। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- ए2जेड4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय -06-52 सूर्यास्त. -17-55
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस्या - **17 -27** - रात तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - पौष कृष्ण पक्ष , गुरूवार **11 January**
नक्षत्र - पूर्वाषाढा - **17 - 38** - तक उपरान्त उ.षाढा
योग - व्याघात - **17 - 48** - तक उप हर्षण
करण- नाग - **17 -27** - तक उप- किंस्तुघन
विशेष:- देवपितृ कार्ये अमावस्या
व्रत -त्योहार -

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु में	धनु....	05-00 बजे
चंद्र-	धनु में	मकर..	07-08 बजे
मंगल	धनु में	कुंभ...	08-58 बजे
बुध-	धनु में	मीन...	10-36 बजे
गुरु-	मेष में	मेष--	12-12 बजे
शुक्र-	वृश्चिक में	वृष--	13-56 बजे
शनि-	कुंभ में	मिथुन..	15-56 बजे
राहु-	मीन में	कर्क...	18-09 बजे
केतु-	कन्या में	सिंह...	20-20 बजे
		कन्या..	22-27 बजे
		तुला....	00-33 बजे
		वृश्चिक.	02-44 बजे

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:47 से 15:11 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	06:52 - 08:14 शुभ	अमृत.	17:55 - 19:34 शुभ
रोग	08:14 - 09:37 अशुभ	चंचल.	19:34 - 21:11 शुभ
उत्पात	09:37 - 11:00 अशुभ	रोग.	21:11 - 22:47 अशुभ
चंचल	11:00 - 12:24 शुभ	काल.	22:47 - 24:24 अशुभ
लाभ	12:24 - 13:47 शुभ	लाभ	24:24 - 02:01 शुभ
अमृत	13:47 - 15:11 शुभ	उत्पात	02:01 - 03:37 अशुभ
काल	15:11 - 16:34 अशुभ	शुभ	03:37 - 05:14 शुभ
शुभ	16:34 - 17:55 शुभ	अमृत	05:14 - 06:52 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

ये समय उन लोगो से अपने आप को अलग करने का समय है जो आपके विचारो से असहमत है या जो आपके साथ चलने या सहयता करने में असमर्थ है । यह वित्तीय संतुलन के हिसाब से भी एक बड़ा कदम होगा । आपकी इस व्यापारिक रणनीति के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा। आपकी आय सुरक्षित है और जिसे आप अपनी संपत्ति को जोड़ने के लिए उपयोग कर सकते है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है। वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी जिसके लिए आप लम्बे समय से प्रयासरत थे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज कई कार्य क्षेत्र के सुनहरे अवसर आपका दरवाजा खटखटायेंगे । आज आपको पदोनत्ति का सन्देश मिल सकता है या नौकरी क्षेत्र में बदलाव के भी आसार है जिसके लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे । आपको ऐसी जगह से सहायता मिल सकती है जिस जगह से आपने कल्पना भी नहीं की थी जो की आपको प्रसन्नता से अभिभूत कर सकती है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्यवहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्यवहार को बदलने का भी । आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अछा साबित हो । आप किसी अच्छे जानकर से भी अपने पैसे और अपने पेशे से संबंधित सुझाव ले सकते है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आपको सर्वशक्तिमान के संदेश अपने किसी निकट के व्यक्ति से मिल रहे हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए ग्रहणशील रहे और निर्देशो का पालन करने की कोशिश करे । आपको अपने कार्य योजना में परिवर्तन करना होगा ताकि कोई गलती न हो जिसे आप पूर्ववत नहीं कर सकते है । वित्तीय स्थिति और खर्च में अच्छा संतुलन बना रहेगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है । आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा । आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपको काफी समय से अपने सहकर्मियों की मदद मिल रही थी परन्तु अब समय ये मदद लौटने का है । अब आप अपने किसी सहकर्मी की मदद कर सकते है जिससे आपकी स्थिति आपके कार्यालय में और दृढ़ता से मजबूत होगी और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । हो सकता है आज आपको देर तक कार्य करना पड़े पर ये आपके लिए सहायक ही सिद्ध होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज का दिन आपके लिए एक विवादास्पद दिन हो सकता है! आप का किसी के लिए बुदबुदाना या क्रोधित होना व किसी दूसरे के माध्यम से उन्हें पता चलने पर आपका पेशेवर जीवन बर्बाद हो सकता है । इसके अलावा, आप किसी से किसी और का रहस्य खोल सकते है जो की सही नहीं होगा इसलिए आसपास के ऐसे लोगो से उचित दुरी बना कर रखे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप अपने समकक्षों के साथ भागीदारी प्राप्त करने के लिए कठिन प्रयास कर रहे है और आज आपकी यात्रा एक संतोषजनक स्थिति पर समाप्त होगी ! आप उस पुरस्कार राशि के लाभार्थी हो सकते है जो इस साझेदारी का नतीजा है । आपका एक करीबी सहयोगी आपको अपना समर्थन देने के लिए विशेष शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कर आपको सम्मानित कर सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज का दिन विपणन के लिए बहुत ही कारगर साबित हो सकता है जो की आपके व्यसाय को आगे की और ले जा सकता है । ये जरुरी है की आप विपणन नीतिया बनाते हुए न्यायसंगत निर्णय ले ताकि आप बेहतर नीतिया बना सके । अगर आज आपने कोई कार्यशाला या सार्वजनिक समारोह अपने व्यसाय को आगे ले जाने के लिए रखा हुआ है तो वो काफी अछा रहेगा ।

पं।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

102 साल से रामलला को पान खिला रहा चौरसिया परिवार

कर्फ्यू में भी पान पहुंचाया, रोज 51 पान का भोग, 5100 रुपए सैलरी

अयोध्या, 10 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अयोध्या के प्रसिद्ध हनुमान गढ़ी मंदिर के पास रिंकू चौरसिया की बनारसी पान भंडार नाम की दुकान है। दुकान पर नाम का कोई बोर्ड नहीं है, लेकिन शहर में किसी से पूछें कि राम मंदिर वाले चौरसिया बाबू की दुकान कहां है, सब तुरंत पता बता देंगे। ये पहचान रामलला से जुड़ी है।

चौरसिया परिवार की तीन पीढ़ियां रामलला के लिए पान का भोग बना रही हैं। इसकी शुरुआत 1920 में रिंकू की दादी रामप्यारी देवी ने की थी। ये दुकान राममंदिर के पास है। राम मंदिर आंदोलन के वक्त रिंकू के पिता अमरीश प्रसाद दुकान पर बैठने लगे। आज अयोध्या में चौरसिया परिवार की पान की तीन दुकानें हैं।

22 जनवरी को रामलला अपने मंदिर में विराजेंगे। 42 साल के रिंकू भी इस दिन की तैयारी में जुटे हैं। उन्हें रामलला के उस दिन के भोग के लिए 551 पान गिलौरी बनाने का ऑर्डर मिला है।

आखिर क्यों चौरसिया बाबू की दुकान का भोग रामलला को प्रिय है, भगवान पर कौन सा पान चढ़ता है, इसकी तैयारी कैसे होती है, ये जानने के लिए हम चौरसिया परिवार से मिले।

दुकानों का कामकाज अमरीश प्रसाद के तीनों बेटे संभालते हैं। सबसे बड़े रिंकू हैं। उनके बाद दीपक और सबसे छोटे विनय हर दिन रामलला का पान तैयार करते हैं। रिंकू बताते हैं, 'दादी के बाद पिताजी भगवान के भोग के लिए पान का बीड़ा मंदिर ले जाते थे।'

'पिताजी के समय रामलला के लिए रोज 20 पान मंदिर जाते थे। जन्मभूमि के शिलान्यास के बाद

से अब 51 पान भेजे जाते हैं। मंदिर तक पान ले जाने का काम छोटा भाई दीपक करता है। उसका पास बना हुआ है।'

आधे घंटे में बनता है तांबूल भोग, सुबह 7 बजे से होती है तैयारी

चौरसिया बाबू की हनुमान गढ़ी वाली दुकान उनके सबसे छोटे बेटे विनय संभालते हैं। तांबुल भोग की तैयारी पर विनय कहते हैं, 'राम मंदिर के लिए पिताजी हमेशा सेवा भाव से जुड़े रहे। वे हर दिन नहाकर सबसे पहले रामलला का बीड़ा तैयार करते थे। फिर साइकिल से उसे मंदिर तक ले जाते थे। उन्हीं को देखकर हमने सीखा और अब वही सिस्टम फॉलो करते हैं।'

विनय बताते हैं, 'इसमें शुद्धता का बहुत ध्यान रखते हैं। तांबूल भोग जूठा न हो, इसलिए इसके मसाले अलग रखते हैं। पान तैयार करने के बाद उसे मंदिर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दीपक की होती है। दीपक सुबह 10:30 बजे पान लेकर मंदिर पहुंच जाते हैं।'

'इस वक्त प्राण प्रतिष्ठा को लेकर ट्रस्ट काफी एहतियात बरत रहा है। इसलिए मंदिर समिति का एक व्यक्ति पहले घर आता है। उसी के साथ दीपक अंदर जाते हैं। दीपक के पास मंदिर ट्रस्ट का पास है, जिससे उन्हें मंदिर के भोग कक्ष तक जाने की परमिशन मिल जाती है।

हमने विनय से पूछा कि अयोध्या में सैकड़ों पान की दुकानें हैं। फिर आपका ही पान क्यों रामलला को भोग चढ़ता है? विनय कहते हैं, "भगवान का भोग बनाना हमारे परिवार की परंपरा रही है। भगवान 100 साल से हमारे पान खा रहे हैं। कभी कोई शिकायत नहीं मिली। मंदिर ट्रस्ट का हमारे ऊपर भरोसा रहा है। इसलिए हमारी दुकान से पान जाता है।'

1992 में कर्फ्यू लगा, तब पुलिस सुरक्षा में जाते थे पान

रिंकू का परिवार 102 साल से रामलला के लिए पान का बीड़ा बना रहा है। अयोध्या के जैन मंदिर चौराहे पर चौरसिया बाबू का पुश्तैनी घर है। यहीं उनकी सबसे पुरानी दुकान भी है, जो

कारसेवकपुरम के नजदीक है। अमरीश प्रसाद यहीं से पान बनाकर मंदिर तक ले जाते थे। चाहे नॉर्मल दिन रहा हो या फिर 1992 में राम मंदिर आंदोलन के दौरान अयोध्या में लगा कर्फ्यू, रामलला के लिए पान मंदिर जरूर गया है। रिंकू बताते हैं कि 1992 में राम मंदिर आंदोलन की वजह से शहर में कर्फ्यू लगा था। तब भी हमारे यहां से रामलला के लिए पान जाते थे। मेरे पिता अमरीश प्रसाद चौरसिया को पुलिस की सिक्योरिटी मिलती थी, ताकि वे मंदिर तक पान पहुंचा सकें।'

रिंकू 1992 का एक किस्सा सुनाते हैं। आंदोलन अपने चरम पर था। विवादित ढांचा गिरा दिया गया था। अयोध्या में चप्पे-चप्पे पर सेंट्रल फोर्स के कमांडो तैनात थे। पुलिस कारसेवकों को गिरफ्तार कर रही थी। पूरे शहर में कर्फ्यू लगा था।

रिंकू कहते हैं, 'कारसेवक बचने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे। कुछ मठों में उन्हें शरण मिली, लेकिन पुलिसवाले वहां भी पहुंच जाते थे। मैं तब 6 या 7 साल का था। मुझे याद है कि उस वक्त लोगों को छिपने के लिए पिताजी ने घर में जगह दी थी।'

'दिसंबर में कड़ाके की ठंड थी। पूरी अयोध्या में सन्नाटा पसरा था। हर चौराहे पर पुलिस का पहरा था। कोई मंदिर की तरफ बढ़े, तो उसे सीधे गोली मारने के आदेश थे। उस टाइम भी पिताजी पुलिस सुरक्षा में रामलला के लिए पान ले जाते थे। आज भी आंधी आए या पानी, कैसी भी मुश्किल हो, मंदिर तक पान जरूर जाता है।'

13 तरह के मसालों से तैयार होता है रामलला का पान

रिंकू कहते हैं, 'रामलला तो छोटे बच्चे हैं। इसलिए उनके लिए मीठा पान बनता है। इसमें 13 खास पान मसाले कत्था, गरी, सौंफ, मीठा मसाला, गुलकंद, चेरी, केसर, लौंग-इलायची, मीठी चटनी और गुलाब जल डाले जाते हैं। चूना और सुपारी कम डालते हैं क्योंकि पान बाल रूप के लिए बनाया जाता है।'

'रामलला के लिए हरे पत्ते वाला पान नहीं लगता, क्योंकि वो तेज और स्वाद में हल्का कसैला होता है। भगवान के लिए हमेशा पीले पत्ते वाला बनारसी पान बनाते हैं। इसमें सोने-चांदी का वर्क और चेरी लगाते हैं। इसके बाद इसे पैक करके मंदिर भेज देते हैं।'

रिंकू के मुताबिक, महीने की दोनों एकादशी के दिन रामलला व्रत रखते हैं। इस दिन उन्हें पान नहीं भेजा जाता। यही दो दिन हैं, जब हमारे पास काम कम रहता है, नहीं तो रोज सुबह रामलला के भोग बनाने से ही दिन शुरू होता है। चौरसिया परिवार को रामलला के लिए पान बनाने के बदले हर महीने मंदिर ट्रस्ट की तरफ से 5100 रुपए मिलते हैं। पहले 3500 रुपए मिलते थे, लेकिन राम मंदिर बनना शुरू हुआ तो पैसे बढ़ा दिए गए।

22 जनवरी के लिए कोई खास तैयारी है क्या? रिंकू बताते हैं, 'प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए रामलला को स्पेशल पान गिलौरी चढ़ाई जाएगी। इसमें केसर, कस्तूरी, इत्र, खजूर सहित 50 तरह के पान मसाले होंगे। कुछ हमारे पास हैं, बाकी के लिए ऑर्डर दिया है। सभी पान बनारसी होंगे।'

'मुख्य कार्यक्रम के दिन दो तरह के पान भेजने हैं। प्रभु के लिए सोने का वर्क चढ़ा हुआ पान जाएगा, कुछ चांदी की वर्क चढ़े पान होंगे, जिन्हें अलग से महाप्रसाद में मिलाया जाएगा। इनकी तैयारी अभी से शुरू हो गई है। बनारस के 10 हजार पान का लॉट आ गया है। ट्रस्ट ने प्राण प्रतिष्ठा के दिन 551 पान भेजने के लिए कहा है। कार्यक्रम से एक दिन पहले ही सभी पान बनाएंगे।'

रामलला रोज दोपहर के भोग के बाद खाते हैं मीठा पान

रामलला को पान कब खिलाया जाता है और इसका महत्व क्या है? ये जानने हम राम मंदिर के मुख्य पुजारी संतोष तिवारी के घर पहुंचे। वे बताते हैं, 'रामलला को ठंड में हर सुबह गुनगुने पानी से नहलाया जाता है।

अस्थायी मंदिर में उनके लिए हीटर की व्यवस्था की गई है। स्नान के बाद प्रभु भोजन करते हैं। इसमें 56 भोग का प्रसाद लगता है। भोजन के बाद रामलला का मनपसंद मीठा पान खिलाया जाता है।'

'रामलला को पान खिलाने के बाद भोजन पूर्ण होता है। बचा हुआ भोग प्रसाद में बांटते हैं। रामलला के लिए मीठे पान का बीड़ा अमरीश चौरसिया के यहां से आ रहा है। पहले वे खुद पान लाते थे, अब उनके बेटे सेवा दे रहे हैं।'

रामलला के तांबूल प्रसाद में अभी 51 पान का भोग लगता है। 22 जनवरी की दोपहर 12:30 बजे रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए शुभ मुहूर्त तय किया गया है। इसके बाद प्रभु को 151 पान का भोग लगाया जाएगा।

रामलला को पान के भोग के बारे में हमने अयोध्या के महंतों से बात की। अयोध्या के भागवत कृपा सेवा आश्रम के महंत मुक्तामणि शास्त्री कहते हैं, 'भगवान राम को 16 उपचार पूजन बहुत प्रिय है। इसमें 16 तरह से प्रभु की पूजा होती है। इसमें पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नेवैद्य, तांबूल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार विधियां शामिल हैं।'

ऋग्वेद में पुरुष सूक्त के 31वें अध्याय में तांबूल का महत्व बताया गया है। भगवान को पान का प्रसाद चढ़ाते समय ये मंत्र पढ़ा जाता है-

ॐ यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत। वसन्तोस्यासीदाज्यं ग्रीष्म ऽइध्मः शरद्धविः ।।

भगवान जब अन्न का भोग ग्रहण कर लेते हैं, तब तांबूल मंत्र पढ़कर उनकी मुखशुद्धि की जाती है।

ससुराल में राम का स्वागत पान खिलाकर ही हुआ था

दंत धावन कुंड के महंत विवेक आचार्य कहते हैं, 'भगवान को चढ़ाया प्रसाद अपने आप अमृत बन जाता है। अमृत ऐसी चीज है, जिसे ग्रहण करने से मन शांत होता है और शरीर की तमाम बीमारियां खत्म हो जाती हैं।'

महंत विवेक आचार्य कहते हैं, 'पान खिलाने का रिवाज त्रेता युग से चला आ रहा है। सीता के स्वयंवर के बाद भगवान राम को ससुराल में पान खिलाया गया था। तभी से ये प्रथा भी चली आ रही है। अवध में अब भी लड़का ससुराल जाता है, तो उसका स्वागत पान खिलाकर होता है।'

हाड़ कंपा देने वाली ठंड का सितम जारी

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 10 जनवरी (एजेंसियां)। गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले में हाड़ कंपा देने वाली ठंड का सितम जारी है। बुधवार सुबह घने कोहरे के चलते सड़कों पर विजिबिलिटी लगभग 5 मीटर रह गई। जिसके चलते सड़कों पर चलने वाले वाहनों की रफ्तार पर भी कोहरे का असर पड़ा है और वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। तो रेल मार्ग पर भी असर देखने को मिल रहा है, कोहरे के चलते यात्री ट्रेनें काफी देरी से चल रही हैं। नया साल शुरू होते ही गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में मौसम का बदला अंदाज देखने को मिलने लगा। पूरा जिला घने कोहरे की चादर से लिपटा रहता है आज भी इलाके में कोहरा इतना घना था कि विजिबिलिटी महज 5 मी ही रह गई थी। मौसम विभाग की मानें तो इस बदले मिजाज को स्थानीय मौसम में पिछले दिनों बारिश का होना बता रहा है। वहीं आने वाले दिनों में मौसम एक-दो दिन ऐसा ही बने रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि कुछ दिनों पूर्व इलाके में बारिश हुई थी, जिसकी वजह से कोहरा छा रहा है और आगे भी कुछ दिनों तक इसी तरह घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। कोहरे के चलते सड़कों पर चलने वाले वाहनो की रफ्तार धीमी हो गई है और लोग दिन में भी अपने वाहनों के लाइट जलाकर चला रहे है। तो कोहरे का असर कटनी से बिलासपुर जाने वाले रेल मार्ग पर भी साफ देखने को मिल रहा है। यहां पर चलने वाली यात्री ट्रेनें भी अपने समय से काफी देरी से चल रही हैं, जिसके चलते इस मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्री परेशान हैं। ट्रेनों की बात की जाए तो बिलासपुर की और जाने वाली संपर्क क्रांति 12824 जो हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से चल कर दुर्ग को जाने वाली 12824, वहीं, उत्कल एक्सप्रेस 18478 जो अपने निर्धारित समय से 13 घंटा विलंब से चल रही है।

नक्सलियों ने अपने साथी को गोलियों से भूना, मौत

पुलिस मुखबिरी के शक में हत्या, दो महीने पहले जेल से बाहर आया था नेलशन भेंगरा

चाईबासा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। चाईबासा में सारंडा जंगल में माओवादियों ने अपने ही एक पुराने साथी की हत्या कर दी। नक्सलियों को शक था कि वह संगठन के राज पुलिस तक पहुंचा रहा है। नेलशन भेंगरा लंबे समय तक नक्सल गतिविधियों मे शामिल था। मई 2023 में एक सड़क निर्माण कंपनी से लेवी मांगने के आरोप में जेल में बंद था। इसके बाद से ही वह पुलिस के संपर्क में आ गया था जिसकी खबर माओादियों तक पहुंच गई थी।

मृतक की पत्नी के मुताबिक मृतक नेलशन भेंगरा घर से करीब पांच सौ मीटर की दूरी पर स्थित एक निर्माणाधीन पुल में नाइट गार्ड का काम करता था, मंगलवार की शाम करीब सात बजे घर से खाना खाने के बाद ड्यूटी करने के लिए चला गया।

रात्रि करीब दस बजे उसने गोली चलने की आवाज सुन सुबह जब घर से बाहर निकली, तो देखा कि घर से करीब दो सौ

मीटर की दूरी पर पेड़ के पास उसके पति का शव पड़ा हुआ है।

जहां पोस्टर रखा हुआ है। वहीं सारंडा में नक्सली वारदात से एक बार फिर लोगों ने दहशत का माहौल कायम हो गया है। वहीं घटना के बाद जरायकेला पुलिस शव बरामदगी के लिए घटना स्थल की ओर रवाना हो गई।

सारंडा में नक्सलियों ने की बड़ी कार्रवाई

सारंडा जंगल क्षेत्र के जराईकेला थाना अन्तर्गत समठा गांव का रहने वाला था। नक्सलियों से दूर होने के बाद भेंगरा पुलिस वालों के संपर्क में था। 9 जनवरी की रात लगभग 10 बजे हथियारबंद नक्सली समठा गांव पहुंचे। उसके घर से उसे जबरन पकड़कर बाहर निकाला गया। नेल्शन की पहले पिटाई की गयी फिर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई।

पुलिस ने साध रखी है चुप्पी

इस हत्याकांड के संबंध में पुलिस चुप है। नेल्शन भेंगरा ना सिर्फ झारखंड बल्कि दूसरे राज्यों में भी नक्सल गतिविधियों में शामिल रहा । ओड़िसा की बिसरा थाना पुलिस ने मई 2023 में एक सड़क निर्माण कंपनी से नक्सलियों के नाम पर लेवी मांगने के आरोप में उसे गिरफ्तार किया था। दो महीने के अंदर ही वह जेल से बाहर आ गया था। जिसके बाद वह पुलिस के संपर्क में आ गया था।

इस हत्याकांड से नक्सलियों ने संकेत देने की कोशिश की है कि अगर उनके खिलाफ किसी ने मुखबिरी की तो अंजाम बुरा होगा। दूसरी तरफ इस घटना के बाद पुलिस ने सारंडा के जराईकेला, मनोहरपुर, छोटानागरा क्षेत्र के जंगलों में कोल्हान डीआईजी अजय लिंडा के नेतृत्व में सर्च अभियान चल रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार इस हत्याकांड को अंजाम देने के बाद नक्सली इसी रास्ते से भागे।

भाई ने साथियों के साथ मिलकर घर में की लूट

दो दिन पहले ही काम पर लगी थी महिला, पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायगढ़, 10 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बुधवार की सुबह घर में काम करने वाली बाई ने फिल्मी अंदाज में अपने साथियों के साथ महिला को बंधक बनाकर नकदी समेत लाखों रूपये के सोने चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गई। कुछ घंटे बाद ही चक्रधर नगर पुलिस एवं साइबर सेल की टीम ने आरोपियों को रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार करके पूछताछ कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार चक्रधर नगर थाना क्षेत्र के पहाड़ मंदिर के पास स्थित सुर्या विहार कालोनी में बुधवार की सुबह उसी घर में काम करने वाली महिला अपने अन्य साथियों के साथ चेहरा ढककर मकान में दाखिल हुई और फिर मकान मालकिन को बंधक बनाते हुए घर के आलमारी में रखे कैश के अलावा करीब पांच लाख रूपये की ज्वैलरी लेकर फरार हो गई।

क्रेशर का काम करने वाले दिनेश कुमार पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं और रायगढ़ के सुर्या विहार कालोनी में अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। दिनेश के दो बेटे हैं और दोनों बैंगलोर में रहकर पढाई कर रहे हैं। दिनेश कुमार की पत्नी शालिनी अग्रवाल बुधवार की सुबह घर में अकेली थी इसी दौरान आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया है।

बताया जा रहा है कि दो दिन पहले ही इस घटना को अंजाम देने वाली महिला दिनेश कुमार के घर में काम में लगी थी। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और तत्काल मौके पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एवं साइबर सेल की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अब महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 1000 रुपए

रायपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अब महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपए मिलेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के लिए अनुपूरक बजट में व्यवस्था कर ली गई है। जल्द ही प्रदेश की विवाहित माताओं- बहनों के खाते में पैसा जाने वाला है। साथ ही किसानों के खाते में धान का एक मुश्त राशि दिया जाएगा।

वहीं, विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी करने का वादा किया था। इसे लागू करने को लेकर जल्द ही आदेश जारी होने वाला है। फिलहाल, धान खरीदी 2100 रुपए में हो रही है। सीएम साय ने रायपुर में कार्यकर्ताओं के अभिनंदन समारोह में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि किसानों से किया वादा हम पूरा करने जा रहे हैं। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान लिया जा रहा है। सरकार 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान की कीमत देने वाली है। अभी एमएसपी खाते में जा रही है, लेकिन अंतर की राशि 900 सवा 900 रुपए एक मुश्त हमारी सरकार किसानों को देने वाली है, तो थोड़ा किसानों को धैर्य रखना है। निश्चित रूप से एक मुश्त उनको यह अंतर की राशि हम देंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने मंच से कहा कि बीजेपी का वादा पूरा होगा। मोदी की गारंटी भाजपा ने दी है, इसका मतलब ही है कि गारंटी के पूरा होने की पूरी गारंटी है। चाहे वह उज्जवला गैस के कनेक्शनधारी हैं, उन्हें 500 में गैस सिलेंडर देंगे। भूमिहीन मजदूर और किसान को 10 हजार रुपए सालाना बीजेपी सरकार देगी।

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन साल 2023-24 के तहत एक नवंबर 2023 से धान खरीदी हो रही है। राज्य सरकार अब तक किसानों से 91.07 लाख मीट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी कर चुकी है। धान के एवज में किसानों को 20, 208 करोड़ रूपए से अधिक राशि का भुगतान किया गया है। मार्कफेड के महाप्रबंधक दिलीप जायसवाल ने बताया कि 9 जनवरी के शाम तक की स्थिति में राज्य में समर्थन मूल्य पर अब तक 18 लाख 03 हजार 762 किसानों से 91 लाख 07 हजार 487 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है।

हड़ताल के पहले दिन ड्राइवरों का स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन खत्म

महासंगठन ने की काम पर लौटने की अपील

कबीरधाम, 10 जनवरी (एजेंसियां)। कबीरधाम में बुधवार को जिले के वाहन चालकों ने हड़ताल बुलाया था लेकिन, शाम करीब चार बजे इन लोगों ने हड़ताल को खत्म कर दिया है।

छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन के जिला अध्यक्ष राजेश श्रीवास ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा बनाए गए हिट एट रन के कानून, जिसमें दस साल की सजा का प्रावधान है, इस कानून के विरोध में बुधवार से स्टेरिंग छोड़ो आंदोलन बुलाया गया था। इसे अब निरस्त कर दिया है। उन्होंने सभी ड्राइवरों को काम पर लौटने की अपील किया है।

बता दें कि ये शांतिपूर्ण तरीके से स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन कर रहे थे। पहले दिन ही हड़ताल को वापस ले लिया गया है। वहीं दूसरी ओर इस हड़ताल के चक्कर में जिले के पेट्रोल पंप में मंगलवार शाम से ही भीड़ दिखाई दे रही थी। बुधवार को भी कई पंप में भीड़ थी। हालांकि, जिले के किसी भी पंप में तेल की कमी नहीं है। हड़ताल को देखते हुए प्रशासन की टीम भी सामान की आपूर्ति को लेकर निगरानी में लगी हुई थी।

बस-ट्रक ड्राइवर्स की हड़ताल स्थगित

महासंगठन ने जारी किया आदेश, कहा- काम पर लौटें चालक, सरकार के आश्वासन के बाद माने

रायपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। हिट एंड रन कानून के खिलाफ छत्तीसगढ़ में बस-ट्रक ड्राइवर्स की बुधवार से शुरू हुई हड़ताल स्थगित कर दी गई है। छत्तीसगढ़ ट्रक ड्राइवर महा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सेन ने चालकों से अपील की है कि वे काम पर लौट जाएं। इससे पहले प्रदेश के कई जिलों में सुबह से ही चालकों का प्रदर्शन जारी था। प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सेन ने कहा कि, सरकार के आश्वासन के बाद स्टेयरिंग छोड़ अभियान स्थगित कर दिया गया है। सभी ड्राइवर्स को काम पर लौटने का आदेश जारी किया जाता है। उन्होंने कहा कि, 10 जनवरी के बाद भी कोई ड्राइवर गाड़ी को रुकवाता है या अन्य चालक को प्रताड़ित करता है तो वह खुद जिम्मेदार होगा।

आंदोलन का भविष्य केंद्रीय टीम पर निर्भर

सेन ने कहा कि ये आंदोलन केंद्रीय टीम पर निर्भर है। हमारे राष्ट्र नेतृत्व बाबा कामले के आदेशों के अनुसार छत्तीसगढ़ ट्रक ड्राइवर महासंगठन भी काम

करेगा। फिलहाल प्रदेश के अलग-अलग जिलों में हजारों ड्राइवरों का स्टेरिंग छोड़ हड़ताल को स्थगित कर दिया गया है।

सीएम बोले- भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ वासियों से हिट एंड रन कानून के नए प्रावधानों को लेकर ट्वीट किया है। उन्होंने हिट एंड रन कानून के नए प्रावधानों को लेकर फैलाई जा रही अफवाओं से बचने की अपील की है। साय ने कहा कि कुछ स्वार्थी तत्वों ने सोशल मीडिया पर फेक पत्र के माध्यम से फैलाई जा रही भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें।

केंद्र सरकार द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(2) लागू करने से पहले अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस से विचार विमर्श करने के बाद ही निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने हिट एंड रन कानून से संबंधित नए प्रावधान अभी लागू नही होने के संबंध में पत्र और विडियो भी जारी किया गया है। रायपुर में मंगलवार देर रात कई पदाधिकारियों को पुलिस उठाकर ले गई। उन्हें सिविल लाइन थाने में रखा गया है। संघ के जिला अध्यक्ष चंपी छुरा के मुताबिक बहुत से ड्राइवर ने अपने मालिकों को मंगलवार को ही चाबी सौंप दी थी। वहीं कुछ ड्राइवर बुधवार को अपने मालिकों को चाबी थमा कर आंदोलन कर रहे हैं।

भाजपा विधायक पुष्पा देवी की गाड़ी पर हमले के मामले में 13 गिरफ्तार

40 के खिलाफ मामला दर्ज

रांची, 10 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले में भाजपा विधायक पुष्पा देवी की गाड़ी पर हमला करने के आरोप में 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में छतरपुर पुलिस स्टेशन में 40 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जिस वाहन से पुष्पा देवी और उनके पति मनोज कुमार भुइयां यात्रा कर रहे थे, उस पर वाणिज्यिक वाहन चालकों ने हमला किया था। बता दें कि मंगलवार को हिट एंड रन घटनाओं से संबंधित हालिया कानून के विरोध में उदयपुर में फोर-लेन सड़क को अवरुद्ध किया गया था। इसी दौरान विधायक पुष्पा देवी की गाड़ी पर तोड़फोड़ किया गया जिसमें दो सुरक्षा बल घायल हो गए थे।

जर्मनी में क्यों हुई ट्रेन स्ट्राइक?

लाखों लोग परेशान, रेलवे स्टेशनों पर पसरा सन्नाटा

बर्लिन, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जर्मनी में अचानक हुई ट्रेन स्ट्राइक से लाखों लोग परेशान हैं। जर्मनी के ट्रेन ड्राइवरों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संघ ने काम के घंटों और वेतन को लेकर राज्य के स्वामित्व वाले मुख्य रेलवे ऑपरेटर के साथ विवाद के बाद बुधवार सुबह लगभग तीन दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी। ट्रेनों के न चलने से रेलवे स्टेशनों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। देश भर में और कई शहरों में ट्रेन यात्रा लगभग ठप हो गई है। यात्री बस या कार यात्रा या फ्लाइट से लेकर लंबी दूरी के लिए ट्रेन के दूसरे विकल्प खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। राज्य के स्वामित्व वाली डॉयचे बान ने कहा कि लंबी दूरी की केवल 20% ट्रेनें चल रही थीं और बर्लिन जैसे शहरों में कम्यूटर ट्रेनें भी परिचालन में नहीं थीं। मालगाड़ियों को लेकर जीडीएल यूनियन की हड़ताल मंगलवार शाम से शुरू हो गई। वेतन विवाद में, जीडीएल यूनियन ने पिछले साल पहले ही दो चेतावनी हड़तालें बुलाई थीं, जो यात्री परिवहन में अधिकतम 24 घंटे तक चली थीं। मौजूदा हड़ताल शुक्रवार शाम 6 बजे तक रहेगी।

चीन के लिए 'सीक्रेट हथियार' हैं टूरिस्ट

यूं ही नहीं गिड़गिड़ा रहे मालदीव के राष्ट्रपति, भारत की बढ़ेगी टेंशन

बीजिंग, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के साथ पंगा लेने वाले मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीन से ज्यादा से ज्यादा पर्यटक भेजने की गुहार लगाई है। चीन की यात्रा पर पहुंचे मुइज्जू ने भारतीयों के बॉयकाट मालदीव की अपील के बाद चीन से यह अपील की है। मुइज्जू ने भारतीयों को मात देने के लिए यह चाल यूं ही नहीं चली है। दरअसल, चीन के लिए पर्यटक एक तरीके से सीक्रेट वेपन हैं जिसका इस्तेमाल वह बीजिंग के सुर में सुर मिलाने वाले देशों की मदद करने के लिए करता है। वहीं जो देश चीन का विरोध करते हैं, उनको सबक सीखाने के लिए चीन वहां अपने नागरिकों को जाने पर कई तरह के प्रतिबंध लगा देता है। चीन ताइवान, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों के खिलाफ इस शक्तिशाली हथियार का इस्तेमाल कर चुका है। मालदीव और चीन की इस चाल से भारत के लिए आने वाले दिनों में टेंशन बढ़ सकती है। मालदीव में अभी सबसे ज्यादा जाने वाले टूरिस्ट भारतीय हैं लेकिन चीन इस पलट सकता है।

चीन के करोड़ों लोग कोरोना से पहले हर साल दुनियाभर में घूमते थे। चीनी पर्यटक काफी खर्च करते थे जिससे उन देशों को करोड़ों डॉलर का लाभ होता था। कोरोना के बाद चीन की सरकार ने कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए और वहां के टूरिस्ट विदेश जाना कम कर दिए। इससे मालदीव, श्रीलंका, थाइलैंड जैसे देशों को बड़ा झटका लगा। यात्रा विशेषज्ञों का कहना है कि साल 2024 में एक बार फिर से चीनी टूरिस्ट दुनिया घूमने निकल सकते हैं। फार्चून मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक यही वजह है कि दुनियाभर के पर्यटक स्थल चीनी पर्यटकों का स्वागत करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। कोरोना की वजह से अब तक चीनी पर्यटक अपने देश में ही घूमने को प्राथमिकता दे रहे थे।

दुनियाभर में चीन के पर्यटकों का रहा है दबदबा

यही वजह है कि हाल ही में थाइलैंड ने चीनी पर्यटकों को हमेशा के लिए वीजा फ्री कर दिया है। फार्चून के मुताबिक साल 2019 में चीन से 15 करोड़ 50 लाख पर्यटक दुनिया घूमने निकले थे। वहीं साल 2023 में पहले 6 महीने में चीन के 4 करोड़ यात्री दुनिया घूमने निकले थे। यह संख्या बाद के महीने में बहुत ज्यादा बढ़ गई है। ट्रेवेल एक्सपर्ट का कहना है कि इस साल बहुत बड़ी तादाद में चीनी पर्यटक दुनिया घूमने के लिए जा सकते हैं। कोरोना से पहले चीन के टूरिस्ट दक्षिण एशियाई देशों में सबसे ज्यादा जाते थे। साल 2019 में थाइलैंड में 1 करोड़ 10 लाख चीनी पर्यटक पहुंचे थे। इससे थाइलैंड को 15.39 अरब डॉलर की आमदनी हुई थी। यह थाइलैंड की विदेशी पर्यटकों से होने वाली कुल आय का 27% था।

मालदीव में क्या है भारत और चीन के पर्यटकों का हाल?

मालदीव के पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक भारत साल 2023 में मालदीव के लिए टॉप टूरिस्ट मार्केट रहा। मालदीव में सबसे ज्यादा भारतीय पर्यटक 209,198 साल 2023 में पहुंचे थे। इसके बाद रूस और चीन 187,118 पर्यटकों के साथ तीसरे नंबर पर था। साल 2022 में भी भारत मालदीव के लिए सबसे बड़ा टूरिस्ट ठिकाना था। वहीं चीन टॉप थ्री में भी नहीं था। अगर कोरोना के पहले की बात करें तो चीन टॉप पर था और 2.80 लाख चीनी टूरिस्ट मालदीव घूमने पहुंचे थे। मालदीव के राष्ट्रपति ने चीन से गुहार लगाई है कि वह अपने पर्यटक मालदीव ज्यादा से ज्यादा भेजे ताकि वह फिर से टॉप टूरिस्ट मार्केट बन जाए। मालदीव की पर्यटन पर आधारित अर्थव्यस्था दौड़ने लगेगी और उनकी भारत पर से निर्भरता कम हो जाएगी। मालदीव के प्लान में एक बड़ा पेच है। साल 2019 वाली हालत में नहीं है। चीन अर्थव्यवस्था हांफ रही है। ऐसे में चीन के कितने पर्यटक इतनी दूर बसे मालदीव आना चाहेंगे, यह देखना होगा।

मालदीव का टूरिज्म एसोसिएशन बोला- भारतीय हमारे भाई-बहन

ईजमाईट्रिप से यात्रा फिर शुरू कराने की अपील, कहा- हमारे रिश्ते राजनीति से परे

माले, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के साथ विवाद के बीच मालदीव की टूरिज्म बॉडी ने भारत की ईज माय ट्रिप (ईजमाईट्रिप) कंपनी से मालदीव की यात्रा के लिए फिर से फ्लाइट बुकिंग शुरू करने की अपील की है। मालदीव एसोसिएशन ऑफ टूर एंड ट्रैवल ऑपरेटर्स (एमएटीएटीओ) ने मंगलवार को कहा- भारतीय हमारे लिए भाई-बहन जैसे हैं।

एमएटीएटीओ ने कहा- हम ईज माय ट्रिप से अपील करते हैं कि वो भारत को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान पर ध्यान न दें। यह बयान मालदीव के लोगों की भावनाओं को नहीं दर्शाता है। हम इसके लिए माफी मांगते हैं। ईज माय ट्रिप के सीईओ निशांत पिट्टी को एड्रेस करते हुए मालदीव के एसोसिएशन ने भारतीयों पर्यटकों की अहमियत भी बताई। एमएटीएटीओ ने कहा- भारत और मालदीव के बीच गहरी दोस्ती है। हमारे रिश्ते राजनीति से परे हैं। पर्यटन मालदीव के लोगों के जीवन का आधार है। यह सेक्टर हमारी जीडीपी में दो-तिहाई से ज्यादा का योगदान देता है। इस सेक्टर में मालदीव के करीब 44 हजार लोग काम करते हैं। इनकी आजीविका टूरिज्म पर ही आधारित है। इस विवाद की वजह से होने वाला नुकसान देश की अर्थव्यवस्था पर गलत असर डाल सकता है। एसोसिएशन ने आगे कहा- भारतीय पर्यटक मालदीव के टूरिज्म सेक्टर की सफलता के लिए बेहद अहम हैं। पर्यटकों की बदौलत ही मालदीव में गेस्ट हाउस और दूसरी सुविधाएं देने वाले मीडियम स्केल बिजनेस आगे बढ़ पा रहे हैं। हम बातचीत और एक-दूसरी की मदद करने की भावना में विश्वास रखते हैं।

पाक जेल में कैद 26/11 हमलों का मास्टरमाइंड हाफिज सईद

यूएन रिपोर्ट में पुष्टि, टेरर फंडिंग मामलों में 78 साल की सजा काट रहा आतंकी

इस्लामाबाद, 10 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा का चीफ हाफिज सईद पाकिस्तान की जेल में बंद है। यूएन की प्रतिबंध लगाने वाली कमेटी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- हाफिज टेरर फाइनेंसिंग के आरोप में पाकिस्तान की जेल में 78 साल की सजा काट रहा है। वो 12 फरवरी 2020 से जेल में बंद है।

दरअसल, यूएन सिक्योरिटी काउंसिल ने पिछले महीने आतंकी संगठन आईएसआईएल और अल-कायदा से जुड़े रिकॉर्ड्स में कुछ बदलाव किए। इसमें उन्होंने आतंकी संगठनों के सदस्य, इनकी संपत्ति, इन पर लगे बैन और हथियारों के जखीरे से जुड़ी जानकारी अपडेट की गई।

इन संशोधनों के साथ ही लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापकों में शामिल हाफिज अब्दुल सलाम भुट्टावी को भी मृत घोषित कर दिया गया। दरअसल, भुट्टावी की पिछले साल मई में पाकिस्तान की जेल में हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। भुट्टावी भी 26/11 हमलों की प्लानिंग में शामिल था। वो पंजाब प्रांत के शेखपुरा जेल में टेरर फंडिंग के मामले में सजा काट रहा था। इससे पहले 28 दिसंबर को पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया था कि भारत ने पाकिस्तान से हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की मांग की है। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की थी। मंत्रालय ने कहा था कि इसके लिए उन्होंने सभी जरूरी दस्तावेज पाकिस्तान सरकार को भेज दिए हैं। सईद ग्लोबल टेररिस्ट है और भारत में वॉन्टेड है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने कहा था कि दोनों देशों के बीच कोई प्रत्यर्पण संधि नहीं है। हाफिज सईद इस वक्त कथित तौर पर जेल में है। हालांकि कई मीडिया रिपोर्ट्स और यहां तक कि पाकिस्तानी जर्नलिस्ट्स भी खुलासा कर चुके हैं कि सईद जेल में नहीं है, बल्कि वो अपने घर में ही है। एक वक्त पाकिस्तानी मीडिया में छाए रहने वाला हाफिज सईद अब लाइमलाइट से बिल्कुल दूर है। सईद को करीब चार साल से किसी पब्लिक प्लेटफॉर्म पर नहीं देखा गया है। 2017 में पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते हाफिज सईद के संगठन लश्कर ए तैयबा के खिलाफ मुहिम चलानी पड़ी थी। उसे हाउस अरेस्ट में रखा गया था।

चांद पर नहीं उतरेगा अमेरिकी प्राइवेट कंपनी का स्पेसक्राफ्ट

फ्यूल लीक होने के बाद लैंडिंग असंभव, नासा का आर्टिमस-2 मिशन 2026 तक टला

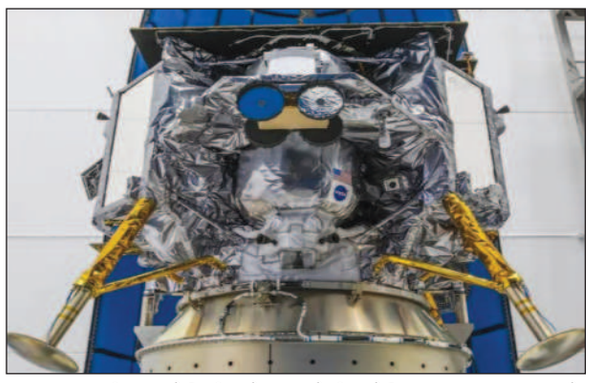

वॉशिंगटन, 10 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी प्राइवेट कंपनी का पेरेग्रीन-1 लैंडर चांद पर नहीं उतरेगा। इस लैंडर को बनाने वाली कंपनी एस्ट्रोबोटिक ने इसकी जानकारी दी। यह लैंडर 8 जनवरी को स्पेस में भेजा गया था।

एस्ट्रोबोटिक कंपनी ने कहा- लॉन्च के बाद दो बड़ी प्रॉबलम हो गईं। पहली- फ्यूल लीकेज और दूसरी- फेल बैटरी चार्किंग। पेरेग्रीन-1 लैंडर की लॉन्चिंग के चंद घंटों बाद फ्यूल लीक होने लगा। इस वजह से लैंडर उस जगह पर नहीं पहुंच पाया जहां से उसे सूरज की रोशनी मिलने वाली थी।

सौर उर्जा नहीं मिलने के कारण लैंडर पर लगे सोलर पैनल चार्च नहीं हो पाए और बैटरी सिस्टम फेल हो गया। हालांकि, हमारी टीम ने बैटरी चार्च करने का तरीका तो निकाल लिया लेकिन फ्यूल लीकेज नहीं रोक पाए। इस बीच अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने आर्टिमस-2 मिशन को 2026 तक के लिए टाल दिया है।

अब लैंडर को चांद के करीब पहुंचाना ही मिशन

कंपनी ने कहा- लॉन्चिंग से पहले हमारा मिशन चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग का था। सब सही होता तो 23 फरवरी को लैंडिंग होती। लेकिन अब हालात दूसरे हैं। अब हमारा मिशन लैंडर को चांद के जितना करीब हो सके उतना करीब ले जाना है। हम कोशिश कर रहे हैं कि बैटरी के सहारे वो सूरज के करीब पहुंच जाए जिससे सौर उर्जा के सहारे बैटरी लगातार चार्ज होती रहे और लैंडर से कुछ डेटा मिल सके।

इस मून मिशन का मकसद चंद्रमा पर पानी के मॉलिक्यूल्स का पता लगाना था। इसके साथ ही लैंडर के चारों ओर रेडिएशन और गैसों को मापना भी एक मकसद था। इससे पता चलता कि सोलर रेडिएशन का चांद की सतह क्या असर होता है।

द गार्डियन के मुताबिक, परेग्रीन-1 पर 15 पेलोड लगे हैं। इनमें से 5 नासा के हैं। यह चंद्रमा के मध्य-अक्षांश क्षेत्र पर 23 फरवरी को लैंड होने वाला था। इस इलाके को साइनस विस्कोसिटैटिस या स्टिकनेस की खाड़ी कहा जाता है। इसे 8 जनवरी को भारतीय समयानुसार दोपहर 12:48 बजे यूनाइटेड लॉन्च अलायंस कंपनी के वल्कन सेंटौर रॉकेट के जरिए फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से चांद की ओर रवाना किया गया था।

51 साल बाद कोई अमेरिकी स्पेसक्राफ्ट चांद पर उतरता

अगर लैंडिंग होती तो यह 51 साल में पहली बार होता जब कोई अमेरिकी मिशन चांद पर उतरता। इसके पहले 1972 में अपोलो 17 मिशन ने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की थी। इसके बाद अमेरिका ने साल 2022 में आर्टिमिस-1 मिशन को चांद पर रवाना किया था। लेकिन वह स्पेसक्राफ्ट चांद पर उतरा नहीं था। आर्टिमिस-1 ने चांद का चक्कर लगाया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने आर्टिमस-2 मिशन को 2026 तक के लिए टाल दिया है। नासा ने कहा- हम नहीं चाहते की चांद पर लैंडिंग के दौरान कोई भी परेशानी आए। हम अपनी को पर्याप्त समय देना चाहते हैं। किसी भी तरह की जल्दबाजी सही नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार रोकने के लिए हूतियों ने सात हफ्ते में किए 26 हमले

यूएस-यूके ने ऐसे नाकाम किए इरादे

वॉशिंगटन, 10 जनवरी (एजेंसियां)। लेबनान के ईरान समर्थित संगठन हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बाधित करने की कोशिशें जारी रखी हैं। इजराइल-हमास में जारी संघर्ष के बीच हूती बीते सात हफ्तों में इस व्यापार मार्ग पर 26 बार हमले कर चुके हैं। इस दौरान इस संगठन ने 18 ड्रोन लॉन्च किए। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने और ब्रिटिश सेना ने इन ड्रोन्स के साथ-साथ लेबनान से दागी गई दो एंटी शिप क्रूज मिसाइलें और एक एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल को भी मार गिराया।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से जारी बयान के मुताबिक, हूतियों ने ईरान द्वारा डिजाइन्ड ड्रोन्स और मिसाइलों से हमला किया। इनकी तरफ से दक्षिण लाल सागर को निशाना बनाया गया। हालांकि, इस हमले को नाकाम कर दिया गया। गौरतलब है कि इजराइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से ही हूतियों ने इजराइल समर्थक पश्चिमी देशों को चेतावनी दे दी थी। संगठन की तरफ से लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए जा रहे शिप-कंटेनरों को निशाना बनाया जा रहा है। इन हमलों और इजराइल की सुरक्षा के मद्देनजर अमेरिका और पश्चिमी देशों के समूह ने मार्ग की सुरक्षा के लिए समझौता किया और अपने कई हथियारों को इस क्षेत्र में तैनात किया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हूतियों के ताजा हमले में अमेरिका के तीन और ब्रिटेन के एक युद्धपोत ने जवाबी कार्रवाई की। हालांकि, हूतियों ने इस हमले के नाकाम हो जाने के बावजूद हमले जारी रखने की बात कही है।

साउथ कोरिया में 110 साल बाद डॉग मीट पर बैन

कानून के पक्ष में 100% सांसदों ने वोट दिए, 2027 से लागू होगा कम्पलीट बैन

सिओल, 10 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में डॉग मीट पर बैन से जुड़ा कानून पास हो गया है। मंगलवार को संसद में इस कानून के पक्ष में 208 सांसदों ने वोटिंग की। विरोध में कोई वोट नहीं आया। कानून में कई धाराएं हैं। इनको धीरे-धीरे लागू किया जाएगा और पूरी तरह ये कानून 2027 में अमल में लाया जाएगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक- साउथ कोरिया में डॉग मीट खाने की परंपरा करीब 110 साल पुरानी है। कई बार इस पर बैन की मांग और कोशिशें हुईं। हालांकि, कुछ ट्रेडर्स और कुछ इसके शौकीनों के चलते ये कोशिशें कामयाब नहीं हो सकीं।

एनिमल लवर प्रेसिडेंट

साउथ कोरिया में ज्यादातर लोग इस मीट बैन लॉ के बाद खुश हैं। कुछ ने तो जश्न भी मनाया और प्रेसिडेंट यून सुक ईओल का शुक्रिया अदा किया। उनकी पत्नी ने भी डॉग मीट बैन के लिए कैम्पेन चला रहे संगठनों का खुलकर साथ दिया था।

नए कानून के लागू होने के बाद डॉग ब्रीडिंग, स्लाटर हाउस (कसाईखाने) के साथ ही कुत्तों के बेचने और इनका मीट खाने पर रोक लग जाएगी। हालांकि, 2027 से ही कानून पूरी तरह लागू हो सकेगा। अगर किसी ने कानून तोड़ा तो उसे तीन साल जेल या जुर्माना देना होगा। नए स्लॉटर हाउस और डॉग फॉर्म्स पर फौरन रोक लगा दी गई है।

कानून में यह साफ नहीं है कि अगर कोई डॉग मीट खाते पाया जाएगा तो उस पर क्या कार्रवाई होगी। सरकार के इस कदम से डॉग ट्रेडर्स नाराज है और कानून को अदालत में चुनौती देने की बात कह रहे हैं।

ये बहुत बड़ी कामयाबी

साउथ कोरिया के एनिमल एक्टिविस्ट यूंग सियोन ने कहा- मुझे उम्मीद नहीं थी कि इस जन्म में मुझे इतना बड़ा फैसला देखने मिलेगा। हमारे देश में 100 साल से ज्यादा हुए, लेकिन इस पर रोक नहीं लग सकी थी।

कुछ लोगों का दावा है कि साउथ कोरिया के लोग स्टेमिना बढ़ाने के लिए डॉग मीट का सेवन करते हैं।

खासतौर पर गर्मियों में इसका इस्तेमाल बहुत ज्यादा किया जाता है। 2021 में पहली बार इस पर रोक की कोशिश की गई थी। एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री का दावा है कि 2022 में कुल 1100 डॉग ब्रीडिंग फॉर्म्स थे। इनमें हर साल 5 लाख 70 कुत्ते पैदा होते हैं। इन्हें देश के कुल 1600 रेस्टोरेंट्स में सप्लाई किया जाता है।

भारतीय मूल के अफसर ने नाबालिग के साथ संबंध बनाने का आरोप कबूला

सिंगापुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। सिंगापुर सशस्त्र बल (एसएएफ) में भारतीय मूल के एक वारंट अधिकारी ने नाबालिग के साथ संबंध बनाने का आरोप स्वीकार किया। वहां की स्थानीय मीडिया के अनुसार 50 वर्षीय सुब्रमण्यम थबुरन रंगास्वामी को इस मामले में एक फरवरी को सजा सुनाई जाएगी। अदालत ने पीड़िता की पहचान सार्वजनिक नहीं करने का आदेश दिया है।

उप लोक अभियोजक सुनील नायर ने बताया कि घटना छह दिसंबर 2021 की है जब वह पांचवीं मंजिल से नीचे उतरते समय सीढ़ियों से गिर गई और इस दौरान वहां मौजूद सुब्रमण्यम ने ही उसकी मदद की थी। इसके बाद पीड़िता अपने घर चली गई। इस दौरान सुब्रमण्यम भी अपनी मोटरसाइकिल की ओर बढ़ा तभी लड़की घर से चाय का एक 'केन' ले आई और दोनों कार पार्किंग के चौथे तल पर बैठकर बात करने लगे।

उन्होंने आगे बताया कि एक घंटे के बाद दोनों के बीच घनिष्ठता बढ़ी और दोनों ने संबंध भी बनाए। इसके बाद दोनों वहां से चले गए, दो दिन बाद लड़की ने सुब्रमण्यम के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। प्रथम वारंट अधिकारी सुब्रमण्यम को गिरफ्तारी के बाद निलंबित कर दिया गया।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के विमान को खराब मौसम के कारण वॉशिंगटन क्षेत्र के हवाई अड्डे की तरफ मोड़ना पड़ा। उपराष्ट्रपति का विमान जॉर्जिया से लौट रहा था।

प्रेस सचिव कर्स्टन एलेन ने कहा, आज रात अटलांटा जीए से आते समय खराब मौसम के कारण विमान को ज्वाइंट बेस एंड्रयूज से डलेस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया था। विमान को डलेस में सुरक्षित उतरा गया। बताया जा रहा कि उपराष्ट्रपति अब अपने घर पर है।

अमेरिका बोला- अरब देशों से रिश्ते सुधारे इजराइल

कहा- इजराइल के लिए यह सही मौका, लेबनान में हिजबुल्लाह का ड्रोन चीफ ढेर

तेल अवीव, 10 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका ने इजराइल को अरब देशों के साथ रिश्ते सुधारने की सलाह दी है। मिडिल ईस्ट के दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन मंगलवार को तेल अवीव पहुंचे। यहां उन्होंने इजराइली अफसरों से लंबी बातचीत की। इसी दौरान ब्लिंकन ने कहा- इजराइल के लिए ये बिल्कुल सही मौका है जब वो अरब देशों के साथ आपसी रिश्ते सुधार सकता है। इजराइल और हमास की जंग के बीच हिजबुल्लाह पर भी इजराइली सेना ने हमले तेज कर दिए हैं। मंगलवार को इनमें हिजबुल्लाह का एक और कमांडर मारा गया।

इजराइल और अरब देशों के रिश्ते सुधारने के लिए अमेरिका लगातार कोशिश करता रहा है। सितंबर 2023 में प्रेसिडेंट जो बाइडेन ने साफ तौर पर कहा था कि वो अपने टैन्योर में इजराइल और अरब देशों के बीच नॉर्मल डिप्लोमैटिक रिलेशन चाहते हैं। बाइडेन ने इस मामले में खास तौर पर सऊदी अरब का नाम लिया था। हालांकि, इजराइल और हमास जंग के बाद यह काम मुश्किल नजर आता है। एंटनी ब्लिंकन ने इसी तरफ इशारा किया और अच्छे रिश्तों की पहल इजराइल की तरफ से कराए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा- अरब वर्ल्ड में अमन की बहुत जरूरत है और मैं चाहता हूं कि इजराइल अब अरब देशों से अपने रिश्ते सुधारे। उसके पास यह बहुत अच्छा मौका भी है, क्योंकि अरब देश भी नहीं चाहते कि इस इलाके में जंग के हालात बार-बार बनें।

ब्लिंकन ने माना कि अरब देश चाहते हैं कि इजराइल सबसे पहले गाजा पर हमले बंद करे और हमास के साथ 7 अक्टूबर के बाद से जारी जंग खत्म करे। उन्होंने कहा- हमने कई मुद्दों पर बातचीत की है, लेकिन नतीजे आने में कुछ वक्त और लग सकता है। ब्लिंकन एक तरफ जंग के माहौल को ठंडा करने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी तरफ इजराइल के सिक्योरिटी मिनिस्टर बेन गिविर के तेवर इस मामले पर तल्ख हैं। उन्होंने कहा- यह वो वक्त नहीं है, जब हम हमास पर नर्म रुख अपनाएं और अपनी ग्रिप कमजोर करें।

मौत के बाद भी परवेज मुशर्रफ को नहीं मिली माफी

सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखी मौत की सजा

इस्लामाबाद, 10 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह मामले में दिवंगत पूर्व सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ की मौत की सजा को बरकरार रखा है। पाकिस्तान के विभिन्न मीडिया पोर्टल्स पर यह जानकारी दी गई है।करगिल युद्ध के षड्यंत्रकर्ता माने जाने वाले परवेज मुर्शरफ की पिछले साल 5 फरवरी को दुबई में लंबी बीमारी की वजह से मौत हो गई थी। वह साल 2016 से पाकिस्तान में लगाए उनपर लगाए गए आरोपों में सजा से बचने के लिए दुबई में रह रहे थे।

परवेज मुशर्रफ से जुड़े मामले की सुनवाई पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फ़ैज़ ईसा की अध्यक्षता वाली चार जजों की बेंच ने की। इस बेंच में जस्टिस मंसूर अली शाह, जस्टिस अमीनुद्दीन खान और जस्टिस अतहर मिनल्लाह शामिल थे। 17 दिसंबर, 2019 को पाकिस्तान की एक स्पेशल कोर्ट ने परवेश मुशर्रफ को मौत की सजा सुनाई थी। यह सजा साल 2007 में असंवैधानिक तरीके से इमरजेंसी लगाने के लिए मामले में लिया गया था। उस समय पाकिस्तान में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी की सरकार थी।

पूर्व राष्ट्रपति द्वारा दायर की गई याचिका पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि परवेज़ मुशर्रफ के उत्तराधिकारियों ने कई नोटिसों पर भी मामले का पालन नहीं किया। परवेज मुशर्रफ के वकील सलमान सफदर ने कहा कि उन्होंने मुशर्रफ के परिवार के कई बार संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया। पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान लाहौर हाई कोर्ट द्वारा सुनाए गए फैसले को अमान्य घोषित कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लाहौर हाई कोर्ट का फैसला कानून के खिलाफ है।

यूडीएच मंत्री बोले- जयपुर में अतिक्रमण और गंदगी बर्दाश्त नहीं

विभाग में भ्रष्टाचार नहीं हो यही मेरी पहली प्राथमिकता, जमीन के बदले जमीन पर लगाई रोक

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने सचिवालय में विभाग के अफसरों से गहलोत सरकार की जमीन के बदले जमीन देने के मामलों की जांच रिपोर्ट 7 दिन में मांगी है। खर्रा ने जेडीसी को निर्देश दिए कि 5 सालों में जमीन के बदले जमीन के कितने प्रकरण आए हैं, उनकी पूरी सूची दी जाए। खर्रा के लहजे से साफ था कि नई भजनलाल सरकार सबसे पहले गहलोत सरकार की जमीन के बदले जमीन मामलों की जांच कराएगी। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि राजस्थान में स्वायत्त शासन विभाग में पारदर्शिता के साथ भ्रष्टाचार के बिना तय समय पर सभी काम हो, यही मेरी प्राथमिकता है। कैबिनेट मंत्री खर्रा ने जनता से जुड़े सवालों पर अपनी बात रखी।

स्वायत्त शासन विभाग के अधिकारियों को बैठक में मैंने सिर्फ एक ही निर्देश दिया है। मुझे मेरे विभाग में पारदर्शिता के साथ समय पर काम पूरा मिलना चाहिए। जो भी प्रोजेक्ट पूरे राजस्थान में चल रहे हैं। वह समय पर पूरे होने चाहिए। मेरे

विभाग में बिल्कुल भी भ्रष्टाचार नहीं हो। यही मेरी पहली प्राथमिकता है।

इसके साथ ही मुझे आईपीडी टावर और सफाई व्यवस्था को लेकर भी काफी शिकायतें मिली है। ऐसे में जो भी प्रोजेक्ट बिना किसी कारण अटके हुए है। वह जल्द से जल्द पूरे हो। जो मामले कोर्ट में सालों से लंबित है। उनकी मजबूत पैरवी के लिए आज मैने अधिकारियों को आदेश दिए है।

इसके साथ ही पिछले 5 सालों में जमीन (लैंड) के बदले जमीन के कितने प्रकरण आए हैं। इसकी जानकारी मांगी है। इसके साथ ही भूमि के बदले भूमि से संबंधित प्रकरणों में भविष्य में कोई भी कार्यवाही नहीं करने के साथ ही जो प्रकरण जिस स्थिति में है, आगामी आदेशों तक उसे वही रोकने के निर्देश दिए है।

मैंने विभागीय अधिकारियों से काफी सूचनाएं मांगी है। जिसके लिए 3 से 7 दिन का वक्त उन्होंने मुझे मांगा है। उनका जवाब मिलने के बाद में अपनी रिपोर्ट से उनका मिलान करूंगा। उसके बाद ही मैं इस बात का जवाब दे पाऊंगा। इसके साथ ही जयपुर हेरिटेज नगर निगम क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण और गंदगी को लेकर भी मैंने अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है, क्योंकि जयपुर हेरिटेज नगर निगम क्षेत्र में सभी ऐतिहासिक पर्यटक स्थल है। ऐसे में वहां गंदगी और अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री जन आवास योजना से संबंधित कितने प्रोजेक्ट लंबित है। किस कारण अब तक पूरे नहीं हो पाए है। उनको कैसे तय समय पर पूरा किया जा सकता है। इसको लेकर भी अधिकारियों से रिपोर्ट के साथ ही पिछले 4 साल में प्रदेश में भूमि आवंटन किस-किस व्यक्ति और संस्था को किस उद्देश्य से किए गए हैं। इसकी जानकारी मांगी है। नगर निगम को एक करने के मुद्दे पर सबसे पहले मैं हमारे जनप्रतिनिधियों से बात करूंगा। उसके बाद मेरा जो भी निष्कर्ष निकलेगा। उसे मैं मुख्यमंत्री से साझा करूंगा। उनसे चर्चा के बाद इस तरह के प्रस्ताव को कैबिनेट में भेजा जाएगा, क्योंकि यह फैसला कैबिनेट में ही हो पाएगा।

हेल्थ मिनिस्टर बोले-डॉक्टर टाइम पर नहीं आए तो सस्पेंड होंगे

ड्यूटी के दौरान प्राइवेट प्रैक्टिस की तो एक्शन होगा, कम्प्रोमाइज नहीं करूंगा

जयपुर,10 जनवरी (एजेंसियां)। हेल्थ मिनिस्टर गजेंद्र सिंह खींवसर (नागौर) ने डॉक्टरों को चेतावनी देते हुए सरकारी हॉस्पिटल में देर से आने की आदत सुधार लेने की नसीहत दी। उन्होंने कहा- अगर डॉक्टर वक्त पर हॉस्पिटल नहीं पहुंचे और प्राइवेट प्रैक्टिस करते पाए गए तो सीधे सस्पेंड कर दूंगा। मैं बिल्कुल कम्प्रोमाइज नहीं करूंगा।

जयपुर जाते समय डीडवाना-कुमाचन में रुके

हेल्थ मिनिस्टर गजेंद्र सिंह खींवसर से जयपुर जाते वक्त डीडवाना-कुचामन पहुंचे थे। कुचामन शहर में होटल करणी कोर्ट बाइपास और मेघा प्रॉपर्टीज पर मंत्री खींवसर से कुचामन के केमिस्ट सोसायटी मेंबर्स, हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारियों, लायंस क्लब सदस्यों और राजपूत समाज के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की थी।

इस दौरान मंत्री ने कहा- ड्यूटी के समय कोई भी डॉक्टर अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं करेगा। अगर ऐसा करते पाया गया तो सीधे सस्पेंड कर दिया जाएगा। मैं किसी तरह का कंप्रोमाइज नहीं करूंगा। सरकार का पैसा लेकर आप ड्यूटी टाइम में निजी प्रैक्टिस नहीं कर सकते। इसे रोकने के लिए मैं फ्लाइंग स्क्वॉड लगाऊंगा। मैं खुद चेकिंग करूंगा। यह बहुत गंभीर विषय है। इसको मैं बेहद गंभीरता से ले रहा हूं। इस पर एक्शन लूंगा।

जनसंख्या के अनुपात में बढ़ेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा- सुदूर ग्रामीण इलाकों तक चिकित्सा सुविधाएं मजबूत करना हमारा टारगेट है। हम जनसंख्या के अनुपात में चिकित्सा सुविधाएं, संसाधन और हॉस्पिटल का निर्माण कराएंगे। पिछली प्रदेश सरकार के कार्यकाल में चिरंजीवी योजना बोगस साबित हुई। 25 लाख रुपए का वादा करके अधिकतम 8.50 लाख रुपए ही इलाज कराने वाले मरीजों को दिए गए। आने वाले दिनों में सरकार की आयुष्मान योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ प्रदेश की जनता को मिले, इस पर हम काम कर रहे हैं।

भारी कर्ज छोड़कर गई पिछली सरकार

मंत्री खींवसर ने कहा- पिछली सरकार ने राजस्थान को भारी कर्ज में छोड़ा है। अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना चुनौती है। जल्द ही हमारी सरकार यह काम कर लेगी। वित्त विभाग इस पर काम कर रहा है। आरजीएचएस के साथ ही अन्य योजनाओं में रुके हुए भुगतान के बारे में जल्द फैसला लेंगे।

इस दौरान केमिस्ट सोसायटी अध्यक्ष श्रीपाल सिंह रसाल, मनोहर सिंह रूपरा, ओम सिंह लीचाणा, भगवान सिंह रसाल, हुकम सिंह आसरवा, लॉयंस क्लब के श्याम मंत्री, पीएमओ डॉ. प्रहलाद बाजिया, डॉ. वीके गुप्ता ने हेल्थ मिनिस्टर को स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी समस्याएं शेयर कीं। राज्य मंत्री और स्थानीय विधायक विजय सिंह चौधरी, नागौर जिला प्रमुख भागीरथ राम चौधरी और कई भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस दौरान मौजूद रहे।

4 डिग्री गिरा न्यूनतम तापमान

15 जिलों में छाया घना कोहरा

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर खत्म होने के साथ ही राजस्थान में फिर से तापमान गिरने लगा है। जयपुर, सीकर, भरतपुर समेत कई शहरों में रात से कोहरा छाने लगा, जो सुबह देर तक रहा। कई शहरों में बुधवार को न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई। अधिकांश इलाकों में सुबह गलन भरी सर्दी रही। सर्द हवा के कारण ठिठुरन बढ़ गई है।

जयपुर, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, अलवर, भरतपुर, कोटा, सवाई माधोपुर, दौसा, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, टोंक, धौलपुर, करौली और बूंदी जिले में आज कोहरा रहा। इन शहरों में बीती रात भी कोहरा रहने से गलन रही।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले कुछ दिन अब उत्तरी हवा के असर से पूरे राजस्थान में सुबह-शाम सर्दी तेज रहेगी। कुछ जगहों पर पाला पड़ने जैसी स्थिति हो सकती है।

बीकानेर में आज न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस गिरकर 5 पर पहुंच गया। जैसलमेर और जोधपुर में भी मिनिमम टेम्प्रेचर में 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई। हिल स्टेशन माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस रहा। उधर, अजमेर और उदयपुर में मिनिमम टेम्प्रेचर में 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हुई।

कल सुबह कई शहरों में कोहरा और बादल छाने के बाद दोपहर करीब 2 बजे धूप निकली।

सांसद बोहरा बोले- हटाएंगे गुलामी की निशानियां

जहां ढाई दिन का झोपड़ा, वहां पहले था संस्कृत संस्थान, फिर से करेंगे संरक्षण

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से ठीक पहले जयपुर शहर के सांसद रामचरण बोहरा ने नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। बोहरा ने प्रसिद्ध ढाई दिन का झोपड़ा, जहांगीर महल और अल्बर्ट हॉल को गुलामी की निशानी बताते हुए उन्हें जड़ से हटाने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया है कि गुलामी की मानसिकता और निशानियों से मुक्ति पाने का समय आ गया है। उन्होंने दावा किया कि वे जल्द ही ढाई दिन का झोपड़ा (वर्तमान में एक मस्जिद है) को देखने अजमेर जाएंगे।

राजस्थान यूनिवर्सिटी के स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल के सामने दिए इस बयान के बाद सासंद बोहरा से इस मुद्दे पर कहा मेरे मन में बहुत दिनों से यह प्रश्न था कि बारहवीं शताब्दी में संस्कृत महाविद्यालय, गुरुकुल और मंदिर के रूप में संचालित उस स्थान को आखिर हमलावरों ने क्यों नष्ट किया? उस इमारत के बारे में स्पष्ट रूप से प्रमाण है कि वो एक संस्कृत संस्थान था। ऐसे में मैंने राज्यपाल कलराज मिश्र की उपस्थिति में यह बात कही।

संस्कृत संस्थान को 11-12वीं सदी के बीच

विग्रहराज चौहान सम्राट ने बनवाया था, जो सम्राट पृथ्वीराज चौहान के पूर्वज थे। सनातन धर्म-संस्कृति के मुख्य केंद्र रहे पुष्कर के पास यह स्थान भी संस्कृत और सनातन को समर्पित था। वहां वेदों का अध्ययन होता था।

मैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्यपाल कलराज मिश्र को पत्र लिखकर मांग करूंगा कि यह जो ढाई दिन का झोपड़ा है, वहां पर वापस उसी रूप में संस्कृत विद्यालय चलाया जाना चाहिए। वहां इमारत में कमल के फूल, स्वास्तिक, चक्र आदि बने हुए हैं। संस्कृत श्लोक और मंत्र लिखे हुए हैं। शिलालेख लगा हुआ है। वहां जो कुछ भी है, उसे संरक्षित किया जाना चाहिए।

मैं केंद्र सरकार से आग्रह करूंगा कि जल्द ही इस विषय में कार्रवाई करें। मैं लोकसभा में इस मामले को उठाऊंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान भी इस ओर आकर्षित करूंगा, ताकि गुलामी की मानसिकता को खत्म किया जाए। राम मंदिर (अयोध्या) भी कभी मस्जिद के रूप में था। आज सदियां बीत गईं, पीढ़ियां खप गईं, लेकिन अब भव्य मंदिर बन ही रहा है।

अचानक से कुछ नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार कह रहे हैं कि गुलामी की मानसिकता और निशानियों से मुक्ति पाने का युग है। ऐसे में हमें कभी न कभी, कहीं न कहीं से पहल तो करनी ही है।

ढाई दिन का झोपड़ा हो या अल्बर्ट हॉल या जहांगीर महल। इन सबके बारे में मैं जल्द ही सीएम भजनलाल शर्मा और पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करूंगा और मांग करूंगा कि इनका अध्ययन करवाया जाए। उसके बाद इनका नाम परिवर्तित करने की कार्रवाई करनी ही चाहिए।

न तो अयोध्या में राम मंदिर बनाना राजनीतिक मुद्दा था और न ही जो मैं बोल रहा हूं, वो राजनीतिक मुद्दा है।

दो लोगों के खिलाफ चाइल्ड पोर्नोग्राफी का मामला दर्ज

जोधपुर में नाबालिगों के अश्लील वीडियो किए शेयर, टिपलाइन की रिपोर्ट पर कार्रवाई

जोधपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेशभर का नेटवर्क खुफिया एजेंसी की रडार पर होने के बावजूद चाइल्ड पोर्नग्राफी से जुड़े मामलों में कमी नहीं आ रही है। टिपलाइन की रिपोर्ट में एक बार फिर से जोधपुर के लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई है। दोनों ही लोगों ने नाबालिग बालक के अश्लील वीडियो कंटेंट को सोशल मीडिया पर शेयर किया था। पिछले 10 दिनों में जोधपुर जिले में यह 6ठां मामला सामने आया है।

लूणी थाना पुलिस ने बताया कि टिपलाइन की रिपोर्ट पर थाना क्षेत्र के फिंच निवासी किशनाराम पुत्र जोगाराम विश्नोई व भटिण्डा निवासी मांगीलाल पुत्र दलाराम के खिलाफ पुलिस ने एक नाबालिग के अश्लील वीडियो कंटेंट को शेयर करने का मामला दर्ज किया है।

लूणी थाना प्रभारी राजेंद्र चौधरी

ने बताया कि दोनों ही आरोपियों ने 29 नवंबर को फिंच क्षेत्र में ही अश्लील वीडियो व कंटेंट को शेयर किया था। यह साइबर टिपलाइन में सामने आया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश की जा रही है।

आपको बता दे कि अश्लील वीडियो अपलोड, डाउनलोड व शेयर करने के मामले में जोधपुर के नेटवर्क पर ट्रेफिक काफी बढ़ गया है। ऐसे में खुफिया एजेंसी की सबसे ज्यादा नजर जोधपुर में उपयोग लिए जा रहे सभी मैसेजिंग सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बनी हुई है।

जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग बने सरकारी मुख्य सचेतक

बोले- मेरे सभी विपक्षी विधायकों से मधुर संबंध, बेहतर तालमेल से विधानसभा चलाएंगे

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। जालोर से भाजपा के वरिष्ठ विधायक जोगेश्वर गर्ग को सरकारी मुख्य सचेतक नियुक्त किया है। विधानसभा ने उनकी नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। गर्ग विपक्ष में रहते हुए भी बीजेपी विधायक दल के सचेतक थे। उनका नाम मंत्री के दावेदारों में था, लेकिन अब उन्हें विधानसभा में बीजेपी सरकार का फ्लोर मैनेजमेंट संभालने की जिम्मेदारी दी गई है।

वे जालोर से 5वीं बार के विधायक हैं। सबसे पहले 1990 में विधायक बने थे। गर्ग 1990 के बाद 1993 में भी विधायक बने। 1998 का चुनाव हार गए, लेकिन 2003 में फिर विधायक बने। इसके बाद 10 साल

विधायक नहीं बन सके। 2018 और 2023 में जालोर से लगातार विधायक का चुनाव जीते। उन्हें सदन के फ्लोर मैनेजमेंट का अच्छा अनुभव है।

गर्ग 1990 में भैरोंसिंह शेखावत के नेतृत्व वाली सरकार में स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री रह चुके हैं। उनके पास यूडीएच, स्वायत्त शासन और पीएचईडी, आयुर्वेद विभाग थे। गर्ग भाजपा में कई पदों पर रह चुके हैं। गर्ग भाजपा एससी मार्चा के प्रदेशाध्यक्ष, राष्ट्रीय मंत्री रह चुके हैं। भाजपा की राष्ट्रीय परिषद और बीजेपी प्रदेश कार्य समिति सदस्य भी रह चुके हैं। जोगेश्वर गर्ग 1968 से आरएसएस में सक्रिय रहे हैं।

जोगेश्वर गर्ग ने बीमा और बैंकिंग सैक्टर से करियर की शुरुआत की। 1980 से 1983 तक एलआईसी में नौकरी की। 1983 से 1990 तक मारवाड़ ग्रामीण बैंक में अधिकारी रहे। 1990 में नौकरी छोड़कर चुनाव लड़ा और पहली बार विधायक बने।

सरकारी मुख्य सचेतक नियुक्त होने के बाद उन्होंने कहा- विपक्ष मजबूत होना ही चाहिए, तभी विधानसभा सदन में अच्छी बहस होती है और सरकार भी सही काम करती है। सरकारी मुख्य सचेतक नियुक्त होने के बाद गर्ग ने कहा- विपक्ष के ज्यादातर विधायकों से मेरे मधुर संबंध है, इसलिए मजबूत विपक्ष होते हुए भी सदन को बेहतर ढंग से चलाने में दिक्कत नहीं आएगी। विपक्ष की वाजिब बातों को माना जाएगा।

उन्होंने कहा- पक्ष और विपक्ष मिलकर राजस्थान की जनता की भलाई के लिए सदन में चर्चा करें, सार्थक बहस हो इस पर पूरा प्रयास होगा।

हाथ-पैर काम नहीं करते, मुंह से बनाया राम-अयोध्या का चित्र

यूट्यूब वीडियो देखकर पेंटिंग बनाना सीखा, दांतों से पकड़ती हैं ब्रश

अजमेर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा उत्सव है। इस खास मौके के लिए अजमेर जिले में रहने वाली नंदिनी गौड़ ने महज 10 दिन में दीये पर भगवान राम और अयोध्या का चित्र बनाया है। नंदिनी के हाथ-पैर काम नहीं करते हैं। उन्होंने यह चित्रकारी मुंह से की है।

नंदिनी ने बताया कि अब तक 15 से ज्यादा पेंटिंग बना चुकी हूं। कई स्केच और दीपक भी बनाए हैं। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव में अपने तरीके से कॉन्ट्रिब्यूट करना चाहती थी। इसके लिए मेरे पास सिर्फ आर्ट ही एक जरिया थी।

दीपक को मैंने इसलिए चुना क्योंकि दीपावली पर दीपक का काफी महत्व होता है। मैंने सोचा- क्यों न दीपक को ही अलग तरीके से प्रजेंट किया जाए। दीपक पर मंदिर और भगवान राम का चित्र बनाने के लिए वॉटर कलर्स और ग्लिटर कलर्स का उपयोग किया था। अब यह दीया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गिफ्ट करना चाहती हूं।

नंदिनी ने बताया- 2018 से पेंटिंग कर रही हूं। सबसे पहले अपने पापा का चित्र बनाया था। यूट्यूब पर वीडियो देखकर पेंटिंग करना सीखा था। यूट्यूब से आइडिया लेकर ही चित्र बनाती थी। हाथ डिसेबल होने के कारण मुंह से पेंटिंग करना शुरू किया था। शुरुआत में दांतों से ब्रश पकड़ने में मुश्किल होती थी, लेकिन धीरे-धीरे आदत में आ गया।

बकौल नंदिनी, मैं 22 साल की हूं। हाथ-पैर से डिसेबल हूं। जयपुर में 2007 के बाद 2010 में मेरे पैरों का दूसरा ऑपरेशन हुआ था। 4 महीने तक प्लास्टर रहा था। उसके बाद भी पैर सीधे नहीं हुए और घाव भी रह गया था। उम्मीद थी कि मैं ठीक हो जाऊंगी। ऑपरेशन फेल होने से उम्मीद भी टूट गई। एक बार तो लगा था- बोझ बनने से अच्छा है, मर जाऊं। धीरे-धीरे पेंटिंग के ब्रश और कलर मेरी जिंदगी बन गए। पेंटिंग के रंगों ने मेरे जीवन में भी रंग भर दिए।

नंदिनी ने बताया कि माता-पिता ने जयपुर के दिशा इंटरनेशनल डिसेबल स्कूल में एडमिशन करवाया था। स्कूल में व्हीलचेयर यूज की थी। जैसे-जैसे दिन निकलते गए, वैसे-वैसे डिसेबल लाइफ महसूस होती गई।

उस समय मैं करीब 6 से 7 साल की थी। जयपुर में 8वीं तक पढ़ाई की। 2012 में परिवार को वापस अजमेर में शिफ्ट होना पड़ा था। जयपुर में हर दिन कई लोगों से मिलती थी। अजमेर आने के बाद घर में अपने कमरे में अकेली रहती थी।

पिता की मौत के दिन ही बेटी-दामाद की गई जान

श्रीगंगानगर, 10 जनवरी (एजेंसियां)।हरियाणा में शेरगढ़ के पास सोमवार दोपहर हुए हादसे में श्रीगंगानगर के रहने वाले बनवारी लाल(57) और उनकी पत्नी दर्शना देवी (52) की मौत हो गई। हादसे से कुछ देर पहले ही दर्शना को पता चला था कि उनके पिता का देहांत हो गया।

अपने परिवार के साथ हिसार के लिए निकली थीं, लेकिन घरवालों को पता नहीं था कि कुछ ही देर में इनकी मौत की खबर आ जाएगी। सभी के शव को घर पहुंचे और उनका अंतिम संस्कार हुआ।

जिन पड़ोसियों को दर्शना घर की चाबी सौंप कर गई थीं, उन्हीं पड़ोसियों ने जब शवों को रखने के लिए घर का दरवाजा खोला तो रो पड़े। बोले- दर्शना अपने पड़ोस की स्कूल की टीचर रेखा से कहती थीं कि तुमसे पहले मैं रिटायर हो जाऊंगी।

पड़ोसी रमेश कुमार ने बताया कि दर्शना काफी खुशमिजाज थीं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता होने के कारण इलाके के हर घर में उनकी पहुंच थी। दो दिन पहले पड़ोस के स्कूल की टीचर घर आईं तो दर्शना उनसे बात करने लग गईं। बातों-बातों में रिटायरमेंट तक बात पहुंच गई। शिक्षिका ने अपने रिटायरमेंट में 4 साल शेष होने की बात कही। इस पर दर्शना ने कहा था कि मेरे रिटायरमेंट में 8 महीने बाकी हैं, लेकिन हो सकता है मैं पहले ही रिटायर हो जाऊं। शायद विधि को भी यही मंजूर था।

हरियाणा के शेरगढ़ के पास सोमवार को पेड़ से टकराने से कार सवार एक ही परिवार के 5 लोगों और ड्राइवर की मौत हो गई थी।

सेना के जवान ने किया सुसाइड

महाराष्ट्र के कोल्हापुर का जवान ईटाराणा कैंट में परिवार के साथ रहता था

अलवर, 10 जनवरी (एजेंसियां)। अलवर के ईटाराणा छावनी में महाराष्ट्र के कोल्हापुर के सेना के जवान ने सुसाइड कर लिया। जो परिवार के साथ ईटाराणा कैंट में रहता था। जवान ने खुद के कमरे में फंदा लगा लिया। अस्पताल लेकर आए तो डॉक्टर ने मृत बता दिया।

अलवर के MIA थाना के ASI महेश ने बताया कि महाराष्ट्र के कोल्हापुर का सेना का जवान महेश (31) पुत्र रामचंद्र 10 साल से नौकरी कर रहा था। अभी उसकी ईटाराणा कैंट में ड्यूटी थी। वह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ यहां रहता था। अचानक घर में फंदा लगा लिया। जिसे आर्मी अस्पताल लेकर आए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के बाद पत्नी को सौंप दिया। पोस्टमार्टम के दौरान आर्मी के जवान व पुलिस की टीम भी मौजूद रही। सुसाइड के कारणों का पता नहीं चला है।

व्यापारी से 3.66 लाख रुपए हड़पे: प्लस डोर प्लाई का करना था सप्लाई, ले लिए 7.19 लाख रुपए

चित्तौड़गढ़, 10 जनवरी (एजेंसियां)। प्लस डोर प्लाई की सप्लाई के बहाने एक व्यापारी से लाखों रुपयों की धोखाधड़ी हो गई। आरोपी को 7 लाख 19 हजार रुपए का माल पहुंचाने के लिए एक गाड़ी बुक की थी। लेकिन कंपनी तक सिर्फ 3 लाख 53 हजार रुपए ही पहुंचे। बाकी के 3 लाख 66 हजार रुपए धोखा देने वाला आरोपी खुद ले गया। इस मामले में थाने में एक रिपोर्ट दी गई है। मामला राशमी थाना क्षेत्र का है। भाग्यलक्ष्मी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के नाम से पंचायत समिति चौराहे, राशमी के पास शांतिलाल (38) पुत्र भेरूलाल सुथार का गोदाम और दुकान स्थित है। पीड़ित के पास आरोपी हनुमान नगर, जयपुर निवासी राजेंद्र कुमार शर्मा करीब 7 महीने पहले आया। उसने खुद को तनीश एंटरप्राइजेज जयपुर का प्रोपराइटर बताया। उसने व्यापारी से कहा कि वो दुकान पर प्लस डोर प्लाई की सप्लाई कर देगा। इसके लिए जयपुर से एक गाड़ी भेजेगा। बदले में 7 लाख 19 हजार रुपए देने होगा। दोनों ने सौदा फिक्स कर लिया। पीड़ित व्यापारी ने 2 लाख 16 हजार रुपए नकद दे दिए, शेष राशि आरोपी द्वारा बताई गई सनवेल प्लाई बोर्ड इंडस्ट्री के खाता नंबर में 3 लाख 53 हजार रुपए जमा कराएं। इसके अलावा डेढ़ लाख रुपए आरोपी के पेटीएम फोन स्कैनर पर ट्रांसफर किए गए। आरोपी लगातार उसके बाद टालम टोली करने लगा। लगातार कभी गाड़ी रवाना होने की बात कही तो कभी गाड़ी खराब होने का बहाना करने लगा।

लोक प्रशासन के अंतर्गत प्राप्त प्रत्येक आवेदन की ऑनलाइन प्रविष्टि: आयुक्त

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने खुलासा किया कि सार्वजनिक प्रशासन के दौरान प्राप्त प्रत्येक आवेदन को ऑनलाइन दर्ज किया जा रहा है। बुधवार को कमिश्नर ने बेगमपेट, सिकंदराबाद जोनल कार्यालय में सिकंदराबाद सर्किल से संबंधित आवेदनों के डेटा एंट्री सेंटरों का निरीक्षण कियास। इस मौके पर कमिश्नर ने डाटा एंट्री ऑपरेटरों से पूछा कि प्रत्येक एप्लीकेशन का डाटा एंट्री करने में कितना समय लगता है। आयुक्त को यह समझाया गया कि अधिक परिवार के सदस्यों के साथ आवेदन पंजीकृत करने में 10 से 15 मिनट लगते हैं और कम परिवार के सदस्यों के साथ आधार नाम विवरण दर्ज करने में कम समय लगता है। ऑपरेटरों ने कमिश्नर को बताया कि 8 घंटे की शिफ्ट में 70 से 80 आवेदनों की डाटा एंट्री की जा रही है। आयुक्त ने कहा कि बिना गलत वर्तनी लिखे डाटा दर्ज किया जाए। इस मौके पर कमिश्नर रोनाल्ड रोज ने कहा कि लोक प्रशासन कार्यक्रम में कुल 24 लाख %4 हजार 325 आवेदन प्राप्त हुए हैं। कमिश्नर रोनाल्ड रोज ने बताया कि 5 गारंटी से संबंधित बीमा के लिए 19 लाख से अधिक आवेदन हैं, जबकि शेष 5.%3 लाख आवेदन राशन कार्ड और अन्य मुद्दों के कारण हैं। इनमें से अब तक 6.50 लाख आवेदनों की डेटा एंट्री पूरी हो चुकी है। बताया गया है कि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर डाटा इंट्री पूरा करने के लिए सर्किलवार डाटा इंट्री की जा रही है। कुल 635 डेटा सेंटर स्थापित किए जाएंगे और 5000 लोगों से डेटा एंट्री की जाएगी। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी में डेटा एंट्री ऑपरेटर के रूप में लगभग 300 लोग ही काम कर रहे हैं। आवेदनों की डाटा एंट्री आपकी निजी एजेंसी के माध्यम से की जाती है। निजी एजेंसी कंप्यूटर, डेटा और कंप्यूटर ऑपरेटर उपलब्ध कराती है। अन्य सभी डेटा प्रविष्टि जीएचएमसी अधिकारियों की देखरेख में ही की जाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक डेटा सेंटर के लिए एक टीम लीडर को जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि आवेदनों को एसओपी के अनुरूप स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया है। हालांकि, कुछ शिकायतें मिली हैं और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हयात नगर सर्किल से संबंधित एजेंसी ने कहा कि जब उन्हें अन्यत्र स्थित केंद्र में स्थानांतरित किया जा रहा था तो सड़क पर गिरने की स्थिति में प्रक्रिया के मानक का पालन करने में लापरवाही बरतने वाले टीम लीडर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। इसके अलावा बताया गया कि जब कुतबुल्लापुर सर्कल कार्यालय से वार्ड कार्यालय में स्थापित डेटा सेंटर में घर ले जाने के आरोप लगे तो संबंधित टीम लीडर को कारण बताओ नोटिस दिया गया।

बेटियों को हर क्षेत्र में आगे रहना चाहिए: जिला अपर समाहर्ता

कुमरम भीम आसिफाबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अपर जिलाधिकारी दीपक तिवारी ने कहा कि बेटियों को हर क्षेत्र में आगे रहना चाहिए। बेटी बचाओ-भेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत बुधवार को कस्तूरीबा गांधी बालिका विद्यालय में जिला महिला एवं बाल कल्याण विभाग-महिला अधिकारिता केंद्र द्वारा आयोजित मेगा चिकित्सा शिविर में आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक कोवा लक्ष्मी महिला कल्याण विभाग अधिकारी सावित्री के साथ शामिल हुईं। इस अवसर पर जिले के अपर समाहर्ता ने कहा कि जब बच्चियां स्वस्थ होती हैं तो वे हर क्षेत्र में आगे होती हैं और एनीमिया से बचने के लिए सभी को पौष्टिक आहार लेना चाहिए और किसी को भी समय-सारणी का पालन करना चाहिए।सिंगल विंडो के अध्यक्ष अलीबिन अहमद, पूर्व समिति के अध्यक्ष गंधम श्रीनिवास, जेडपीटीसी अरिगेला नागेश्वरराव, एमपीपी मल्लिकार्जुन, स्वास्थ्य उपचिकित्सा अधिकारी सुधाकर नाइक, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक, डी.एच.ई.डब्ल्यू. स्टाफ, स्कूल एस.ओ. नालन्दा के शिक्षक व अन्य लोग शामिल हुए।

सीएम रेवंत को अंतरराष्ट्रीय पतंग एवं मिठाई महोत्सव के लिए आमंत्रित किया गया

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को अंतर्राष्ट्रीय पतंग और मिठाई महोत्सव-2024 के लिए आमंत्रित किया है, जो 13 से 15 जनवरी तक परेड ग्राउंड,सिकंदराबाद में आयोजित होने वाला है। जुपल्ली कृष्ण राव ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ बुधवार को यहां सचिवालय में मुख्यमंत्री से मुलाकात की और निमंत्रण कार्ड सौंपा। राज्य पर्यटन और सांस्कृतिक विभाग तेलंगाना संस्कृति, परंपरा और विरासत को बढ़ावा देने और लोगों के बीच एकता फैलाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय पतंग और मिठाई उत्सव का आयोजन कर रहा है।"तीन दिवसीय उत्सव में लगभग 10-15 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। विभिन्न देशों के अंतरराष्ट्रीय पतंगबाज और राष्ट्रीय पतंग क्लब के सदस्य भी तीन दिवसीय उत्सव में भाग लेंगे। पतंगों को विभिन्न मॉडलों में डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा, "इनके अलावा स्टॉलों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मिठाइयां भी उपलब्ध कराई जाएंगी।" मंत्री ने आगे बताया कि पर्यटन विभाग पतंग महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के अलावा हस्तशिल्प और हथकरघा के स्टॉल भी लगा रहा है।

मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बिना किसी परेशानी के गतिविधियाँ: जिलाधीश

कुमरम भीम आसिफाबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि जिले के रेबेना मंडल के गंगापुर गांव में बालाजी वेंकटेश्वर स्वामी रथोत्सव के सम्मान में आयोजित मेले में भक्तों को बिना किसी परेशानी के पूरी सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। बुधवार को रेबेना मंडल में गंगापुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि गंगापुर में लगने वाले मेले में लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को पूरी व्यवस्था करने का आदेश दिया है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंडल केंद्र में रेलवे स्टेशन के पास वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है. किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। इस कार्यक्रम में संबंधित पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि एवं अन्य लोग शामिल हुए।

विश्व हिंदी दिवस पर छात्रों के लिए हिंदी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में रक्षा मंत्रालय के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) के तत्वावधान में बीपीडीएवी स्कूल, मिधानि में छात्रों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। मिधानि के प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने हिंदी है देश की भाषा, बनाएंगे इसे विश्व भाषा विषय पर व्याख्यान दिया। संचार के लिए भाषा के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए डॉ. बी. बालाजी ने भारतीय शासन प्रणाली में हिंदी भाषा के माध्यम से संचार की आवश्यकता को रेखांकित किया। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने विश्व हिंदी दिवस के आयोजन के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए जानकारी दी कि 10 जनवरी 19%5 को नागपुर में आयोजित पहले विश्व हिंदी सम्मेलन के स्मरण में 2006 से इसे आयोजित किया जा रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य विश्व में हिंदी का प्रचार-प्रसार करना है। अब तक 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं और संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थान दिलाने की मुहिम अभी चलती ही जा रही है। इस विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता की ओर इशारा किया। डॉ. बालाजी ने कहा कि हिंदी को विश्व भाषा बनाने से पहले भारत की प्रशासनिक भाषा के रूप में स्थापित करने की चुनौती का समाधान करना बेहद जरूरी है। दैनंदिन इस भाषा का अनुप्रयोग लेखन की भाषा के रूप में बढ़ाना अत्यधिक आवश्यक है। बोलचाल की भाषा के रूप में यह विश्व भर में लोकप्रिय तो है ही। डॉ. बालाजी ने छात्रों से भारत के संविधान में राजभाषा हिंदी के उल्लेख के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने कंप्यूटर व स्मार्ट फोन पर हिंदी में टंकण की जानकारी देकर छात्रों को हिंदी टंकण व संभाषण के लिए प्रेरित किया।

प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ दैनिक काम-काज में तथा तकनीकी के क्षेत्र में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग से ही हिंदी को विश्व भाषा बनाया जा सकता है। हिंदी के माध्यम से रोजगार पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को हिंदी में भविष्य बनाने के लिए आकर्षित किया। कार्यशाला के दौरान व्याख्याता और छात्रों के बीच तकनीकी के प्रयोग से हिंदी के विस्तार पर भी काफी चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि बीपीडीएवी स्कूल के प्रधानाचार्य वी. एस. प्रशांत ने मिधानि के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि मिधानि की राजभाषा कार्यान्वयन समिति में लिए गए निर्णय के अनुसार कार्यालय के बाहर हिंदी के प्रचार-प्रसार की कड़ी के रूप में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर स्कूल के छात्रों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन प्रशंसनीय है।

यह हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के प्रति मिधानि के व्यावहारिक दृष्टिकोण को प्रकट करता है। अवसर पर विद्यालय के अध्यापिका नीना साह ने कहा कि सभी भाषाएँ सम्माननीय हैं, किंतु मातृभाषा और राष्ट्रभाषा अन्य सभी भाषाओं से सर्वोपरि है। संतोष कुमार अघाले, हिंदी अध्यापक ने कहा कि हम सब भारतीयों को घर में अपनी मातृभाषा का प्रयोग करना चाहिए और घर बाहर देश की संपर्क भाषा हिंदी का। सावित्री कुमारी, हिंदी अध्यापिका ने कहा कि हिंदी हम भारतीयों की पहचान है।

हमें विश्व अपनी पहचान बनाए रखने और विकसित राष्ट्र बनने के लिए हिंदी का योगदान महत्वपूर्ण होगा। बीपीडीएवी के छात्रों ने सक्रिय रूप से कार्यशाला में भाग लिया। अध्यापिका नीना साह के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यशाला का समापन हुआ।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए चिरंजीव माधव उपाध्याय चयनित

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अरोरा डिग्री कालेज हैदराबाद के छात्र चिरंजीव माधव उपाध्याय का चयन तेलंगाना व आंध्रा प्रदेश राज्य की ओर से नई दिल्ली में आयोजित हाने वाले एनसीसी की ओर से गणतंत्र दिवस परेड के लिए किया गया है। समाजसेवी धर्माराम ढाका द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अपने करियर में भारी प्रतिभाशाली रहे चिरंजीव माधव उपाध्याय ने गायत्री मां गुरुदेव माताजी की कृपा से पहले जिलास्तरीय फिर राज्यस्तरीय और आखिरी राष्ट्र स्तरीय कड़ी प्रतिस्पर्धा में सफलता प्राप्त की है। वह तेलंगाना व आंध्र राज्य की ओर से राजपथ पर परेड के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे। चिरंजीव माधव उपाध्याय हैदराबाद के गायत्री परिवार प्रगिया पिट गोशामहल के अध्यक्ष एवं सिखवाल समाज के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्रीगोकुलचंद उपाध्याय के पुत्र है। इसे लेकर गायत्री परिवार में खुशि की लहर है।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में मनाया गया विश्व हिंदी दिवस

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान में आज विश्व हिंदी दिवस "आपके प्रिय लेखक पर बातचीत' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्रीनिवास रेड्डी जी ने कहा कि हिंदी भारतवंशियों को एकता के सूत्र में बांधती है और भारतीय संस्कृति, ज्ञान, संस्कार, परंपरा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जा रही है। हिंदी सीखना भी आसान है और हिंदी में काम करना भी आसान है। संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री वाई. श्रीनिवास राव ने कहा कि भारत का बाजार बढ़ता जा रहा है और बढ़ते बाजार के कारण हिंदी में रोजगार की संभावनाएँ भी बढ़ रही हैं।

संस्थान के प्रतिभागियों ने "अपने प्रिय लेखक पर बातचीत' कार्यक्रम में हिंदी, तेलगु, मराठी, तमिल, कन्नड़, उर्दू, अंग्रेजी आदि भाषाओं के कवियों, लेखकों पर अपनी बातें रखीं। प्रेमचंद, रामस्वामी कृष्णमूर्ति, सुधा मूर्ति, अरूंधती रॉय, मिर्जा गालिब, हरिवंश नारायण बच्चन, मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह दिनकर, नरेंद्र कोहली, अमृता प्रीतम, वमरा बोधना, तुलसीदास, महादेवी वर्मा, अमीर खुसरो, सरोजनी नायडू, रविन्द्रनाथ टैगोर आदि लेखकों, कवियों के जीवन और उनकी रचनाओं पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के अंत में संस्थान के निदेशक ने सभी प्रतिभागियों को स्मृति-चिन्ह से सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सौरभ कुमार के द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री आदर्श कुमार के द्वारा किया गया।

अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों ने की दीपादास मुंसी से मुलाकात

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद के गांधी भवन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी.हनुमंत राव के नेतृत्व में एआईसीसी के तेलंगाना प्रभारी महासचिव दीपादास मुंसी से मुलाकात की। इस अवसर पर कांग्रेस नेता सूरज तिवारी, अग्रवाल समाज, सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन के अध्यक्ष राजेश कुमार अग्रवाल, सिरी सुरेश कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष, तेलंगाना, तेल मिलें और व्यापारी संघ, सुरेश कुमार अग्रवाल, पुरुषोत्तम गोयल, अध्यक्ष श्याम, सेवा समिति, एवं ट्रस्ट एवं श्याम भवन, मदन संथोलिया, अध्यक्ष रानी सती देवी, मंदिर, महावीर प्रसाद, अग्रवाल, अक्षय मित्तल, अग्रवाल युवा मोर्चा, कुशल अग्रवाल, अग्रवाल, युवा मोर्चा आदि शामिल रहे। इस अवसर पर उन्होंने अपने अग्रवाल समाज के मुद्दों को उनके ध्यान में लाया और उन्हें अगले महीने अपनी सामुदायिक बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जिसके लिए मुंसी ने भाग लेने पर सहमति व्यक्त की।

मदनूर मंडल किसान भवन और डोंगली मंडल तहसील कार्यालय में कल्याण लक्ष्मी योजना का चेक वितरित करते हुए विधायक लक्ष्मी कांत राव। साथ में हैं मंडल विकास उपाध्यक्ष जयपाल रेड्डी, मन्नूर एमपीटीसी संगीता खुशाल व अन्य।

केजीबीवी दहेगाम में मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर शुरू

सिरपुर कागजनगर, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दहेगाम मंडल केंद्र के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत आयोजित स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम की शुरुआत जिला कलेक्टर श्री हेमंत बोरकड़े और सिरपुर विधायक डॉ. पालवाई हरीश बाबू ने की। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि किशोर छात्रों को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए और अपने स्वास्थ्य को एनीमिया और अन्य समस्याओं से बचाने की जरूरत है।इस कार्यक्रम में डीएमएचओ तुकाराम, डिप्टी डीएमएचओ सीताराम, एमईओ भिक्षापति, ममारवो कविता, मेडिकल ऑफिसर डॉ. स्पंदना और कस्तूरीबा स्कूल स्टाफ, छात्र और मेडिकल स्टाफ ने भाग लिया।

टास्क फोर्स ने तीन क्विंटल पीडीएस चावल जब्त किए

कुमरम भीम आसिफाबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गरीबों को मिलने वाला राशन के चावल की कालाबाजारी की जा रही है। टास्कफोर्स पुलिस ने पीडीएस चावल को पकड़ा जो दूसरों से कम दर पर खरीदकर महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था और ऊंचे दर पर बेचा जाता है। मिली जानकारी के मुताबिक कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के एसपी के. सुरेश कुमार के आदेश के तहत टास्क फोर्स के अधिकारियों ने कोंडापल्ली गांव के इलाकारी पर टास्कफोर्स पुलिस को सूचना दी कि पीडीएस चावल को पेंचिकलपेट मंडल के कोंडापल्ली गांव से महाराष्ट्र के अहेरी गांव में अवैध रूप से ले जाया जा रहा है। टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप ने बताया कि तीन क्विंटल पीडीएस चावल पेंचिकलपेट थाने ले जाया गया और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया और तीन क्विंटल पीडीएस चावल थाने में सौंप दिया गया।कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के विभिन्न मंडलों में मुर्गा लड़ाई और देसी दारू, पीडीएस चावल, गांजा अवैध और असामाजिक गतिविधियों में भाग लेने वालों का विवरण दे सकते हैं। टास्कफोर्स सीआई राणा प्रताप ने कहा कि ऐसी गतिविधियों में भाग लेने वालों और उन्हें पूछने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्य में टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप, एसआई संदीप कुमार, टास्क फोर्स स्टाफ पीसी मधु, रमेश, संजीव ने भाग लिया।

पवित्र त्यौहार संक्रान्ति पर कस्टमर्स के लिए बिग सी द्वारा आकर्षक आफर्स पेश-सीएमडी बालु चौधरी

हैदराबाद, 10 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बिग सी संस्थापक सीएमडी बालु चौधरी ने कहा कि, पवित्र त्यौहार संक्रान्ति पर हमने कस्टमर्स के लिए बिग सी द्वारा आकर्षक आफर्स पेश किये हैं।

इस संदर्भ में बिग सी रिटेल मोबाइल सेल्स के संस्थापक सीएमडी बालु चौधरी ने विस्तार से बताया कि, मोबाइल्स रिटेल सेल्स में अग्रणी बिग सी संस्था ने मोबाइल्स की बिक्री में दोनों तेलंगाना व आंध्र प्रदेश में धूम मचा दी है तथा सचमुच ही रिटेल मोबाइल की बिक्री में एक नूतन इतिहास रचा है।

बेगमबाजार आचार्य भवन स्थित श्री राजस्थानी राजपूत समाज व राजस्थानी राजपूत संघ हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा आयोजित पूर्व अध्यक्ष भीमसिंहजी राठौड़ की श्रद्धांजलि सभा मे मौन रखकर श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए विधायक टी.राजा सिंह, पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड़, अध्यक्ष रतनसिंह शेखावत, पूर्व अध्यक्ष अभयसिंह दहिया, रिड़मलसिंह परिहार, रावणा राजपूत समाज सरंक्षक भीमसिंह सोलंकी, अर्जुनसिंह चौहान व समाज बन्धु ।

कुमावत समाज, तेलंगाना प्रदेश के अध्यक्ष बनने पर सोनाराम तिलायचा का अभिनन्दन करते हुए आप और हम संस्था के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, मानद मंत्री सोहनसिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष कोमल शर्मा, लीला कुमावत, नीतु जैन, नवीन जैन रामकिशोर भड़लीवाल, रूपराम बाकरेचा, सुरेश कुमार माली।

कुमावत समाज, तेलंगाना प्रदेश के अध्यक्ष बनने पर सोनाराम तिलायचा का अभिनन्दन करते हुए कुमावत समजा, कीसरा-सिकन्दराबाद से पप्पुराम बाकरेचा, सोहनलाल मानणिया, पारसमल कारोलिया, रूपाराम मालीवाड़, कालुराम ईटाडा, मोहनलाल दुबलदिया, ओमप्रकाश चान्दोरा एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यगण।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वाराणसी भारतीय जनता पार्टी के प्रोटोकॉल प्रभारी शैलेश पांडे ने हैदराबाद यात्रा के दौरान अपनी पत्नी के साथ श्री भाग्य लक्ष्मी माता, चारमीनार ,हैदराबाद का दर्शन- पूजन किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'भारत 25-साल ...

रिलायंस ने भारत में 12 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिसमें से एक तिहाई निवेश गुजरात में किया है। मुकेश अंबानी ने बताया कि रिलायंस हजीरा में भारत की पहली कार्बन फाइबर फैसिलिटी स्थापित कर रही है।

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा- 2014 के बाद से भारत की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। जी20 नेतृत्व ने एक मापदंड स्थापित किया है। हमारे प्रधानमंत्री, भविष्यवाणी नहीं करते, बल्कि भविष्य को आकार दे देते हैं। मुझे विश्वास है कि 2047 तक भारत पूर्ण विकसित हो जाएगा। 2025 तक 55 हजार करोड़ रुपए का निवेश करने का टारगेट था, जिसमें करीब 50 हजार करोड़ का निवेश हो चुका है। इसके अलावा हम कच्छ के खावडा में 30 गीगावॉट का रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट लगाने जा रहे हैं। हम ग्रीन सप्लाई चैन के अंतर्गत सौर पैनल, विंड टरबाइन, कॉपर और सीमेंट प्रोजेक्ट्स को भी आगे बढ़ाने वाले हैं। अगले 5 साल में 2 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेंगे, जिससे 1 लाख लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

टाटा ग्रेप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने गुजरात के धोलेरा में सेमीकंडक्टर फैक्ट्री की योजना की घोषणा की। इसके अलावा, समूह अगले दो महीनों में साणंद में लिथियम-आयन बैटरी के लिए 20 गीगावॉट गीगाफैक्ट्री शुरू करने के लिए तैयार है। धोलेरा में सेमीकंडक्टर फैब के लिए बातचीत पूरी होने वाली है, जिसका ऑपरेशन 2024 में शुरू होने की उम्मीद है।

स्टील किंग लक्ष्मी मित्तल ने कहा-आत्मनिर्भरता में स्टील की अहम भूमिका है। गुजरात में 4 साल पहले प्रधानमंत्री ने हजीरा प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया था, जो 2026 तक पूरा होगा। दूसरे चरण के लिए आज एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए हैं। हजीरा 24 मिलियन टन स्टील उत्पादन करने वाली साइट होगी। हम इस्पात, नवीकरणीय ऊर्जा और हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी में भी निवेश कर रहे हैं। अगले 20 साल देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए तैयार हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत-अफगानिस्तान पहला टी-20 आज

अफगान टीम ने इस फॉर्मेट में 63% मैच जीते; भारत के खिलाफ पहली जीत का इंतजार

मोहाली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप के 3 चैंपियन इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका को 3 महीने पहले ही भारत में हराने वाली अफगानिस्तान टीम फिर भारत आ रही है। टीम आज यानी 11 जनवरी से भारत में 3 टी-20 की सीरीज का पहला मैच खेलेगी। सीरीज जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिहाज से अहम है।

50 ओवर के फॉर्मेट में हाल-फिलहाल कमाल का खेल दिखलाने वाली अफगान टीम ने टी-20 फॉर्मेट में खेले गए कुल मैचों में से 63% जीते हैं। हालांकि अफगान टीम भारत के खिलाफ किसी भी फॉर्मेट में कोई मैच नहीं जीत सकी है।

भारत-अफगानिस्तान के 5 टी-20 हुए, 4 में भारत जीता

टी-20 फॉर्मेट में भारत और अफगानिस्तान के बीच 5 मैच हुए हैं। 4 भारत ने जीते, जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा। वहीं सभी फॉर्मेट मिलाकर दोनों टीमों के बीच 10 मैच हुए, 8 भारत ने जीते। एक मैच टाई रहा, जबकि एक बेनतीजा रहा।

अफगान टीम ने 62.80% टी-20 जीते, 24 में से 17 सीरीज अपने नाम की

अफगानिस्तान का ओवरऑल टी-20 फॉर्मेट में रिकॉर्ड शानदार रहा है। टीम ने 1 फरवरी 2010 को पहला टी-20 खेला था। तब से टीम ने 121 मैच खेले और 76 में जीत दर्ज की। यानी जीत परसेंटेज 62.80% का रहा।

द्विपक्षीय सीरीज में भी टीम का रिकॉर्ड बेहतरीन रहा। टीम ने 24 सीरीज खेलीं और 70.83% यानी 17 में जीत दर्ज की। 5 सीरीज टीम ने गंवाई, जबकि 2 ड्रॉ भी खेलीं।

अफगानिस्तान पहली बार भारत के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगा और टीम ने अब तक ज्यादातर सीरीज एसोसिएट देशों के खिलाफ ही खेलीं। हालांकि टीम वेस्टइंडीज और पाकिस्तान को टी-20 सीरीज में मात दे चुकी है। इसलिए भारत के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है।

एशियन गेम्स के फाइनल तक पहुंची थी अफगानिस्तान

अफगानिस्तान की टीम ने टी-20 में तीन अलग-अलग तरह के मेजर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। इनमें टी-20 वर्ल्ड कप, एशिया कप और एशियन गेम्स शामिल हैं। एशिया कप और वर्ल्ड कप में टीम कभी नॉकआउट राउंड में नहीं पहुंच सकी।

एशियन गेम्स में अफगानिस्तान ने पिछले साल ही सिल्वर मेडल जीता। तब भारत के खिलाफ टीम का गोल्ड मेडल मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। भारत को बेहतर टी-20 रैंकिंग के कारण गोल्ड मेडल दिया गया था।

टॉप परफॉर्मर: शहजाद बेस्ट बैटर, राशिद टॉप विकेट टेकर

टी-20 में मोहम्मद शहजाद और राशिद खान अफगानिस्तान के टॉप परफॉर्मर रहे। शहजाद ने इस फॉर्मेट में अफगानिस्तान के लिए सबसे ज्यादा 2048 रन बनाए, जबकि राशिद खान ने सबसे ज्यादा 81 विकेट लिए हैं।

पाकिस्तान के रिफ्यूजी कैंप में पनपा अफगान क्रिकेट

अफगानिस्तान के लोगों में क्रिकेट का शौक पाकिस्तान में रिफ्यूजी कैंप में रहने के दौरान पनपा। 80 के दशक में देश में युद्ध चल रहा था, इस वजह से बड़ी संख्या में अफगान नागरिक पाकिस्तान में रिफ्यूजी बनकर आए थे।

पाकिस्तान में पहले से क्रिकेट लोकप्रिय था। 1992 में पाकिस्तान के वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद वहां खेल और भी मशहूर हो चला। तब कैंप में मौजूद अफगानी बच्चों ने भी क्रिकेट खेलना शुरू किया। बाद में राशिद खान जैसे स्टार अफगान क्रिकेटर भी ऐसे ही रिफ्यूजी कैंप से ही सामने आए।

1995 में अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का गठन हुआ। इस बोर्ड को 2001 में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से एफिलिएशन मिला। 2003 में एशियन क्रिकेट काउंसिल ने अफगान क्रिकेट को मान्यता दी और 2009 में टीम ने पहला इंटरनेशनल मैच भी खेल लिया। ये मुकाबला स्कॉटलैंड के खिलाफ वनडे फॉर्मेट में खेला गया था।

2036 ओलंपिक में बोली के लिए भारत का बड़ा कदम

गुजरात ने बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए फर्म बनाई

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। कंपनी ने वाइब्रेंट गुजरात ट्रेड शो 2024 में अपना पवेलियन लगाया है, जिसका उद्घाटन गांधीनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। यह फर्म मुख्य रूप से अहमदाबाद के मोटेरा क्षेत्र में सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव के आसपास लगभग 350 एकड़ क्षेत्र के विकास की देखरेख करेगी।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी के लिए बोली लगाने के लिए भारत ने बड़ा कदम उठाया है। गुजरात सरकार ने एक अलग कंपनी का गठन किया है और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए छह खेल परिसरों के निर्माण के लिए 6,000 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। राज्य सरकार की कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि समर्पित इकाई 'गुजरात ओलंपिक प्लानिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड' का गठन करीब तीन महीने पहले किया गया था और बोर्ड की एक बैठक पहले ही हो चुकी है।

कंपनी ने वाइब्रेंट गुजरात ट्रेड शो 2024 में अपना पवेलियन लगाया है, जिसका उद्घाटन गांधीनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

यह फर्म मुख्य रूप से अहमदाबाद के मोटेरा क्षेत्र में सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव के आसपास लगभग 350 एकड़ क्षेत्र के विकास की देखरेख करेगी। विशेष रूप से, निर्माणाधीन स्पोर्ट्स एन्क्लेव में नरेंद्र मोदी स्टेडियम है, जो दर्शकों की क्षमता के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है।

उन्होंने कहा, "देश में ओलंपिक की मेजबानी के प्रधानमंत्री मोदी के सपने को साकार करने के लिए हमने मोटेरा और आसपास के 350 एकड़ में फैले सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव को विकसित करने के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया है। खुली बोली के माध्यम से पहले चुनी गई एक डिजाइन फर्म द्वारा प्रस्तुत योजना के अनुसार, 350 एकड़ के क्षेत्र में छह खेल परिसरों का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने हाल ही में चुनिंदा कंपनियों को निविदाएं जारी की हैं जो इन खेल परिसरों को डिजाइन कर सकती हैं। उन्होंने कहा, 'बोली के माध्यम से चुनी गई कंपनियां पूरे क्षेत्र का लेआउट तैयार करने के लिए जिम्मेदार होंगी। वे इन खेल परिसरों का एक विस्तृत संरचनात्मक और साथ ही वास्तुशिल्प डिजाइन भी तैयार करेंगे। कंपनी को उम्मीद है कि इन खेल परिसरों का निर्माण 2030 तक पूरा हो जाएगा ताकि भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी कर सके।

गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए राज्य की तैयारियों की समीक्षा के लिए पिछले साल दिसंबर में गुजरात सरकार के शीर्ष अधिकारियों के साथ दो बैठकों की अध्यक्षता की थी। गुजरात में भाजपा सरकार ने पहले घोषणा की थी कि वह 2036 खेलों की मेजबानी अधिकार हासिल करने का लक्ष्य बना रही है और अधिकारी पश्चिमी राज्य में खेलों के आयोजन के लिए अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ बातचीत करेंगे।

हाल ही में गुजरात दौरे के दौरान शाह ने उम्मीद जताई थी कि 2036 ओलंपिक का आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव में होगा। अक्तूबर में प्रधानमंत्री मोदी ने मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा था कि भारत खेलों की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश करेगा।

टेस्ट रैंकिंग में नंबर-6 पर पहुंचे कोहली

रोहित की टॉप-10 में वापसी; बॉलर्स में बुमराह नंबर-4 पर आए, अश्विन टॉप पर

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली आईसीसी टेस्ट बैटर्स रैंकिंग में नंबर-6 पर पहुंच गए हैं। पिछले दिनों साउथ अफ्रीका दौरे पर विराट भारत के टॉप रन स्कोरर थे, उन्होंने 172 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के कारण उन्हें 3 स्थान का फायदा हुआ और वह 9वें से छठे नंबर पर पहुंच गए।

विराट के अलावा कप्तान रोहित शर्मा भी 4 स्थान की छलांग लगाकर 10वें नंबर पर पहुंच गए। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह एक स्थान के फायदे के साथ नंबर-4 पर पहुंच गए। बॉलर्स में रविचंद्रन अश्विन टॉप पर बरकरार हैं।

साउथ अफ्रीका में विराट ने दिखाया था अनुभव

विराट कोहली साउथ अफ्रीका दौरा शुरू होने से पहले टेस्ट बैटर्स रैंकिंग में 9वें नंबर पर थे। पहले ही मैच में उन्होंने 38 और 76 रन की पारियां खेल दीं। दूसरे मैच में जहां भारत के 7 बैटर्स खाता भी नहीं खोल सके, वहां विराट 46 रन बनाकर टीम के टॉप रन स्कोरर रहे। दूसरी पारी में उन्होंने 12 रन बनाए थे।

सीरीज में 172 रन बनाकर विराट टीम इंडिया के टॉप रन स्कोरर रहे। उनके बाद केएल राहुल टीम के दूसरे टॉप स्कोरर थे।

रोहित ने टॉप-10 में वापसी की

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की लेटेस्ट बैटर्स रैंकिंग में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन टॉप पर हैं। बैटर्स में विराट छठे नंबर पर हैं। वहीं टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा 4 स्थान की छलांग लगाकर 10वें नंबर पर आ गए।

बुमराह नंबर-4 पर पहुंचे, अश्विन टॉप पर

आईसीसी की टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह को भी फायदा हुआ। वह एक स्थान के फायदे के साथ नंबर-4 पर पहुंच गए। उन्होंने साउथ अफ्रीका दौरे पर 3 ही पारियों में 12 विकेट झटके थे। इस प्रदर्शन के लिए बुमराह को प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी मिला।

सिराज को 13 स्थान का फायदा

बुमराह के अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ। वह 13 स्थान की छलांग लगाकर 17वें नंबर पर पहुंच गए। बॉलर्स रैंकिंग में भारत के ही ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन टॉप पर हैं। जबकि रवींद्र जडेजा पांचवें नंबर पर हैं। यानी टॉप-5 बॉलर्स में 3 भारतीय शामिल हैं।

बॉलर्स में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस दूसरे और साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। कमिंस को एक स्थान का फायदा, जबकि रबाडा को एक स्थान का नुकसान हुआ।

ऑलराउंडर्स में भी भारतीयों का दबदबा

आईसीसी के टेस्ट ऑलराउंडर्स में भी भारतीय खिलाड़ियों का ही दबदबा है। पहले नंबर पर लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा और दूसरे नंबर पर राइट आर्म ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन हैं। इतना ही नहीं अक्षर पटेल भी पांचवें नंबर पर हैं। वह फिलहाल इंग्लैंड के जो रूट के साथ संयुक्त रूप से नंबर-5 पर हैं। दोनों के 286 रेटिंग पॉइंट्स हैं।

टीमों में ऑस्ट्रेलिया टॉप पर

टेस्ट टीम रैंकिंग में भारत को साउथ अफ्रीका में टेस्ट हारने का नुकसान हुआ। 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी, भारत ने पहला टेस्ट गंवाया लेकिन दूसरे में टीम को जीत मिली थी। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान को 3-0 से हराया।

एशिया का सबसे बड़ा फुटबॉल टूर्नामेंट 12 जनवरी से

68 साल में एक भी खिताब नहीं जीत सका भारत, पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से

खेल डेस्क, 10 जनवरी (एजेंसियां)। कतर में दो दिन बाद एशिया का सबसे बड़ा फुटबॉल टूर्नामेंट एएफसी एशियन कप शुरू हो रहा है। भारत का पहला ही मुकाबला 2015 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय टीम ने पहली बार लगातार दो सीजन के लिए क्वालिफाई किया है। ब्लू टाइगर्स के नाम से मशहूर हो रही भारतीय टीम को को ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, उज्बेकिस्तान और सीरिया के साथ रखा गया है। भारत 5वीं बार एशियन कप खेल रहा है। टीम के सामने एशिया की टॉप-24 टीमों का चैलेंज होगा।

भारतीय टीम 68 साल से इस टूर्नामेंट में खेल रही है लेकिन आज तक चैंपियन नहीं बन सकी। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का अब तक का बेस्ट परफॉर्मेंस 1964 में आया है। तब टीम दूसरे नंबर पर रही थी। इजराइल चैंपियन बना था।

एशियन कप क्यों खास?

जैसे यूरो कप यूरोप और कोपा अमेरिका लैटिन अमेरिका का टॉप इंटरनेशनल टूर्नामेंट है, ठीक वैसे ही एशियन कप फुटबॉल एशियाई महाद्वीप का सबसे बड़ा फुटबॉल टूर्नामेंट है।

इस टूर्नामेंट में पूरे एशिया की टॉप 24 टीमें हिस्सा लेती हैं। टूर्नामेंट का आयोजन हर 4 साल में होता है और यह 1956 से (68 सालों से) खेला जा रहा है। यह टूर्नामेंट का 18वां एडिशन है।

भारत का शेड्यूल

1. ऑस्ट्रेलिया (13 जनवरी, शाम 5:00 बजे से)

ऑस्ट्रेलिया 2015 की चैंपियन है। टीम को 2006 में एशियन फुटबॉल फेडरेशन की सदस्यता मिली और 2007 से टीम ने हर संस्करण में हिस्सा लिया। टीम 2022 के फीफा वर्ल्ड कप में राउंड-16 तक पहुंची थी। पिछले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 7-0 से भी हराया।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 8 मैच खेले गए, 5 में ऑस्ट्रेलिया को और 2 में भारत को जीत मिली। एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा। आखिरी बार भारत ने 1956 में ऑस्ट्रेलिया को 7-1 से हराया था, तब भारत एशिया की टॉप टीम थी। दोनों टीमें आखिरी बार 2011 के एशियन कप में भिड़ी थीं, तब भारत को 0-4 से हार का सामना करना पड़ा था।

2. उज्बेकिस्तान (18 जनवरी, रात 8:00 बजे से)

भारत को उज्बेकिस्तान के खिलाफ पहली जीत का इंतजार है। 1996 से टीम लगातार एशियन कप खेल रही है। हाल ही में वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में उज्बेकिस्तान ने तुर्कमेनिस्तान (3-1), किर्गिस्तान (4-1) और फिलिस्तीन को (1-0) हराया। एशिया की टॉप टीमों में से एक ईरान के खिलाफ भी टीम ने हाल ही में 2-2 से ड्रॉ खेला था।

भारत-उज्बेकिस्तान की आखिरी भिड़ंत 2001 के मेरडेका टूर्नामेंट में हुई थी, तब टीम इंडिया को 1-2 से हार मिली। अब तक हुए दोनों के बीच हुए 6 मैचों में से 4 भारत ने गंवाए, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ भी रहे।

3. सीरिया (23 जनवरी, शाम 5 बजे से)

भारतीय टीम सीरिया के खिलाफ जीत सकती है। भारत ने 6 में से 3 मैचों में सीरिया को हराया है, 2 में टीम को हार मिली, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा।

सीरिया ने वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में नॉर्थ कोरिया को 0-1 से हराया। टीम किर्गिस्तान (1-1) और मलेशिया के खिलाफ (2-2) ड्रॉ खेल सकी। उसे इकलौती हार जापान के खिलाफ 0-5 से मिली थी।

भारतीय टीम की स्ट्रेंथ

एसएएफएफ चैंपियनशिप से टीम बॉन्डिंग: एसएएफएफ चैंपियनशिप जीतने के बाद से टीम में बॉन्डिंग बढ़ी है। भारत अटैकिंग फुटबॉल खेल रहा है। सभी प्लेयर्स फिट: भारतीय टीम के सभी प्लेयर्स फिट हैं। सुनील छेत्री, संदेश झिंगन और गुरप्रीत सिंह संधु खेलने के लिए उपलब्ध हैं।

आईएसएल से टीम के पास स्ट्रेंथ: आईएसएल चलने की वजह से टीम के खिलाड़ी रेग्यूलर खेल रहे हैं। इससे सभी प्लेयर्स को प्लेइंग टाइम मिल चुका है और सभी मैच फिट हैं।

अनुभव के साथ युवा भी टीम में: टीम के पास छेत्री, गुरप्रीत, उदांता और झिंगन जैसे अनुभवी प्लेयर्स के साथ ही सहल अब्दुल समद और लालियानजुआला चांगटे जैसे युवा खिलाड़ी भी हैं। युवा ड्रिबल करने में फास्ट होते हैं, जो गोलमेकिंग में मदद करते हैं।

भारतीय टीम की वीकनेस

वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में खराब प्रदर्शन- वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में भारत को कुवैत से (1-0) जीत मिली, लेकिन कतर (0-3) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। फ्रैंडली मैच में टीम को मलेशिया ने 4-2 से हराया।

टीम को ट्रेनिंग का समय नहीं मिला- ISL के चलते नेशनल टीम के प्लेयर्स को नेशनल टीम के कोच इगोर स्टिमाक के साथ ट्रेनिंग करने का समय नहीं मिला। सीजन जारी होने की वजह से ISL टीमों के मैनेजर्स ने प्लेयर्स को समय पर रीलीज नहीं किया।

सेट पीस में भारत कमजोर- इगोर स्टिमाक ने टीम अनाउंसमेंट के दौरान कहा था कि टीम को सेट पीस (पेनल्टी, कॉर्नर और फ्री-किक) पर काम करना होगा। अहम मौकों को टीम गोल में तब्दील नहीं कर पाती है।

अटैकिंग चेंज- टीम के स्ट्राइकर पेनल्टी बॉक्स के अंदर घबरा जाते हैं। बॉल मिडफील्ड से पेनल्टी बॉक्स के अंदर आसानी से आ जाती है, लेकिन विंगर ठीक से फीनिश नहीं कर पाते। टीम ने पिछले कुछ समय से पेनल्टी बॉक्स के अंदर कई गोल मिस किए हैं।

रन लेते समय पिच पर बल्लेबाज की मौत

खिलाड़ियों ने सीपीआर दिया, पर जान नहीं बचा सके

नोएडा, 10 जनवरी (एजेंसियां)। 34 साल के बैटर को क्रिकेट की पिच पर हार्ट अटैक आ गया। साथी बैटर और फील्डिंग टीम के खिलाड़ी उसे सीपीआर देते रहे, लेकिन खिलाड़ी की मौके पर ही मौत हो गई। 34 साल का मृतक विकास नेगी इंजीनियर था, जो नोएडा में कॉर्पोरेट लीग के मैच खेल रहा था।

नोएडा में कॉर्पोरेट लीग के दौरान मैवरिक्स इलेवन और ब्लैजिंग बुल्स का मैच चल रहा था। मैवरिक्स टीम बल्लेबाजी कर रही थी। उमेश कुमार और विकास पिच पर थे। 14वां ओवर चल रहा था। उमेश ने चौका लगाया। विकास नॉन-स्ट्राइकर एंड से उन्हें बधाई देने के लिए स्ट्राइकर एंड की ओर गए। उमेश के पास पहुंचने के पहले ही विकास पिच पर गिर गए।

यह देख दोनों टीमों के खिलाड़ी पिच पर दौड़ गए। कुछ खिलाड़ियों ने विकास की जान बचाने के लिए उन्हें सीपीआर दिया। उन्हें कुछ देर जमीन पर बैठाकर रखा गया। जब तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो उन्हें नोएडा के नजदीकी हॉस्पिटल में ले गए। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी था, हॉस्पिटल पहुंचते ही विकास को मृत घोषित कर दिया गया। हार्ट अटैक से पहले विकास अपनी टीम के लिए 7 रन बनाकर बैटिंग कर रहे थे। उन्होंने 6 गेंदें खेल ली थीं, तब उनकी टीम का स्कोर 13.5 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 143 रन था।

वर्ल्ड कप से पहले 9 टी-20 खेलेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली, 10 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम और फैंस की नजरें टी-20 वर्ल्ड कप की ओर हैं। इसमें तकरीबन पांच महीने का समय बचा है। हालांकि, मेगा टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम के पास सवाल तो कई हैं, लेकिन उनका जवाब तलाशने के लिए समय बेहद कम। भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ 11 जनवरी से तीन टी-20 की सीरीज खेलनी है।

भारत को वर्ल्ड कप से पहले सिर्फ यही तीन टी-20 इंटरनेशनल खेलने को मिलेंगे। इन मैचों में ही भारत को वर्ल्ड कप की एक यूनिट के तौर पर तैयारी करनी होगी। हालांकि, हार्दिक और सूर्या के रूप में टीम में अहम सीनियर खिलाड़ी मौजूद नहीं हैं। इसके बावजूद टीम को सिर्फ 3 मैच में उनके बिना ही वर्ल्ड कप की तैयारी करनी है।

पाकिस्तान को दो सीरीज में कुल 9 मैच खेलने हैं। टीम 12 से 21 जनवरी के बीच न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैच की सीरीज खेलेगी। फिर 22 मई से 30 मई के बीच उसे इंग्लैंड के खिलाफ 4 टी-20 की सीरीज भी खेलनी है।

पाक के बाद वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए सबसे ज्यादा समय न्यूजीलैंड के पास है। न्यूजीलैंड के पास 8 मैच हैं। उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ 5 मैच की सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया से 3 मैच की सीरीज 21 से 25 फरवरी तक खेलनी है।

2021 की विजेता ऑस्ट्रेलिया को 6 मैच खेलने हैं। टीम विंडीज के खिलाफ 9 फरवरी से 13 फरवरी के बीच 3 मैच की सीरीज खेलेगी। वहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें 21 फरवरी से 25 फरवरी के बीच तीन मैच की सीरीज खेलनी है।

श्रीलंका को 6 मैच से तैयारियां पुख्ता करनी हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रीलंका को 3 मैच की सीरीज 14 से 18 जनवरी के बीच खेलनी है। इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ 17 फरवरी से 21 फरवरी के बीच टीम 3 मैच की सीरीज खेलेगी।

मौजूदा टी-20 वर्ल्ड चैम्पियन इंग्लैंड को खिताब बचाने की तैयारी के लिए 4 मैच का समय मिलेगा। उन्हें पिछले एडिशन की रनर-अप पाकिस्तान के खिलाफ 4 मैच की टी-20 सीरीज खेलनी है। जो 22 से 30 मई के बीच होगी।

वेस्टइंडीज को भी भारत की ही तरह सिर्फ एक सीरीज के जरिए अपनी तैयारियां पुख्ता करनी होंगी। कैरेबियाई टीम वर्ल्ड कप से पहले अपनी एकमात्र टी-20 सीरीज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 से 13 फरवरी के बीच खेलेगी।

रुद्रांक्ष और मेहुली की जोड़ी को मिला स्वर्ण

पदक, रिदम और अर्जुन ने मिलकर जीता रजत

जकार्ता, 10 जनवरी (एजेंसियां)। रुद्रांक्ष पाटिल और मेहुली घोष की जोड़ी ने जकार्ता में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा जीतकर भारत को निशानेबाजी एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर में पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में शेन युफान और झू मिंगशुआई की चीन की जोड़ी को 16-10 से हराया। रुद्रांक्ष और मेहुली की जोड़ी क्वालिफिकेशन में कुल 631.3 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही थी।

युफान और मिंगशुआई ने 632.3 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। रिदम सांगवान और अर्जुन सिंह चीमा की जोड़ी को हालांकि 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में थू विन्ह ट्रिनह और कुआंग हुइ फाम की वियतनाम की जोड़ी के हाथों शिकस्त के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। रिदम और अर्जुन की जोड़ी क्वालिफिकेशन में 582 अंक के साथ शीर्ष पर रही थी। वियतनाम की जोड़ी ने 580 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था। फाइनल में हालांकि वियतनाम की जोड़ी बेहतर प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतने में सफल रही।

तेलंगाना को एक व्यापक बिजली नीति की आवश्यकता : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया है कि विभिन्न राज्यों की नीतियों का अध्ययन करने, विशेषज्ञों के साथ चर्चा करने और विधान सभा में बहस आयोजित करने के बाद तेलंगाना राज्य के लिए एक व्यापक बिजली नीति लाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को यहां सचिवालय में संबंधित अधिकारियों के साथ ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की और 24 घंटे बिजली आपूर्ति की स्थिति और गृह ज्योति योजना के प्रस्तावित कार्यान्वयन पर चर्चा की, जो वादे के अनुसार सभी घरों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करती है। चुनाव प्रचार के दौरान छह गारंटियों के हिस्से के रूप में कांग्रेस पार्टी द्वारा किया गया था। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री श्रीधर बाबू और उत्तम कुमार रेड्डी, मुख्य सचिव शांति कुमारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बिजली की खपत, 24 घंटे निरंतर बिजली आपूर्ति, बिजली उत्पादन और उसकी कंपनियों की स्थिति, अतिरिक्त बिजली उत्पादन की गुंजाइश और गृह ज्योति योजना के लाभार्थियों के लिए 200 यूनिट बिजली उपलब्ध कराने के उपायों पर लंबी चर्चा की। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को तेलंगाना में बिजली उत्पादन, विभिन्न कंपनियों से बिजली खरीद, राज्य में बिजली की खपत और डिस्कॉम के प्रदर्शन और उनकी वित्तीय स्थिति का विवरण समझाया। इस अवसर पर अधिकारियों को 2014 से अब तक बिजली कंपनियों और विद्युत नियामक परिषद (ईआरसी) के बीच हुए समझौतों, उन समझौतों की सामग्री और बिजली के लिए भुगतान की गई कीमतों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। यह कहते हुए कि तेलंगाना में अब तक उचित बिजली नीति नहीं बनने के कारण विभिन्न कठिनाइयां और समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उन कंपनियों से बिजली खरीदने का आदेश दिया है जहां खुले बाजार में कम कीमत पर बिजली उपलब्ध है।रेवंत रेड्डी ने बताया कि देश के अन्य सभी राज्यों की तुलना में तेलंगाना में बेहतर बिजली नीति लाने के लिए राज्य सरकार विशेषज्ञों से सुझाव लेगी और विधानसभा में सभी राजनीतिक दलों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ बहस भी करेगी।

ट्रैफिक चालान पर रियायत 31 जनवरी तक बढ़ाई गई

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 26 दिसंबर, 2023 को राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर सभी लंबित ट्रैफिक चालानों को उनके वाहनों के खिलाफ लंबित जुर्माना राशि पर छूट देकर मंजूरी दे दी जाएगी। राज्य सरकार ने जी.ओ. आरटी भी जारी किया। परिवहन, सड़क और भवन (टीआर-1) विभाग के नंबर 652 ने उसी दिन दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए 80%, टीएसआरटीसी बसों के लिए 90% और एलएमवी/एचएमवी के लिए 60% जुर्माना राशि की छूट की घोषणा की। एकमुश्त उपाय के रूप में तेलंगाना के सभी पुलिस आयुक्तालयों और जिलों में वाहन मालिकों को मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत लंबित ई-चालान जारी किए गए।

अच्छी खबर, भारी भीड़, उत्साहजनक प्रतिक्रिया और पिछले दो वर्षों में सीओवीआईडी महामारी के कारण जनता को हुई आर्थिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, पुलिस विभाग ने लंबित ई चालान प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी तक बढ़ा दी है। मंजूरी दे दी गई है और जो लोग लंबित चालान का भुगतान कराना चाहते हैं, वे 31 जनवरी, 2024 तक ऑनलाइन भुगतान मोड का उपयोग कर सकते हैं। वाहन मालिकों से अनुरोध किया गया था कि वे एकमुश्त अवसर का लाभ उठाएं। वाहन मालिक वेबसाइट www.echallan.tspolice.gov.in/publicview/ पर जाकर लंबित ई-चालान का विवरण पा सकते हैं।

रियायती कंपाउंडिंग शुल्क का भुगतान मी सेवा, ई सेवा, टी वॉलेट, पेटीएम, टीएस ऑनलाइन के साथ-साथ इंटरनेट बैंकिंग जैसे विभिन्न भुगतान गेटवे के माध्यम से किया जा सकता है।

भुगतान और अन्य मुद्दों पर प्रश्नों के लिए, वाहन मालिक निम्नलिखित लैंड लाइन/मोबाइल फोन/आधिकारिक ईमेल पर www.echallan-helpdesk.hyd@gmail.com पर सम्पर्क कर सकते हैं।

भारत इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट मैच में होगी बेहद कड़ी सुरक्षा

दर्शकों का सहयोग जरूरी: सुधीर बाबू

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 25 से 29 जनवरी के बीच उप्पल के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले पांच दिवसीय टेस्ट क्रिकेट मैच की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राचकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू ने राचाकोंडा डीसीपी, अतिरिक्त डीसीपी और एसीपी के साथ समीक्षा बैठक की।

इस अवसर पर बोलते हुए, सीपी ने अधिकारियों को राचकोंडा आयुक्तालय में होने वाले टेस्ट क्रिकेट मैच के संचालन के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानी बरतने का निर्देश दिया। राचकोंडा आयुक्तालय में क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन एक शानदार अवसर है और अधिकारियों को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि दर्शकों को कोई असुविधा न हो। यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है कि टिकटों के वितरण में कोई भ्रम न हो और हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय करें। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे आयोजकों को मीडिया प्रतिनिधियों और अन्य लोगों को पास जारी करने में उचित सावधानी बरतने का निर्देश दें। दर्शकों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए आवश्यक पार्किंग व्यवस्था का सुझाव दिया गया है। स्टेडियम के आसपास सीसीटीवी लगाने का सुझाव दिया गया है। उन्होंने कहा कि टिकटों का वितरण पूरी पारदर्शिता से किया जाएगा।

बैठक में डीसीपी मल्काजगीरी गिरी पद्मजा , एसबी डीसीपी करुणाकर, ट्रैफिक डीसीपी 1 मनोहर, एडमिन डीसीपी इंदिरा, एडिशनल डीसीपी एडमिन श्रीनिवास रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

राज्य में हरियाली कार्यक्रम जारी रहेगा : कोंडा सुरेखा

मंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और राजस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने कामना की कि राज्य भर में हरियाली कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे। मंत्री ने हरितहारम पर अब तक हुई प्रगति और आगामी सीज़न के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर सचिवालय में बैठक की।

इस बैठक में वन, ग्रामीण विकास, नगर निगम, एचएमडीए, जीएचएमसी, हॉर्टी कल्चर के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। मंत्री ने कहा कि वन संरक्षण एवं हरियाली एक सतत प्रक्रिया है। सभी को 33 प्रतिशत हरियाली के लक्ष्य पर काम करने को कहा गया।मंत्री ने वृक्षारोपण, नर्सरी और वानिकी संबंधी गतिविधियों में प्लास्टिक के उपयोग को यथासंभव कम करने का सुझाव दिया। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे ऐसे पौधे उगाने को प्राथमिकता दें जो घरेलू जरूरतों के लिए उपयोगी हों और न्यूनतम आय भी पैदा करें। तेलंगाना क्षेत्र के फूलों और फलों की प्रजातियों के वितरण के साथ-साथ स्वैच्छिक खेती को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने परिसर में वृक्षारोपण किया है, उन्हें न्यूनतम आय प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उसके लिए उचित कदम उठाया जाना चाहिए। मंत्री ने चिंता, सीताफल, आंवला, अमरूद, नींबू, चीकू, शकरकंद और करी पत्ता जैसे पौधों के वितरण को प्राथमिकता देने को कहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि हरितहरम कार्यक्रम पारदर्शी और पूरी तरह से जवाबदेह होना चाहिए। यदि वे अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरतेंगे तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अतीत की गलतियों को सुधारा जाना चाहिए।

मंत्री ने सुझाव दिया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि समय-समय पर लगाए गए पौधों की वृद्धि के साथ-साथ मृत पौधों को बदलने की प्रक्रिया भी जल्द से जल्द ऑनलाइन हो। समीक्षा बैठक में वन विभाग के प्रधान सचिव वाणी प्रसाद, ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, पीसीसीएफ आर.एम. डोबरियाल, सुभद्रा,आयुक्त हनुमंत राव, अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

बरसाती पानी निकासी का काम तेजी से पूरा किया जाए : रोनाल्ड रोज

कमिश्नर ने नामपल्ली इलाके में स्वच्छता कायों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 10 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि तूफानी जल निकासी का काम जल्दी पूरा किया जाना चाहिए। बुधवार को आयुक्त ने नामपल्ली विधायक माजिद हुसैन के साथ नामपल्ली निर्वाचन क्षेत्र में स्वच्छता और तूफान जल निकासी कार्यों का निरीक्षण किया। इस मौके पर विधायक ने आयुक्त को बरसाती नहर, स्वच्छता एवं बालकपुर नहर के कार्यों से लोगों को हो रही परेशानी बताई। इस अवसर पर आयुक्त ने आगापुर नहर पुलिया, मल्लेपल्ली महमूद अस्पताल, ताज नगर और ज़ेबरा ड्रेन नहर के कार्यों का निरीक्षण किया।

कमिश्नर ने कहा कि आगाहपुर नाला पुलिया का कार्य एवं स्लैब का कार्य पूर्ण हो चुका है, शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कराये जायें। जैसा कि अधिकारियों ने कहा कि निचले हिस्से में झुग्गी बस्ती में महमूद अस्पताल में नहर का निर्माण करना मुश्किल होगा, उन्होंने अधिकारियों को सरेखण बदलने और काम करने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि जेब्रा स्टॉर्म वाटर कैनाल का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया जाये। वे जमीन अधिग्रहण का काम पूरा करना चाहते हैं। वे बालकपुर नाला के काम के लिए भूमि अधिग्रहण का काम तुरंत पूरा करना चाहते हैं, जिन लोगों ने अपनी संपत्ति खो दी है उन्हें मुआवजा देना और रिटर्निंग वॉल का काम पूरा करना चाहते हैं। इस कार्यक्रम में खैरताबाद जोन कमिश्नर वेंकटेश डोत्रे, एसई रत्नाकर, एसएनडीपी किशन, ईई लाल सिंह समेत अन्य शामिल रहे।

कांग्रेस का धोखा सामने आ रहा है

केटीआर पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में जीत के प्रति आश्वस्त

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. तारकरामा राव ने आज आगामी लोकसभा चुनावों में अपनी पार्टी की जीत पर विश्वास जताया और पार्टी कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया। हाल के विधानसभा चुनाव परिणामों को स्वीकार करते हुए, केटीआर ने पार्टी सदस्यों से संसदीय चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए घोषणा की, "आइए विधानसभा परिणामों को एक तरफ रख दें और अपनी ऊर्जा को अधिक लोकसभा सीटें जीतने की दिशा में लगाएं।" बुधवार को तेलंगाना भवन में वारंगल संसदीय क्षेत्र तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना के विकास के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने वर्षों की तबाही के बाद तेलंगाना को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए केसीआर के दशक भर के अथक प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

इस बात पर जोर देते हुए कि उनका 99 प्रतिशत समय शासन और विकास के लिए समर्पित था, केटीआर ने त्वरित और टिकाऊ प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। केटीआर ने कहा, "हमने प्रशासन पर पूरा ध्यान केंद्रित करके पार्टी को कम समय दिया है। हम समय-समय पर पार्टी की बैठकें करेंगे और पार्टी को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।"

केटीआर ने पार्टी नेताओं को "कांग्रेस के धोखे" के बारे में चेतावनी दी, जिसमें कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई "420 गारंटी" के बारे में जनता को शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर बीआरएस और पिछली केसीआर सरकार पर दोष मढ़ने का प्रयास करने का आरोप लगाया और पार्टी सैनिकों से ऐसी रणनीति के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से लोगों, विशेषकर गरीबों की आवाज सुनने का आग्रह किया, जो पहले से ही नई कांग्रेस सरकार के प्रति असंतोष व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने वर्तमान कांग्रेस द्वारा बीआरएस सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं को उलटने को उनके गलत राजनीतिक उद्देश्यों का एक प्रमुख उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस पार्टी, जो लोगों को धोखा देना चाहती है, ने अपने चुनावी वादों को लागू करने के लिए अपने प्रयास भी शुरू नहीं किए हैं.''

केटीआर ने गरीबों पर नकारात्मक प्रभाव डालने के लिए केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की और लोगों के बीच इन चिंताओं को उठाने के महत्व पर जोर दिया। यह विश्वास व्यक्त करते हुए कि लोग कांग्रेस की रणनीति को समझेंगे, केटीआर ने आशावाद के साथ निष्कर्ष निकाला और आगामी संसदीय चुनावों में बीआरएस के लिए एक मजबूत जनादेश की भविष्यवाणी की।

तिरयानी पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाई, मामला दर्ज

मंत्र-तंत्र के बहाने मनुष्य की निर्मम हत्या

कुमरम भीम आसिफाबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को तिरयानी पुलिस स्टेशन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पुलिस ने कुमरम भीम जिले के तिरयानी मंडल के माणिक्यपुर ग्राम पंचायत के राजगुड़ा उपनगर में पिछले शनिवार को हुई हत्या मामले का खुलासा किया। सीआई अल्लम नरेंद्र ने बताया कि मृतक तिरूपति की पिछले 5 दिन पहले उसके फसल के खेत में निगरानी के तहत पांच लोगों ने हत्या कर दी थी। सीआई ने बताया कि मृतक तिरूपति का कुछ दिनों से गांव के लोगों से मेल-जोल नहीं था। वहीं आरोपी नागेश मारुति के पिता गांव के पटेल की भूमिका निभा रहे थे क्योंकि पिछले कुछ दिनों से मारुति की तबीयत ठीक नहीं थी। उन्होंने बताया कि आरोपी नागेश ने अपने रिश्तेदारों जुगुनका हिरामन, चिक्रम की मदद से तिरुपति की हत्या कर दी। मारुति, हर्ष वर्धन और अत्रम चिन्नू ने यह झांसा दिया कि वह मारुति को मंत्र तंत्र कर रहा था। आरोपी द्वारा इस्तेमाल की गई टॉर्च की रोशनी के साथ, मोबाइल फोन और एक अन्य मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया और आरोपियों को रिमांड पर लिया जा रहा है।सीआई अल्लम नरेंद्र ने हत्या के मामले में जल्द ही दिवंगत हुए तिरयानी एसआई चुंचू रमेश और पुलिसकर्मियों को बधाई दी।इस कार्यक्रम में हेड कांस्टेबल प्रभाकर, रविंदर, कांस्टेबल शंकर, सीआई गनमैन राज कुमार, होम गार्ड जांगू, तुकाराम टीएसएसपी स्टाफ और अन्य ने भाग लिया।

तेलंगाना में है भारत का सबसे जीवंत एयरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना में देश में सबसे जीवंत एयरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र है। श्रीधर बाबू ने बुधवार को हैदराबाद के बाहरी इलाके शमशाबाद के अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस सेंटर में भारतीय नौसेना के लिए अपने स्वदेशी रूप से निर्मित दृष्टि 10 स्टारलाइनर मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) का अनावरण किया, जिसमें रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को पंख लगे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि एयरोस्पेस, विमानन और अंतरिक्ष उद्योग तेलंगाना के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं और राज्य सरकार के पास एयरोस्पेस विनिर्माण, सर्विसिंग, इंजीनियरिंग और प्रशिक्षण फर्मों की मेजबानी के लिए कई एयरोस्पेस और संबद्ध पार्क हैं। "राज्य की औद्योगिक नीति को सबसे अधिक उद्योग-अनुकूल नीति के रूप में जाना जाता है और इसमें एयरोस्पेस और संबद्ध क्षेत्रों में 1000 से अधिक एमएसएमई हैं। तेलंगाना समय-समय पर स्थानीय एमएसएमई को वैश्विक एयरोस्पेस आपूर्ति श्रृंखला में शामिल करने के लिए ओईएम के साथ आपूर्ति श्रृंखला कार्यक्रम आयोजित करता है। इसके अलावा, तेलंगाना ने लॉकहीड मार्टिन, बोइंग, जीई एविएशन, सफ्रान, राफेल एडवांस्ड सिस्टम्स, एल्बिट सिस्टम्स आदि जैसे वैश्विक मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) से कई मेगा-निवेश आकर्षित हुए। इनमें से प्रत्येक वैश्विक निवेशक ने हर कुछ वर्षों में दोबारा निवेश किया है," उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना राज्य ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से एयरोस्पेस के लिए द्विवार्षिक सर्वश्रेष्ठ राज्य पुरस्कार लगातार तीन बार (2016-2020 ,2018, 2020 और 2022) जीता था और संदर्भ अवधि के लिए राज्य को इस क्षेत्र में नंबर 1 स्थान दिया गया था। मंत्री ने कहा कि हैदराबाद ने फाइनेंशियल टाइम्स एफडीए ग्लोबल रैंकिंग में रैंक नंबर 1 हासिल किया है, जिसे भविष्य के सबसे लागत प्रभावी एयरोस्पेस शहर (2020-21) के रूप में मान्यता दी गई है।अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने अपनी रक्षा क्षमताओं को स्थापित करने के लिए हैदराबाद को अपने पहले स्थान के रूप में चुना है। 10 महीने की छोटी सी अवधि में, उन्होंने यूएवी के लिए पहली कार्बन एयरोस्ट्रक्चर विनिर्माण लाइन की स्थापना की। बुधवार को अडानी ने हैदराबाद में 25 से अधिक आपूर्तिकर्ताओं के साथ बातचीत की।अदानी डीआरडीओ के सबसे बड़े डीसीपीपी भागीदारों में से एक है; उन्हें सात प्रतिष्ठित मिसाइल कार्यक्रमों से सम्मानित किया गया है। आगे चलकर इन मिसाइलों का उत्पादन केंद्र बनने के लिए हैदराबाद को चुना गया है। अदानी ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 20 से अधिक मानवरहित हवाई प्रणालियों का निर्यात करके हैदराबाद से रक्षा क्षेत्र में निर्यात की सुविधा प्रदान की है। अदानी भारतीय रक्षा क्षेत्र और मेक इन इंडिया पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वे राज्य में रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण में निवेश और संबद्ध क्षमताओं को और बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।"राज्य सरकार इन निवेशों का स्वागत करेगी और अदानी समूह को तेलंगाना में उनकी परियोजनाओं के लिए सभी समर्थन का आश्वासन देगी। हम एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाएंगे जहां एयरोस्पेस या किसी अन्य क्षेत्र में खिलाड़ियों के लिए एक समान अवसर प्रदान किया जाएगा, जो हमारे राज्य की प्रगति में योगदान देगा।

जन सेना में शामिल होंगे अंबाती रायडू

अमरावती, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायडू ने आज जन सेना पार्टी प्रमुख पवन कल्याण से अमरावती स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। अंबाती रायडू ने हाल ही में वाईएसआरसीपी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने ट्वीट किया कि वह अपनी भविष्य की रणनीति की घोषणा बाद में करेंगे।

पवन कल्याण से मुलाकात के बाद उनके जन सेना में शामिल होने की संभावना है। अंबाती रायडू गुंटूर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे. वाईएसआरसीपी द्वारा टिकट पर स्पष्टता नहीं दिए जाने के कारण उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी से इस्तीफा दे दिया। रायडू ने ऐलान किया है कि वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलेंगे।

अंबाती रायुडू ने उस समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जब वह अच्छी फॉर्म में थे। राजनीति में रुचि होने के कारण उन्होंने पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि उन्हें वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाएं पसंद हैं।

एलआईसी ने अभा औद्योगिक प्रदर्शनी में स्टॉल खोला

हैदराबाद, 10 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने हैदराबाद के नामपल्ली में आयोजित अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी में अपना स्टॉल खोला। आज आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में आंचलिक प्रबंधक एलके शमसुंदर ने स्टॉल का उद्घाटन किया। एलआईसी ग्राहक और संभावित ग्राहक इस स्टॉल के माध्यम से सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए एलके शमसुंदर ने लॉन्च किए गए नए उत्पादों के बारे में बताया और पॉलिसीधारकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने के लिए निगम द्वारा की गई नई पहलों को भी साझा किया।

इसमें थॉमस, जीबीके रमैया, राजीब विश्वास, टी. सुधाकर, सुनंदन, जी. मधुसूदन और एलआईसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रेस अधिसूचना

भारत सरकार
नागरिक उड्डयन मंत्रालय
रेलवे सुरक्षा आयोग

PUB/0035

दि.10-01-2024 के सु. 8.42 बजे,सिकंदराबाद डिवीजन के हैदराबाद स्टेशन पर, चारमिनार एक्सप्रेस ट्रेन नं.12759(टीबीएम-एचवायबी) रेल के डिब्बे पटरी से उतरने से घटित रेल दुर्घटना की वैधानिक पूछताछ की जायेगी।

रेल सुरक्षा आयुक्त मिस माधवी, साउथ सेंट्रल सर्किल, सिकंदराबाद, नागरिक उड्डयन मंत्रालय से दि.12.01.2024 के सु.10.30 बजे, मंडल रेल प्रबंधक सम्मेलन कक्ष, संचालन भवन, सिकंदराबाद कार्यालय पर, उपरोक्त रेल दुर्घटना की वैधानिक पूछताछ करेंगी।

अतःऐसे आमजन सदस्यगण जिन्हें उपरोक्त रेल दुर्घटना की जानकारी हो तथा इस मामले से अवगत हो, वे तत्संबंधित जानकारी दे सकते है तथा इसके चलते इच्छुक आमजन सदस्यगण, इस दुर्घटना से जुडी अपनी जानकारी को प्रमाण या सबूत के साथ व्यक्तिगत रूप में उपरोक्त स्थान व पूछताछ दिनांक व समय पर प्रस्तुत कर सकते हैं या लिखित रूप में भी इसे निम्न कार्यालयीन पते पर भेज सकते हैं।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त, साउथ सेंट्रल सर्किल, रेल निर्माण भवन, सरोजिनी देवी रोड, सिकंदराबाद 500025 अथवा तत्संबंधित आयुक्त से फोन नं.040-27820104 पर संपर्क कर सकते हैं।

ए0039

सीपीआरओ द्वारा जारी
दक्षिण मध्य रेलवे

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.